खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 | शनिवार, 30 मई, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 12 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-8 | अंक-146

डीके शपथ 3 को

कैबिनेट में सिद्धारमैया का दबदबा

बेंगलुरु, 29 मई (एजेंसियां): कर्नाटक में सियासत का एक बड़ा बदलाव होने वाला है। सिद्धारमैया ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है और अब डीके शिवकुमार नए मुख्यमंत्री बनने वाले हैं। ताजा जानकारी के मुताबिक, डीके शिवकुमार 3 जून को लोक भवन में सीएम पद की शपथ लेंगे। वे कर्नाटक के 25वें मुख्यमंत्री होंगे।

कांग्रेस पार्टी के बड़े नेता इस बदलाव को शांति से करवाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन असली खींचतान चल रही है नई कैबिनेट को लेकर। कौन मंत्री बनेगा, किसे कौन सा विभाग मिलेगा, कौन सी जाति को कितनी जगह मिलेगी और किस इलाके को कितना हिस्सा मिलेगा। यही सब अभी तय हो रहा है।

कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार है। अभी तक सिद्धारमैया मुख्यमंत्री थे। लेकिन पार्टी के अंदर एक समझौता था कि सत्ता को बीच में ही डीके शिवकुमार को सौंप दिया जाएगा। अब वो वक्त आ गया है। सिद्धारमैया ने इस्तीफा दे दिया है। शनिवार को कांग्रेस के विधायकों की एक बड़ी बैठक होगी, जिसमें शिवकुमार को आधिकारिक तौर पर नया मुख्यमंत्री चुना जाएगा। उसके बाद शपथ ग्रहण समारोह होगा। नए मुख्यमंत्री के साथ नई कैबिनेट भी बनेगी। और इसी को लेकर सबसे ज्यादा बातचीत चल रही है। पार्टी के सामने कई चुनौतियां हैं। पहली चुनौती यह है कि सिद्धारमैया के खेमे के लोगों को भी जगह देनी है और शिवकुमार के खेमे के लोगों को भी। दूसरी चुनौती है कि अलग-अलग जातियों को उनका हक देना है। तीसरी चुनौती है कि राज्य के अलग-अलग इलाकों को भी कैबिनेट में हिस्सेदारी देनी है।

पुराने मंत्री ही रहेंगे ज्यादातर

जो नाम अभी सामने आ रहे हैं, उनमें से ज्यादातर वो हैं जो सिद्धारमैया की सरकार में पहले से मंत्री थे। यानी पूरी तरह नया चेहरा नहीं आएगा। बहुत से लोग वही रहेंगे, बस मुख्यमंत्री बदलेगा। इससे यह भी साफ होता है कि सरकार चलाने में कोई बड़ा झटका न लगे और काम पहले जैसा चलता रहे।

कौन-कौन हो सकते हैं मंत्री?

अब एक-एक करके उन नामों को समझते हैं जो नई कैबिनेट में शामिल हो सकते हैं।

यतींद्र सिद्धारमैया: ये मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बेटे हैं। खबरें हैं कि सिद्धारमैया खुद अपने बेटे के लिए एक बड़ा पद चाहते थे।

▶8पर

'पावर' में रहना चाहते हैं सिद्धारमैया

हाईकमान ने खारिज किया प्लान

बेंगलुरु, 29 मई (एजेंसियां) कर्नाटक की राजनीति में इस हफ्ते बड़ा बदलाव हुआ है। सिद्धारमैया ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। डीके शिवकुमार अब प्रदेश की राजनीति और पार्टी दोनों में मजबूत हो गए हैं। लेकिन पुराने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया चुप बैठने के मूड में नहीं हैं। उन्होंने पार्टी आलाकमान के सामने एक ऐसी कमेटी बनाने का आइडिया रखा है जो उन्हें सरकार से बाहर रहते हुए भी राजनीति में ताकतवर बनाए रखे।

कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार है। सिद्धारमैया अब मुख्यमंत्री नहीं हैं। लेकिन अब नेतृत्व बदल गया है और डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री बनने वाले हैं। शिवकुमार पहले से ही कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष थे यानी पार्टी संगठन उनके हाथ में था। अब सरकार भी उनके पास जा सकती है। इससे वो दोनों तरफ से मजबूत हो जाएंगे।

सिद्धारमैया मुख्यमंत्री की कुर्सी से जा चुके हैं। पार्टी का अध्यक्ष पद भी उनके पास नहीं है। यानी सीधे तौर पर देखें तो उनका सरकार और संगठन दोनों में कोई बड़ा ओहदा नहीं रहा। लेकिन सिद्धारमैया एक बड़े नेता हैं, उनके समर्थक हैं, उनकी अपनी राजनीतिक ताकत है। वो चाहते हैं कि यह ताकत बनी रहे।

सूत्रों के अनुसार, सिद्धारमैया ने पार्टी हाईकमान के सामने एक कोऑर्डिनेशन कमेटी बनाने का प्रस्ताव रखा है। यह एक ऐसी कमेटी होगी जो सरकार और पार्टी संगठन के बीच में काम करे। यानी सरकार क्या कर रही है और पार्टी क्या चाहती है, इन दोनों के बीच तालमेल बनाए। और इस कमेटी की जिम्मेदारी सिद्धारमैया को मिल सकती है। हालांकि, कांग्रेस हाईकमान ने सिद्धारमैया की मांग को ठुकरा दिया है। 2018 में कर्नाटक में कांग्रेस और जेडीएस ने मिलकर सरकार बनाई थी। तब एचडी कुमारस्वामी मुख्यमंत्री थे लेकिन सिद्धारमैया उस वक्त बनाई गई ▶8पर

ईरान पर अंतिम फैसला

सिचुएशन रूम में ट्रंप

नयी दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान-अमेरिका परमाणु डील को लेकर बड़ा बयान जारी किया है।

उन्होंने कहा कि वह अंतिम निर्णय लेने के लिए व्हाइट हाउस सिचुएशन रूम में बैठक करने जा रहे हैं। ट्रंप ने अपनी शर्तों का ऐलान करते हुए ईरान पर सख्ती बरतने का संकेत दिया।

ट्रंप की पहली शर्त

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर लिखा, ईरान को यह स्वीकार करना होगा कि वह कभी भी परमाणु हथियार या बम नहीं बनाएगा।

होर्मुज जलडमरूमध्य को तत्काल खोला जाना चाहिए, बिना किसी शुल्क के, दोनों दिशाओं में जहाज यातायात जारी रहेगा। यदि कोई समुद्र के अंदर बम मौजूद हैं, तो उन्हें नष्ट कर दिया जाएगा। हमने अपने शक्तिशाली जलमग्न माइन्स सफाई यंत्रों से विस्फोट करके ऐसी कई माइन्स को हटा दिया है। ईरान बची हुई सभी माइन्स को तत्काल हटाएगा या नष्ट करेगा, जो कि बहुत कम होंगी!

ट्रंप की दूसरी शर्त

अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे लिखा, हमारी अभूतपूर्व नौसैनिक नाकाबंदी के कारण जलडमरूमध्य में फंसे जहाज अब घर लौटने की प्रक्रिया शुरू कर सकते हैं! नाकाबंदी को हटाया जा रहा है।

11 महीने पहले हमारे शक्तिशाली बी2 बमवर्षक हमले के कारण लगभग ढह चुके पहाड़ों के नीचे दबी हुई एनरिच्ड मैटेरियल, जिसे कभी-कभी परमाणु धूल भी कहा जाता है, को संयुक्त राज्य अमेरिका ईरान और अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के साथ मिलकर निकालेगा और नष्ट कर देगा।

तीसरी शर्त और अगली सूचना

अगली सूचना तक पैसों का लेन-देन नहीं होगा। अन्य कम महत्वपूर्ण बातों पर सहमति बन चुकी है। मैं अब अंतिम निर्णय लेने के लिए सिचुएशन रूम में बैठक कर रहा हूं। इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद!

इससे पहले ईरान के मुख्य वार्ताकार बागेर गालिबाफ ने कहा था कि दूसरी तरफ से कार्रवाई होने से पहले कोई कदम नहीं उठाया जाएगा। इससे संकेत मिलता है कि तेहरान अमेरिका की पहल का इंतजार कर रहा है। इस बात की कोई पुख्ता पुष्टि नहीं हुई है कि ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने दस्तावेज को अपनी मंजूरी दे दी है।

इस बीच, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर नौसेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास चार जहाजों पर चेतावनी के तौर पर गोलीबारी की, क्योंकि वे कथित तौर पर बिना पूर्व समन्वय या अनुमति के जलमार्ग से गुजरने की कोशिश कर रहे थे। यह जानकारी एक संबद्ध टेलीग्राम अकाउंट पर पोस्ट में दी गई है।

विश्लेषकों का मानना है कि ट्रंप की इन शर्तों और सिचुएशन रूम बैठक के बाद क्षेत्रीय तनाव में कमी या वृद्धि दोनों की संभावना है। पूरी दुनिया इस पर नजरें जमाए हुए है कि ईरान इन शर्तों पर क्या रुख अपनाता है।

पुणे-पिंपरी चिंचवाड़ में जहरीली शराब से हडकंप

अब तक 20 मौतें-8 गिरफ्तार, अवैध भट्टियों पर छापेमारी, मेथेनॉल खरीद का खुलासा

पुणे, 30 मई (एजेंसियां): महाराष्ट्र के पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ में जहरीली शराब पीने से अब तक 20 लोगों की मौत हो चुकी है। इस घटना ने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया है। पिंपरी-चिंचवाड़ के फुगेवाड़ी इलाके में 14 लोगों की मौत हुई, जबकि पुणे के हडपसर क्षेत्र में 6 लोगों ने दम तोड़ा। फिलहाल 8 लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

पुलिस और राज्य आबकारी विभाग ने मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य आपूर्तिकर्ता योगेश वानखेड़े समेत 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुणे सिटी पुलिस ने हडपसर थाने में आकाश जाधव और एक अन्य अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। जांच में पता चला कि योगेश वानखेड़े ने ही दोनों जगहों पर जहरीली शराब की सप्लाई की थी। पुणे की उरुली कांचन पुलिस ने शिंदेवडे और भवरापुर में अवैध शराब की भट्टियों पर छापा मारा और एक लाख रुपये से अधिक का सामान जब्त किया। जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि मुख्य आरोपी योगेश वानखेड़े ने अवैध देशी शराब का नशा बढ़ाने के लिए ई-कॉमर्स वेबसाइट के जरिए मेथेनॉल खरीदा था।

अधिकारियों के अनुसार, सभी पीड़ितों में एक जैसे लक्षण देखे गए ˉ चक्कर आना, बेचैनी, मुंह से झाग निकलना और सांस लेने में तकलीफ। पुलिस को एक मृतक के शरीर में शराब के अंश मिले हैं। हालांकि, मौत की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना पर सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि जहरीली शराब की सप्लाई करने वाले पूरे नेटवर्क की पहचान कर ली गई है। मुख्यमंत्री ने पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ के पुलिस आयुक्तों को ▶8पर

दहेज पर सुप्रीम टिप्पणी

जिनसे पैसे लेते हो, उनको ही भिखारी कहते हो

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां) सुप्रीम कोर्ट ने दहेज प्रताड़ना को लेकर समाज को कड़ा संदेश दिया है। कोर्ट ने बहू-बेटियों के अपमान पर बेहद सख्त रुख अपनाया है। एक मामले की सुनवाई के दौरान देश की सबसे बड़ी अदालत ने साफ कहा कि लड़कों को शादी के बाद दूसरों की बेटियों और उनके परिवार का अपमान करने का कोई हक नहीं है। सुनवाई के दौरान अदालत ने बेहद कड़े शब्दों में पूछा, आप जिनसे पैसे लेते हो, आखिर उनको ही भिखारी कैसे कह सकते हो? इसी सख्त रुख के साथ जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने आरोपी पति तथा उसके परिवार को कोई राहत देने से इनकार करते हुए उन्हें जेल भेजने का फैसला लिया।

दरअसल, यह पूरा मामला दहेज हत्या और खुदकुशी के लिए उकसाने से जुड़ा हुआ था। इस केस में आरोपी पक्ष कोर्ट से कानूनी राहत की उम्मीद कर रहा था। हालांकि, सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने लड़के वालों के पुराने बर्ताव पर बार-बार गहरी नाराजगी जताई। जजों का साफ मानना था कि ऐसे

गंभीर मामलों में ढिलाई बरतने से समाज में गलत संदेश जाता है। इसी वजह से अदालत ने आरोपियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया। इस दौरान जस्टिस नागरत्ना ने हमारे समाज की इस कड़वी हकीकत पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने सवाल किया, आखिर लड़के, लड़कियों से शादी ही क्यों करते हैं, जब उन्हें बाद में लड़की और उसके पूरे परिवार का अपमान ही करना होता है?

इसी बीच, जब याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि उनके मुवक्किल पर तो सिर्फ आईपीसी की धारा 498ए (दहेज प्रताड़ना) के तहत आरोप लगे हैं, तब सुप्रीम कोर्ट ने इसे सिरे से खारिज कर दिया। जस्टिस नागरत्ना ने वकील की दलील पर तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि आपको तो खुश होना चाहिए कि आप पर सिर्फ धारा 498ए लगी है और इसमें केवल तीन साल की ही सजा का प्रावधान है।

बहू को एटीएम मशीन न समझें

इसके आगे सुप्रीम कोर्ट ने शादियों के बाद लड़कियों के ससुराल में होने वाले आर्थिक शोषण पर भी गहरी चिंता जताई। इस दौरान जस्टिस नागरत्ना ने लड़के वालों की मानसिकता पर चोट करते हुए टिप्पणी की कि आजकल शादी के बाद ससुराल में दुल्हन तथा उसके माता-पिता को पूरी तरह से निचोड़ लेने यानी पैसे ऐंठने की कोशिश की जाती है।इतना ही नहीं, अदालत ने लड़की के मायके वालों से पैसे मांगने और फिर उन्हें ही नीचा दिखाने वाले रवैए को बेहद शर्मनाक माना है। बेंच ने स्पष्ट कर दिया कि समाज में अब यह मैसेज जाना चाहिए कि कोई भी परिवार किसी की बेटी को लाकर उसका या उसके माता-पिता का मानसिक तथा आर्थिक उत्पीड़न नहीं कर सकता। आरोपियों की याचिका को खारिज करते हुए पीठ ने यह जता दिया कि देश का कानून अब बहू-बेटियों के सम्मान की रक्षा के लिए पूरी तरह से मुस्तैद है।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 38^0

न्यूनतम : 29^0

शिव या एलामाइट देवता?

हड़प्पाकालीन मोहर पर अमेरिकी दावा

नयी दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। भारत के संस्कृति मंत्रालय ने हाल ही में एक 4300 वर्ष पुरानी हड़प्पाकालीन मोहर को भारतीय सभ्यता की अटूट निरंतरता का प्रतीक बताते हुए सोशल मीडिया पर साझा किया। दुनिया की सबसे पुरानी मानव बस्तियों में से एक अविभाजित भारत के मोहनजोदारो में मिली 4300 साल पुरानी पत्थर की मोहर में योग मुद्रा में एक आकृति दिखाई देती है। संस्कृति मंत्रालय के अनुसार इस आकृति को शिव-पशुपति माना जाता है। यह आकृति मूलाबंधासन में बैठी है और जानवरों से घिरी हुई है।

भारतीय परंपरा में लंबे समय से इसे भगवान शिव के आदि स्वरूप पशुपतिनाथ से जोड़कर देखा जाता रहा है।

इस पोस्ट ने तुरंत विवाद खड़ा कर दिया। अमेरिकी इतिहासकार ऑड्रे ट्रुश्के ने भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की ओर से पोस्ट किए गए इस पोस्ट पर विरोध जताया।

शिव या लॉर्ड ऑफ एनिमल्स?

ऑड्रे ट्रुश्के ने लिखा कि, यह शिव नहीं है। इसकी ज़्यादा संभावना है कि इसे प्रोटो-एलामाइट आइकनोग्राफी से लिया गया है, जिसमें एक यूरेशियन देवता को जानवरों का स्वामी के रूप में दिखाया गया है।

तुरंत ही संस्कृति मंत्रालय का ये पोस्ट वायरल हो गया। और इसे लगभग 20 लाख लोगों ने देखा। इसके बाद कई लोगों ने इस पोस्ट में दिखाए गए मोहर की वास्तविकता को लेकर कमेंट किया।

संस्कृति मंत्रालय ने एक्स पर अपने पोस्ट में आगे लिखा कि भले ही प्राचीन स्थल आज की आधुनिक सीमाओं के पार स्थित हों, लेकिन भारत ही इस विरासत का जीवंत संरक्षक बना हुआ है। ▶8पर

तेलंगाना कांग्रेस की बड़ी कार्रवाई

हत्यारोपी आलम निष्कासित

हैदराबाद, 30 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने हैदराबाद पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद अपने उपाध्यक्ष मुजाहिद आलम खान को आधिकारिक तौर पर पार्टी से निष्कासित कर दिया है। इस हाई-प्रोफाइल आपराधिक मामले से खुद को दूर रखने के लिए सत्तारूढ़ दल कांग्रेस ने यह त्वरित अनुशासनात्मक कार्रवाई की है।

यह कड़ी कार्रवाई मुजाहिद आलम खान और उनके बेटे की हैदराबाद पुलिस द्वारा एक सनसनीखेज हत्या के मामले में गिरफ्तारी के तुरंत बाद आई है। दोनों पर 63 वर्षीय वरिष्ठ अधिवक्ता और वक्फ बोर्ड के पैनल वकील ख्वाजा मोइजुद्दीन की हत्या का गंभीर आरोप है।

हैदराबाद पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार, इस निर्मम हत्या की मुख्य वजह वक्फ बोर्ड की कीमती संपत्तियों को लेकर दोनों परिवारों के बीच लंबे समय से चला आ रहा गहरा और पुराना विवाद था। इसी रंजिश के चलते इस पूरी वारदात को अंजाम दिया गया। इस चौंकाने वाले मामले के सामने आते ही तेलंगाना कांग्रेस ने आरोपी नेता से अपने सारे रिश्ते खत्म करने में बिल्कुल देर नहीं की। मुजाहिद आलम खान को जून 2025 में टीपीसीसी का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया था और वे पार्टी की कार्यकारी समिति के एक सक्रिय सदस्य थे। लेकिन कानून को हाथ में लेने और गंभीर आपराधिक मामले में नाम आने के बाद, औपचारिक गिरफ्तारी के तुरंत बाद ही कांग्रेस पार्टी ने उनके खिलाफ तत्काल प्रभाव से निष्कासन आदेश जारी कर दिया।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

ट्रंप प्रशासन इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को अब भी मानता है रणनीतिक तौर पर अहम

विवके लाल बोले- रुबियो की भारत यात्रा बहुत सही समय पर हुई

वाशिंगटन

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने अपनी चार दिन की भारत यात्रा का इस्तेमाल क्वाड सहयोग को मजबूत करने और नई दिल्ली को यह भरोसा दिलाने के लिए किया कि ट्रंप प्रशासन इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को अब भी एक अहम रणनीतिक प्राथमिकता मानता है। यह बात विश्लेषकों और बिजनेस जगत के लोगों ने बताई। यह रुबियो की अमेरिकी विदेश मंत्री के रूप में भारत की पहली यात्रा थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जनरल एटामिक्स ग्लोबल कारपोरेशन के सीईओ डा. विवेक लाल ने इस यात्रा को बहुत सही समय पर हुई यात्रा बताया। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि यह दोनों देशों के लिए एक बार फिर रणनीतिक बातचीत करने और एक साझा रणनीतिक दिशा तय करने का बेहतरीन मौका है। उन्होंने कहा कि भारत-अमेरिका संबंध अब एक अहम मोड़ पर पहुंच चुके हैं और रक्षा सहयोग, जरूरी समझौते और सैन्य अभ्यासों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। यह रिश्ता बहुत रणनीतिक है। क्वाड के बारे में उन्होंने कहा कि यह समूह फिर से रफ्तार पकड़ रहा है। क्वाड में आस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि क्वाड में जो नई ऊर्जा वापस आई है और जिन ठोस नतीजों की बात हो रही है, उससे आने वाले समय में इसे और ज्यादा ताकत और ध्यान मिलेगा।

उन्होंने कहा कि कामन आपरेटिंग पिक्चर, निगरानी और सुरक्षा सहयोग क्वाड साझेदारी के अहम हिस्से हैं। यूएस इंडिया स्ट्रैटेजिक एंड पार्टनरशिप फोरम के अध्यक्ष और सीईओ मुकेश आघी ने कहा कि रुबियो की यात्रा से साफ होता है कि वाशिंगटन की भू-राजनीतिक सोच में इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की अहमियत लगातार बढ़ रही है। आघी के मुताबिक, अब क्वाड सिर्फ कूटनीतिक दिखावे तक सीमित नहीं है बल्कि यह आर्थिक और रणनीतिक सहयोग की ओर आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि समुद्री सुरक्षा, महत्वपूर्ण खनिज, ऊर्जा, मजबूत सप्लाई चेन और नई तकनीकों पर मिलकर काम करने से भारत-अमेरिका साझेदारी और मजबूत होगी और एक खुला और स्थिर इंडो-पैसिफिक बनाने में मदद मिलेगी।

उन्होंने क्वाड क्रिटिकल मिनरल्स इनिशिएटिव फ्रेमवर्क और इंडो-पैसिफिक एनर्जी सिक्योरिटी इनिशिएटिव जैसे कदमों को निजी क्षेत्र के लिए बड़े मौके बताया। अउन्होंने कहा कि भारत की ओर से क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक की मेजबानी करना भी काफी अहम है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के बाहर पहली बार क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक भारत में होना अपने आप में बड़ा संदेश देता है। उनके मुताबिक रुबियो का मकसद यह दिखाना था कि अमेरिका की रणनीति में इंडो-पैसिफिक अब भी केंद्र में है, चाहे दुनिया में और भी कई संकट क्यों न चल रहे हों।

न्यूज ब्रीफ

वाट्सऐप ने पेश किया मीडिया अटैचमेंट शीट का नया डिजाइन

सैन फ्रांसिस्को। लोकप्रिय मैसेजिंग प्लेटफार्म वाट्सऐप कंपनी ने आईओएस यूजर्स के लिए मीडिया अटैचमेंट शीट का नया डिजाइन पेश किया है, जो चैटिंग के दौरान मीडिया साझा करने के पूरे अनुभव को बदलने वाला माना जा रहा है। हाल ही में वाट्सऐप ने आईफोन यूजर्स के लिए एक नया और अहम अपडेट जारी किया है, जिससे फोटो, वीडियो और दूसरी मीडिया फाइल्स शेयर करना पहले से ज्यादा आसान और तेज हो जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार यह फीचर व्हाट्सऐप फार आईओएस में देखा गया है और इसे धीरे-धीरे सभी आईफोन यूजर्स तक पहुंचाया जा रहा है। नए अपडेट के बाद जब यूजर किसी चैट में प्लस बटन पर टैप करेंगे, तो उन्हें नया मीडिया शेयर इंटरफेस दिखाई देगा। स्क्रीन के ऊपरी हिस्से में डाक्यूमेंट, फोटो, लोकेशन और अन्य शेयरिंग विकल्प मौजूद रहेंगे, जबकि सबसे बड़ा बदलाव नीचे के हिस्से में देखने को मिलेगा। अब यूजर्स को अपनी पूरी गैलरी खोलने की जरूरत नहीं पड़ेगी। वाट्सऐप ने हाल ही में सेव की गई फोटो और वीडियो को सीधे एक 4गुणा4 ग्रिड लेआउट में दिखाना शुरू किया है। इससे यूजर्स एक ही स्क्रीन पर कई मीडिया फाइल्स देख और चुन सकेंगे। खास बात यह है कि चैट स्क्रीन बैकग्राउंड में दिखाई देती रहेगी, जिससे बातचीत का फ्लो नहीं टूटेगा और मीडिया शेयरिंग का अनुभव ज्यादा स्मूद और सहज महसूस होगा।

होर्मुज पर तनाव के बीच अमेरिका का ईरान पर दूसरा हमला

वाशिंगटन। होर्मुज जलडमरूमध्य पर बढ़ते तनाव के बीच, अमेरिका ने फिर ईरान के सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं, जिससे दोनों देशों के बीच पाकिस्तानी मध्यस्थता से हुआ अस्थायी सीजफायर टूटने की कगार पर पहुंच गया है। बुधवार रात ईरान के बंदर अब्बास शहर के पूर्वी हिस्से में तीन जोरदार धमाके सुने गए। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि ये हमले आत्मरक्षा में किए गए, जिसमें एक इसतरह के सैन्य ठिकाने को निशाना बनाया गया जो होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिकी सेना और वाणिज्यिक जहाजों के लिए खतरा पैदा कर रहा था। इस दौरान अमेरिकी सेना ने ईरान द्वारा लांच किए गए कई घातक ड्रोनों को भी हवा में मार गिराया। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी ने भी बंदर अब्बास में हुए धमाकों की पुष्टि की है, जिसके तुरंत बाद ईरानी सेना का एयर डिफेंस सिस्टम सक्रिय हुआ और आसमान में फायरिंग की गई। हालांकि, ईरानी अधिकारियों ने फिलहाल किसी नुकसान की आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की है। यह हमला महज 48 घंटे के भीतर अमेरिका का ईरान पर दूसरा प्रहार है। इसके पहले अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकाम) ने दक्षिणी ईरान में मिसाइल लांच साइटों और कथित तौर पर बारूदी माइंस बिछाने का प्रयास कर रही ईरानी नौसेना की नौकाओं को तबाह किया था। ईरान ने इन हमलों की कड़ी निंदा कर सीजफायर का उल्लंघन बताया था और जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी थी।

ताइवान की 72 साल की दादी बनीं बाडीबिल्डिंग चैंपियन

ताईपे। पांच पोते-पोतियों की दादी ताइवान की 72 वर्षीय लिन सुई-त्जु आज अपनी शानदार फिटनेस, मजबूत मसल्स और आत्मविश्वास भरी मौजूदगी की वजह से दुनियाभर में चर्चा का विषय बनी हुई हैं। उनकी कहानी यह साबित करती है कि उम्र सिर्फ एक संख्या है और अगर इच्छाशक्ति मजबूत हो तो किसी भी उम्र में नई शुरुआत की जा सकती है। लिन सुई-त्जु ताइवान की सबसे उम्रदराज सक्रिय महिला बाडीबिल्डर्स में गिनी जाती हैं। हाल ही में उन्होंने 2025 प्रेसिडेंट्स कप बाडीबिल्डिंग एंड फिटनेस चैंपियनशिप में 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में पहला स्थान हासिल कर सभी को हैरान कर दिया। उनकी जीत ने यह संदेश दिया कि फिटनेस और आत्मविश्वास के लिए कोई तय उम्र नहीं होती। सबसे दिलचस्प बात यह है कि लिन ने अपना फिटनेस सफर युवावस्था में नहीं, बल्कि 69 साल की उम्र में शुरू किया। वह पहले डायबिटीज एजुकेटर के रूप में काम करती थीं और लोगों को स्वास्थ्य और व्यायाम के फायदे समझाती थीं। लेकिन जब उन्होंने देखा कि अधिकतर बुजुर्ग लोग एक्सरसाइज से दूरी बनाकर रखते हैं, तो उन्होंने खुद उदाहरण बनने का फैसला किया।

नेपाल में चीनी कंपनी के खिलाफ लोगों का फूटा गुस्सा, सड़क निर्माण में देरी पर पूर्व-पश्चिम राजमार्ग जाम

काठमांडू

नेपाल के गोलबजार नगरपालिका में स्थानीय लोगों ने चीनी कंपनी द्वारा सड़क निर्माण में की जा रही भारी देरी के विरोध में पूर्व-पश्चिम राजमार्ग जाम कर दिया।

कंचनपुर-कमला सड़क विस्तार परियोजना में चीनी ठेकेदार कंपनी के सुस्त कामकाज को लेकर लोगों ने प्रदर्शन किया और चीनी निर्माण कंपनी के खिलाफ नाराजगी जताई।

स्थानीय नागरिकों, व्यवसायियों और नेताओं ने शुक्रवार सुबह करीब डेढ़ घंटे तक राजमार्ग अवरुद्ध रखा। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि चाइना रेलवे नं. 2 इंजीनियरिंग ग्रुप को ठेका मिले लगभग सात वर्ष बीत चुके हैं लेकिन अब तक सड़क निर्माण पूरा नहीं हो सका है, जिससे आम लोगों को रोजाना भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है।

स्थानीय निवासी दिनेश नायक ने बताया कि हल्की बारिश होते ही सड़क कीचड़ में बदल जाती है और आवागमन पूरी तरह ठप हो जाता है। उन्होंने कहा कि छात्र स्कूल नहीं जा पा रहे हैं तथा गंदे पानी और कीचड़ के कारण त्वचा रोग समेत कई बीमारियां बढ़ रही हैं।

स्थानीय नेता प्रमेश्वर साह के अनुसार आंदोलन के बाद चीनी कंपनी के प्रतिनिधियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ समस्या समाधान को लेकर बैठक करने पर सहमति बनी, जिसके बाद राजमार्ग खोला गया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि बैठक से संतोषजनक समाधान नहीं निकला तो चीनी कंपनी के खिलाफ आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

पूर्व-पश्चिम राजमार्ग के अंतर्गत लहान, गोलबजार और मिर्चैया जैसे बाजार क्षेत्रों में सड़क निर्माण अधूरा रहने से लोगों को लंबे समय से कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) की ऋण सहायता से बन रही 86.83 किलोमीटर लंबी कंचनपुर-कमला सड़क परियोजना छह वर्ष बीत जाने के बाद भी अधूरी है। नेपाल सरकार और चीनी निर्माण कंपनी के बीच मई 2020 को हुए समझौते के अनुसार परियोजना नवंबर 2023 तक पूरी हो जानी चाहिए थी।

हालांकि चीनी निर्माण कंपनी की धीमी कार्यशैली, वित्तीय संकट, कोरोना महामारी, पेड़ कटान में देरी और बिजली के खंभे हटाने का काम समय पर नहीं होने के कारण परियोजना लगातार पीछे खिसकती रही।

परियोजना की समयसीमा पहले 14 महीने, फिर 12 महीने और बाद में अतिरिक्त 6 महीने बढ़ाई गई थी, जिसकी अवधि आगामी 30 जून को समाप्त हो रही है। इसके बावजूद अब तक कुल भौतिक प्रगति केवल 68 प्रतिशत ही हो सकी है और 32 प्रतिशत काम अब भी बाकी है। ऐसे में चौथी बार भी समयसीमा बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। पूर्वी खंड सड़क योजना कार्यालय के प्रमुख निरज शाक्य के अनुसार 39.42 किलोमीटर सड़क में से केवल 24.58 किलोमीटर हिस्से में ही कालोपत्रे का काम पूरा हुआ है।

वहीं, पश्चिमी खंड के सूचना अधिकारी अनुपम कुमार साह ने बताया कि 47.41 किलोमीटर में से केवल 35.61 किलोमीटर सड़क पर ही काम पूरा हो पाया है।

निर्माण में लगातार देरी के कारण परियोजना की लागत भी बढ़ती जा रही है। शुरुआती अनुमान की तुलना में अब तक करीब 3 अरब नेपाली रुपये अतिरिक्त खर्च हो चुका है। कुल 15 अरब 66 करोड़ रुपये लागत वाली इस परियोजना में एडीबी की 71.22 प्रतिशत ऋण सहायता और नेपाल सरकार की 28.78 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

एडीबी नेपाल निर्देशनालय के सूचना अधिकारी ध्रुव कुमार श्रेष्ठ के मुताबिक तकनीकी निगरानी, परामर्शदाता सेवा विस्तार और साइट प्रबंधन पर अतिरिक्त खर्च के कारण अब तक परियोजना लागत में 18.98 प्रतिशत यानी 2 अरब 97 करोड़ 22 लाख रुपये की वृद्धि हो चुकी है।

होल्जथुम के पास खुदाई में मिला 1700 सालों से दबा खजाना

लंदन

उत्तरी लक्जमबर्ग के गांव होल्जथुम के पास जमीन के नीचे से सिक्के मिले हैं। यह सिक्के रोमन साम्राज्य के बताए जा रहे हैं। ये सिक्के 1700 सालों से जमीन में दबे हुए थे। खुदाई में पुरातत्वविदों को कुल 141 रोमन सोने के सिक्के मिले हैं। खुदाई में सिक्के खेत में बिखरे हुए नहीं थे, बल्कि एक ही जगह पर खजाने के रूप में सुरक्षित रखे गए थे। जानकारों के मुताबिक ये सभी सिक्के चौथी शताब्दी के अंत और पांचवीं शताब्दी की शुरुआत के हैं। यह वह समय था जब रोमन साम्राज्य का पश्चिमी हिस्सा भारी दबाव वाले दौर से गुजर रहा था।

इस खजाने में कई अलग-अलग राजाओं के काल के सिक्के शामिल हैं, जो बार-बार बदलती सत्ता को दिखाते हैं। ऐसा माना जा रहा है कि जब इस इस क्षेत्र में असुरक्षा बढ़ी होगी, तब किसी ने इस खजाने को यहां छिपा दिया होगा। इस खजाने में कुछ सिक्के ऐसे भी मिले हैं जो दुर्लभ हैं। इन सिक्कों पर सम्राट यूजीनियस की तस्वीर बनी है। इनका शासनकाल 390 के दशक की शुरुआत में केवल दो साल तक ही चला था। आंतरिक संघर्ष में हार के साथ समाप्त हो गया था। उनके इतने कम समय के शासन के कारण ही आज के समय में इन सिक्कों को दुर्लभ माना जाता है। ये सिक्के उस

ये सोने के सिक्के चौथी शताब्दी के अंत और पांचवीं की शुरुआत के

दौर की राजनीतिक अस्थिरता और कमजोर होती सत्ता का जीता-जागता सबूत हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वर्तमान में इन सभी सिक्कों के अध्ययन और संरक्षण का काम चल रहा है। हालांकि वित्तीय रूप से इस पूरे खजाने की कीमत सैकड़ों-हजारों यूरो आंकी गई है। एक्सपर्ट का साफ कहना है कि इसका ऐतिहासिक महत्व इसके मौद्रिक मूल्य से कहीं ज्यादा बढ़कर है। यह खजाना जिस जगह मिला है, उसका इतिहास भी बहुत अहम है। पुरातत्वविदों को यह खजाना उत्तर रोमन काल की एक मीनार के अवशेषों के पास मिला है। यह मीनार उस दौर में साम्राज्य की उत्तरी सीमा पर एक निगरानी चौकी के रूप में काम करती थी। गैलिया बेल्जिका का यह पूरा इलाका व्यापार, सेना और राजनीतिक गतिविधियों का एक मुख्य केंद्र हुआ करता था।

मीनार के पास कुछ कब्रें भी मिली हैं। इससे यह साफ होता है कि यह केवल एक सैन्य ठिकाना नहीं था। यहां लोगों की बस्ती भी थी, जिसका स्वरूप समय के साथ बदलता चला गया।

आंतकी कसूरी की मुनीर और शाहबाज को खुली धमकी

कराची। पाकिस्तान में आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के उप प्रमुख सैफुल्लाह कसूरी ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर को इजरायल को मान्यता देने की किसी भी कोशिश पर गंभीर अंजाम भुगतने की खुली धमकी दे दी है। यह चेतावनी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पाकिस्तान के इजरायल के साथ संबंध सामान्य करने के अब्राहम समझौते में शामिल होने की अपील के बाद आई है, जिससे पाकिस्तान एक जटिल कूटनीतिक चौराहे पर खड़ा हो गया है। ईद उल अजहा की नमाज के बाद सार्वजनिक रैली में, कसूरी ने बेहद कट्टरपंथी तेवर दिखाकर कहा कि यदि किसी ने भी इजरायल को स्वीकार करने की सोची, तब उसका वजूद खत्म कर दिया जाएगा। आंतकी कसूरी ने अपनी बात के समर्थन में जिहाद, शहादत और फिलिस्तीन संघर्ष जैसे संवेदनशील मुद्दों का इस्तेमाल कर दावा किया कि पाकिस्तान की सैन्य क्षमता, जो सऊदी अरब के साथ मजबूत हो रही है, इजरायली प्रभाव का मुकाबला करने में सक्षम है। कसूरी ने कहा कि कोई भी वैश्विक ताकत इस्लामी देशों को इजरायल को मान्यता देने के लिए मजबूर नहीं कर सकती और यह संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब तक पूरी उम्मत एकजुट नहीं हो जाती। हालांकि, सुरक्षा विशेषज्ञों और कुछ विश्लेषकों का मानना है कि कसूरी की बयानबाजी केवल एक सुनियोजित रणनीति का हिस्सा हो सकती है।

बांग्लादेश की सत्ताधारी पार्टी में टकराव से बढ़ी नेतृत्व की चिंता

अभी 3 माह पहले रहमान ने संभाली थी सत्ता

ढाका

बांग्लादेश की सत्ताधारी पार्टी में आंतरिक कलह और फूट पड़ने का एक बड़ा खतरा सामने आ रहा है। देश में नई सरकार बने अभी केवल तीन महीने का ही समय बीता है, लेकिन इतनी जल्दी ही पार्टी के भीतर नेताओं का आपसी टकराव खुलकर सामने आने लगा है। अंदरूनी सूत्रों और वरिष्ठ नेताओं के मुताबिक, पार्टी का मुख्य काम फिलहाल उन निष्क्रिय नेताओं और जमीनी कार्यकर्ताओं को वापस मुख्यधारा में लाना है जो लंबे समय से अलग-थलग थे।

हालांकि, सत्ता में आने के ठीक बाद कई क्षेत्रों में ताकत का अनुचित प्रभाव दिखाने, महत्वपूर्ण पदों के लिए आपसी प्रतिस्पर्धा करने और स्थानीय हितों पर आधारित आंतरिक टकराव बहुत तेजी से बढ़ गए हैं। पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि यदि समय रहते इन आंतरिक विवादों को नियंत्रित नहीं किया गया, तो आने वाले समय में संगठन के भीतर अनुशासन और एकता बनाए रखना बेहद मुश्किल हो जाएगा।

उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश में 12 फरवरी 2026 को आम संसदीय चुनाव आयोजित हुए थे। इन चुनावों में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने भारी बहुमत के साथ ऐतिहासिक जीत हासिल की थी। इस चुनाव में बीएनपी और उसके सहयोगियों के गठबंधन ने कुल 212 सीटों पर कब्जा जमाया था, जिसमें से अकेले बीएनपी ही लगभग 209 सीटें हासिल करने में सफल रही थी। बांग्लादेश की 300 सदस्यीय संसद में सरकार बनाने और स्पष्ट बहुमत के लिए केवल 151 सीटों की आवश्यकता होती है। ऐसे में बीएनपी को दो-तिहाई से भी ज्यादा का प्रचंड बहुमत मिला था।

इस बड़ी जीत के बाद पार्टी अध्यक्ष तारिक रहमान ने एक उच्च स्तरीय बैठक में नेताओं को सख्त हिदायत देते हुए कहा था कि जो लोग संगठन में बने रहना चाहते हैं, उन्हें जमीन पर उतरकर सक्रियता से काम करना होगा। लेकिन इस ऐतिहासिक जीत के महज तीन महीने बाद ही देश में होने वाले आगामी स्थानीय सरकार के चुनावों को सत्ता में वापसी के बाद बीएनपी के लिए पहली सबसे बड़ी परीक्षा के रूप में देखा जा रहा है।

पार्टी के शीर्ष नेताओं ने आशंका जताई है कि यदि ये स्थानीय चुनाव पार्टी चिह्न के बिना होते हैं, तो कई क्षेत्रों में एक ही पद के लिए एक से अधिक बीएनपी नेता आपस में ही चुनाव लड़ सकते हैं। ऐसी स्थिति बनने पर विपक्षी उम्मीदवारों के लिए जीत का मौका आसान हो सकता है। साथ ही, टिकट न मिलने और आंतरिक प्रतिद्वंद्विता के कारण पार्टी के नेताओं में स्थानीय स्तर पर खूनी संघर्ष और हिंसा भड़कने का खतरा भी काफी ज्यादा बढ़ सकता है।

पार्टी के भीतर गहराते इस क्लेश को लेकर नेताओं का कहना है कि कई इलाकों में नवनिर्वाचित सांसदों और पार्टी के विद्रोही उम्मीदवारों के बीच के पुराने विवाद अभी तक पूरी तरह सुलझ नहीं पाए हैं।

पुतिन का नया हथियार, दुश्मन के रडार को चकमा देने में माहिर

मास्को

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का एक ऐसा घातक हथियार इन दिनों दुनिया भर के सैन्य विश्लेषकों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है, जिसे आसमान में ट्रैक करना नामुमकिन माना जा रहा है। यह आधुनिक हथियार पारंपरिक बैलिस्टिक मिसाइलों की तरह सीधे रास्ते पर नहीं चलता, बल्कि किसी जहरीले सांप की तरह हवा में जिग-जैग यानी लहराते हुए आगे बढ़ता है। इसकी अकल्पनीय रफ्तार और पल-पल अपना रास्ता बदलने की अद्भुत चालाकी के सामने पश्चिमी देशों के सबसे आधुनिक रडार सिस्टम भी पूरी तरह नाकाम साबित हो रहे हैं। यहाँ तक कि अमेरिका का अरबों डालर की लागत से बना थाड मिसाइल डिफेंस सिस्टम भी इसके सामने एक लाचार खिलौने जैसा नजर आता है।

वैश्विक सैन्य संतुलन को पूरी तरह से बदलने वाले इन आधुनिक हथियारों में रूस के एवनगार्ड हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल का नाम सबसे ऊपर आता है। जब साल 2018 में रूस ने अपने छह सबसे घातक रणनीतिक हथियारों की घोषणा की थी, तब एवनगार्ड को रूसी तकनीकी सर्वोच्चता का प्रतीक बताया गया था और दिसंबर 2019 में इसे सेना में तैनात किया गया। यह संहारक हथियार परमाणु हमला करने की बेजोड़ क्षमता रखता है। एवनगार्ड को शुरुआत में आरएस-18बी या आधुनिक आरएस-28 सरमत जैसी भारी इंटरकान्टिनेंटल मिसाइलों के ऊपर पेलोड के रूप में फिट करके अंतरिक्ष की ओर दागा जाता है। एक निश्चित ऊंचाई पर पहुँचने के बाद यह ग्लाइड व्हीकल मुख्य राकेट से अलग हो जाता है और पृथ्वी के वायुमंडल की ऊपरी परतों में प्रवेश करता है। इसके बाद इसकी असली खतरनाक उड़ान शुरू होती है, जहाँ यह भौतिकी के पारंपरिक नियमों को चुनौती देते हुए दुश्मन के सुरक्षा चक्र को अंधा कर देता है।

अगर इसकी मारक क्षमता की बात करें तो एवनगार्ड एक बेहद शक्तिशाली इंटर-कान्टिनेंटल हथियार है। भारी आईसीबीएम मिसाइलों पर माउंट होने के कारण इसकी प्रभावी रेंज 6,000 किलोमीटर से लेकर 18,000 किलोमीटर से भी अधिक है। इसका मतलब है कि रूस अपने घर में बैठे-बैठे ही अमेरिका या दुनिया के किसी भी कोने में पलक झपकते ही सटीक हमला कर सकता है। विनाशकारी ताकत के मामले में यह 2 मेगाटन तक का परमाणु वारहेड ले जाने में सक्षम है। इसकी भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि हिरोशिमा पर गिराया गया परमाणु बम केवल 15 किलोटन का था। इसके अलावा, अत्यधिक गति से पैदा होने वाली काइनेटिक ऊर्जा के कारण यह बिना परमाणु बम के भी सिर्फ टकराकर भारी तबाही मचा सकता है।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की कोर कमेटी बैठक सम्पन्न

जून माह के कार्यक्रमों की तैयारियों पर मंथन, विभिन्न पदाधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारियां

हैदराबाद, 29 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। नामपल्ली स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में भाजपा राष्ट्रीय अल्पसंख्यक मोर्चा एवं भाजपा तेलंगाना नेतृत्व के मार्गदर्शन में कोर कमेटी की एक सफल एवं सार्थक बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी 5 जून से 21 जून तक आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा, क्रियान्वयन एवं संगठनात्मक रणनीति पर विस्तृत चर्चा की गई।

आज जारी प्रेस विज्ञप्ति में प्रवक्ता मुकेश जैन चौहान ने बताया कि भाजपा राष्ट्रीय अल्पसंख्यक मोर्चा के निर्देशन में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को सफल एवं प्रभावी बनाने हेतु जिम्मेदारियां तय करते हुए कार्यकर्ताओं को विभिन्न दायित्व सौंपे गए।

जून माह में आयोजित कार्यक्रमों के लिए प्रदीप सुराणा को कार्यक्रम संयोजक तथा मनमोहन सिंह एडवोकेट को सह संयोजक नियुक्त किया गया। वहीं सदस्य के रूप में मोहम्मद गजनी, गुरदीप सिंह, सविता सोनी एवं मनदीप सिंह को मनोनीत किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष सरदार जगमोहन ने कहा कि राज्यभर में कार्यक्रमों की अधिकतम पहुंच और सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए कोर कमेटी सदस्यों से बहुमूल्य सुझाव प्राप्त हुए हैं। उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने तथा कार्यक्रमों को भव्य रूप से सफल बनाने के लिए सभी नेताओं एवं सदस्यों की सक्रिय भागीदारी और प्रतिबद्धता के प्रति आभार व्यक्त किया।

महामंत्री रजनीश जैन ने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं को समर्पण और एकता के साथ भारतीय जनता पार्टी के विजन एवं संदेश को समाज के प्रत्येक वर्ग तक प्रभावी रूप से पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अल्पसंख्यक समुदायों के लिए चलाई जा रही योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाना आवश्यक है।

उपाध्यक्ष प्रदीप सुराणा ने दो दिवसीय वृक्षारोपण कार्यक्रम, विश्व योग दिवस तथा केंद्र सरकार की योजनाओं के प्रचार-प्रसार को लेकर विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत की, जिसका उपस्थित सदस्यों ने मेज थपथपाकर समर्थन किया।

बैठक में उपाध्यक्ष शेख शाहजहां एवं सरदार हरप्रीत सिंह गुलाटी ने भी कार्यक्रमों से संबंधित अपने सुझाव रखे। कार्यक्रम का समापन सरदार हरप्रीत सिंह गुलाटी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

इस अवसर पर भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह, महामंत्री रजनीश जैन, हरप्रीत सिंह गुलाटी, उपाध्यक्ष शेख शाहजहां, बलबीर सिंह, रुबीन फ्रांसिस, प्रदीप सुराणा, मनमोहन सिंह (मोना), समी खान, सेक्रेटरी मोहिंदर पाल सिंह, मोहम्मद गजनी, मनमोहन सिंह एडवोकेट, सतीश हुंडिया, कोषाध्यक्ष जसपाल सिंह टूटेजा, प्रवक्ता चौहान मुकेश जैन, सह प्रवक्ता फिरासत अली बाकरी, सोशल मीडिया सह संयोजक अब्दुल खादर जिलानी, आईटी संयोजक रीदा कोद्दोस, टूर मॉनिटरिंग संयोजक अवाइस मिर्जा, सह संयोजक सविता रायसोनी, कार्यालय सचिव सुमित सिंह माखीजा, एग्जीक्यूटिव कमेटी सदस्य महेंद्र कुमार जैन कटारिया, मनदीप सिंह संधू, राजेश रायसोनी, गुरदीप सिंह सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की नाचाराम-मल्लापुर शाखा द्वारा छाछ वितरण सेवा आयोजित

भीषण गर्मी में राहगीरों और श्रमिकों को पहुंचाई राहत

हैदराबाद, 29 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान को देखते हुए अग्रवाल समाज तेलंगाना की नाचाराम-मल्लापुर शाखा द्वारा नाचाराम मल्लापुर मेन रोड स्थित गोयल स्टील के समीप छाछ वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्री अग्रसेन महाराज के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इसके पश्चात शाखा के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने राहगीरों, श्रमिकों और आमजन को शीतल छाछ वितरित कर गर्मी से राहत प्रदान की। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि भीषण गर्मी के दौरान प्यासे एवं जरूरतमंद लोगों की सेवा करना मानवता का सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने कहा कि यह सेवा कार्य मानव सेवा ही माधव सेवा की भावना के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में केंद्र समिति सदस्य एवं अग्रवाल समाज तेलंगाना के संयुक्त सचिव प्रतीक कुमार नारसरिया, शाखा अध्यक्ष प्रदीप कुमार अग्रवाल, सचिव प्रवीण कुमार अग्रवाल, संयुक्त सचिव मोहन नारसरिया, कोषाध्यक्ष सत्यनारायण अग्रवाल, अमावस्या संयोजक सुरेश कुमार जीतपुरिया, सुनील अग्रवाल तथा हेमंत कुमार अग्रवाल सहित अनेक समाजबंधुओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के सदस्य, महिलाएं एवं युवाओं ने भाग लेकर सेवा कार्य को सफल बनाया। आयोजन के दौरान लोगों ने गर्मी के मौसम में ऐसे सेवा कार्यों को समाज के लिए प्रेरणादायी बताया।

जुक्कल विधायक कांताराव ने अस्पताल विकास कार्यों की समीक्षा की

बांसवाड़ा, 29 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जुक्कल के विधायक थोटा लक्ष्मीकांत राव ने बांसवाड़ा डिवीजन के नी मदनूर एवं बिचकुंडा मंडल केंद्र स्थित सरकारी अस्पतालों में आयोजित हॉस्पिटल डेवलपमेंट सोसाइटी कमेटी की बैठक में भाग लिया। इस दौरान विधायक ने अस्पतालों में उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सेवाओं, मरीजों को दी जा रही सुविधाओं तथा विकास कार्यों की प्रगति की अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है।

विधायक ने कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों, दानदाताओं तथा खघऋ फंड के सहयोग से अस्पतालों के विकास के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही अस्पतालों को और अधिक विकसित करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएंगे।

उन्होंने अस्पतालों में मौजूद समस्याओं जैसे कंपाउंड वॉल निर्माण, बेड एवं स्ट्रेचर की कमी, बाथरूम सुविधाओं में सुधार, पीने के पानी की व्यवस्था तथा नर्सिंग स्टाफ की कमी पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई।

थोटा लक्ष्मीकांत राव ने भरोसा दिलाया कि मरीजों को बिना किसी परेशानी के गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने डॉक्टरों और अस्पताल स्टाफ को जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की सलाह देते हुए कहा कि अस्पताल आने वाले गरीब मरीजों को बेहतर इलाज और दवाइयां मिलनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को अस्पताल परिसर की साफ-सफाई बनाए रखने, समय की पाबंदी सुनिश्चित करने तथा इमरजेंसी सेवाओं को प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिए।

बैठक में डीसीएचएस अधिकारी, अस्पताल के डॉक्टर, एचडीएस कमेटी सदस्य, सरपंच, जनप्रतिनिधि तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर बांसवाड़ा एरिया अस्पताल के सुपरिटेंडेंट डॉ. विजया भास्कर सहित अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद थे।

विशाल हॉस्टल भवन निर्माण की तैयारियां तेज

अनुमतियों के लिए सरकार से सिफारिश करूँगा : साना सतीश बाबू

विजयवाड़ा, 29 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। ग्रामीण क्षेत्रों से विजयवाड़ा जैसे शहरों में उच्च शिक्षा के लिए आने वाले गरीब और मध्यम वर्गीय छात्रों के आवास (रहने) की समस्या को दूर करने के लिए मरॉयल सर्विस ट्रस्टफ ने एक बड़ा प्रोजेक्ट शुरू किया है। इस ट्रस्ट ने एनटीआर (छढठ) जिले के नुन्ना गांव की सीमा में आधुनिक सुविधाओं से लैस एक प्रतिष्ठित हॉस्टल भवन के निर्माण का बीड़ा उठाया है। इस निर्माण के लिए आवश्यक सरकारी अनुमतियों को जल्द से जल्द मंजूर कराने का अनुरोध करते हुए, ट्रस्ट के प्रतिनिधियों ने राज्यसभा सांसद साना सतीश बाबू से मुलाकात की और उन्हें एक ज्ञापन सौंपा। इस महत्वपूर्ण प्रस्ताव के पीछे पूर्व विधायक वंगावीती राधाकृष्ण का मार्गदर्शन बेहद अहम रहा है। इस कार्यक्रम में भाग लेते हुए वंगावीती राधाकृष्ण ने कहा, पढ़ने की तीव्र इच्छा होने के बावजूद, रहने की जगह (आवास) न होने के कारण कई प्रतिभाशाली ग्रामीण छात्र अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ देते हैं। उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए, हम सभी प्रकार के सुरक्षा मानकों को पूरा करने वाले आवास की सुविधा प्रदान करते हुए इस हॉस्टल का निर्माण कर रहे हैं। सरकार से मिलने वाली अनुमतियां समय पर मिल सकें, इसके लिए हमने सांसद महोदय से अनुरोध किया है।

ट्रस्ट के प्रतिनिधियों के अनुरोध पर सकारात्मक विचार करते हुए सांसद साना सतीश बाबू ने शिक्षा के क्षेत्र में ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे इन प्रयासों की सराहना की। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार छात्रों के भविष्य के लिए हमेशा आगे रहती है और वे हॉस्टल निर्माण के लिए आवश्यक अनुमतियां जारी करने के लिए संबंधित विभागों से सिफारिश करेंगे। छात्रों के लिए इतना बड़ा सेवा कार्यक्रम शुरू करने के लिए उन्होंने रॉयल सर्विस ट्रस्ट के सदस्यों की प्रशंसा की।

इस अवसर पर ट्रस्ट के सदस्यों ने विस्तार से बताते हुए कहा, इस प्रोजेक्ट को इस तरह तैयार किया गया है कि ग्रामीण छात्रों को न केवल रहने की जगह मिले, बल्कि उन्हें गुणवत्तापूर्ण भोजन, पढ़ाई के लिए शांत वातावरण और सुरक्षा भी प्रदान की जा सके। इससे सैकड़ों गरीब छात्रों को एक बड़ा संबल और भरोसा मिलेगा।

इस कार्यक्रम में ट्रस्ट के सदस्य पेटेटी पुल्लैया, सीताळम रामबाबू, पेडना के पूर्व विधायक बूरगड्डा वेदव्यास और अन्य लोग उपस्थित थे। आयोजकों ने उम्मीद जताई है कि जल्द ही इस हॉस्टल का निर्माण धरातल पर उतरेगा और यह छात्रों के लिए उपलब्ध हो जाएगा। रॉयल सर्विस ट्रस्ट द्वारा शुरू किए गए इस कार्यक्रम को जिले के छात्रों और अभिभावकों से भारी समर्थन मिल रहा है। स्थानीय लोग भी इस बात को लेकर खुशी जता रहे हैं कि यह हॉस्टल शिक्षा के विकास में एक मील का पत्थर और आशा की किरण साबित होगा।

तेलंगाना आंदोलन के दूसरे चरण में सेज़ कर्मियों की भूमिका को मान्यता देने की मांग

कोदंडाराम को सौंपा ज्ञापन, आंदोलनकारियों के रूप में पहचान देने की अपील

बांसवाड़ा, 29 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना एसईज़ेड एसोसिएशन इन दिनों आंदोलन के दूसरे चरण में सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। तेलंगाना एसईज़ेड कॉन्ट्रैक्टर्स एंड वर्कर्स वेलफेयर एसोसिएशन के फाउंडर वाइस प्रेसिडेंट के. नरसिंह राव तथा फाउंडर मेंबर एम. श्रीधर और वी. सागर ने सरकार से मांग की है कि तेलंगाना आंदोलन में योगदान देने वाले एंटरप्रेन्योर्स और कार्यकर्ताओं को एक्टिविस्ट के रूप में आधिकारिक पहचान प्रदान की जाए।

इस संबंध में तेलंगाना एक्टिविस्ट्स रिकग्निशन कमिटी के सदस्यों ने एमएलसी च. घेवरपवरॲरा के निवास पर पहुंचकर एक ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने उम्मीद जताई कि तेलंगाना आंदोलन के योगदानकर्ताओं को सम्मान और पहचान मिलने से कई लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा।

प्रतिनिधिमंडल ने कोदंडाराम के समक्ष तेलंगाना वर्कर्स के साथ हो रहे कथित भेदभाव, तेलंगाना जेएसी द्वारा आयोजित विभिन्न आंदोलन कार्यक्रमों, बैठकों तथा मुद्दों के प्रति जागरूकता संबंधी विषयों को रखा।

एसईज़ेड के फाउंडिंग मेंबर्स ने बताया कि स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन (डएन) क्षेत्रों में तेलंगाना आंदोलन से जुड़ी मीटिंग आयोजित करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उनका आरोप है कि एसोसिएशन बनाने पर रोक, इंटरपोल सिस्टम जैसे नियंत्रण और विशेष कानूनों के कारण आंदोलनकारी कार्यकर्ताओं को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ा।उन्होंने कहा कि प्रतिकूल परिस्थितियों और दबाव के बावजूद आंदोलन से जुड़े लोगों ने अपने विचारों और अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रखा तथा अपनी पीड़ा को कोदंडाराम के समक्ष विस्तार से रखा।

एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने बताया कि एसईज़ेड क्षेत्र में सिक्योरिटी गार्ड के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने आंदोलन के दूसरे चरण में जो उचित लगा, उसे आगे बढ़ाने के उद्देश्य से मा तेलंगाना नाम से स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन क्षेत्र में एक संगठन बनाने का निर्णय लिया।

इसी सोच के तहत तेलंगाना कॉन्ट्रैक्टर्स एंड आउटसोर्सिंग वर्कर्स वेलफेयर एसोसिएशन का गठन किया गया। संस्था का रजिस्ट्रेशन नंबर 925/2012 है, जिसकी पंजीकरण तिथि 24 मई 2012 बताई गई। यह संगठन तत्कालीन रंगारेड्डी जिले के घाटकेसर मंडल, वर्तमान मेडचल-मलकाजगिरी जिले के अन्नोजीगुडा-पोचारम क्षेत्र में प्रारंभ किया गया था। प्रतिनिधियों ने कहा कि स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन काउंसिल में जय तेलंगाना के नारे बुलंद किए गए थे। ऐसे हालात में भी आंदोलन की भावना को मजबूत करने और तेलंगाना की आवाज़ को आगे बढ़ाने में फाउंडिंग एग्जीक्यूटिव कमेटी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

महावीर लिंब सेंटर के संस्थापक महेंद्र सिंघी का श्रीश्री रविशंकर ने किया सम्मान

55 हजार से अधिक दिव्यांगों को कृत्रिम पैर उपलब्ध कराने पर मिला गौरव

बेंगलूरु, 29 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हुबली स्थित महावीर लिंब सेंटर के संस्थापक महेंद्र सिंघी को आध्यात्मिक गुरु एवं पद्म विभूषण से सम्मानित श्रीश्री रविशंकर ने विशेष रूप से सम्मानित किया। यह सम्मान श्रीश्री रविशंकरजी के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रदान किया गया। पिछले 30 वर्षों से जरूरतमंदों की सेवा में समर्पित महावीर लिंब सेंटर द्वारा अब तक 55 हजार से अधिक दिव्यांगजनों को कृत्रिम पैर लगाए जा चुके हैं। इसी मानवीय सेवा कार्य के लिए महेंद्र सिंघी को यह सम्मान प्रदान किया गया।

प्रधानमंत्री 15 सूत्रीय योजना के कर्नाटक राज्य सदस्य महेंद्र सिंघी को उनकी निःस्वार्थ सेवाओं के लिए पूर्व में भी कई प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। इनमें कर्नाटक राज्य का दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान राज्योत्सव प्रशस्ति भी शामिल है।

श्रीश्री रविशंकरजी के 70वें जन्मदिवस के अवसर पर महेंद्र सिंघी के साथ पहुंचे जैन प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें शुभकामनाएं अर्पित कीं। इस अवसर पर महेंद्र सिंघी ने कहा कि मानवतावादी नेता, आध्यात्मिक शिक्षक एवं शांति दूत के रूप में श्रीश्री रविशंकरजी का तनावमुक्त और हिंसामुक्त समाज का दृष्टिकोण पूरी दुनिया में प्रेरणादायी है।

उन्होंने कहा कि आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन द्वारा संचालित विभिन्न परियोजनाओं और कार्यक्रमों ने विश्वभर में लाखों लोगों को जोड़ने का कार्य किया है। जैन प्रतिनिधिमंडल ने महर्षि महेश योगी के शिष्य तथा इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर ह्यूमन वैल्यू के संस्थापक श्रीश्री रविशंकर को विश्व शांति, सद्भाव और मानवीय कार्यों में उल्लेखनीय योगदान के लिए भारत रत्न से सम्मानित करने का सुझाव भी दिया।

महेंद्र सिंघी ने कहा कि श्रीश्री रविशंकरजी को वर्ल्ड लीडर फॉर पीस एंड सिक्योरिटी, द एमिसरी ऑफ पीस, जोस हिलालियो लो-पेज जैसे अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों सहित अनेक देशों द्वारा सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रदान किया जाना भारत के लिए गौरव की बात है। प्रतिनिधिमंडल में शामिल बेंगलूरु रेलवे मंडल के सदस्य अश्विन सेमलानी तथा दक्षिण पश्चिम रेलवे जोन के पूर्व सदस्य सिद्धार्थ बोहरा ने कहा कि विश्व की 28 प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी से मानद डॉक्टरेट उपाधि प्राप्त श्रीश्री रविशंकरजी अत्यंत सरल, सहज और सभी के लिए सुलभ व्यक्तित्व हैं। इस अवसर पर महेंद्र सिंघी ने हुबली में एक विशाल आध्यात्मिक शिविर आयोजित करने का अनुरोध भी किया। कार्यक्रम में श्रीश्री रविशंकरजी के शिष्य स्वामी शरणानंदजी भी उपस्थित थे।

SUNDARAM MUTUAL
Sundaram Finance Group

You are cordially invited to the
INVESTOR AWARENESS PROGRAM
In Hyderabad

Speaker Mr. Kumar Utsav Singh

Venue Plaza Hotel
Beside CM Camp Office
Begumpet, Hyderabad - 500016

Day: Saturday, 30 May 2026 | Time: 6:00 PM

RSVP: Mr. Kumar Utsav Singh - 9888262788

For more information please contact:
Sundaram Asset Management Company Ltd
(Investment Manager to Sundaram Mutual Fund)
CIN: U93090TN1996PLC034615
Corporate Office:
1st and 2nd Floor, Sundaratm Towers,
46, Whites Road, Royapettah, Chennai-14.
Toll 1860 425 7237 (India) 044 40831500 (NRI)
www.sundarammutual.com
Regd. Office: No. 21, Patullos Road, Chennai 600002.

Mutual fund investments are subject to market risks, read all scheme related documents carefully.

देवों के पितामह ब्रह्मदेव

पुराणों में ब्रह्मा का स्वरूप विष्णु के सदृश ही निरूपित किया गया है। वह ज्ञान-स्वरूप, परमेश्वर, अज, महान, तथा सम्पूर्ण प्राणियों के जन्मदाता और अंतर्रात्मा बतााए गए हैं...

त्रिदेवों में ब्रह्मा प्रमुख देवता हैं। इन्हें सृष्टि का रचयिता कहा जाता है। पुराणों के अनुसार ब्रह्मा जी के चार मुख हैं। इस कारण ब्रह्मा जी चतुर्मुख नाम से भी प्रसिद्ध हैं। इनका निवास स्थान ब्रह्मालोक है। ब्रह्मा जी वैदिक प्रजापति के रूप का विकास हैं। प्रजापति की समस्त वैदिक गाथाएं ब्रह्मा जी पर आरोपित कर ली गई हैं। प्रजापति और उनकी दोहिता की कथा पुराणों में ब्रह्मा और सरस्वती के रूप में वर्णित हुई है। धर्म ग्रंथों के अनुसार क्षीरसागर में शेषशायी विष्णु के नाभि कमल से ब्रह्मा की उत्पत्ति हुई। इसलिए वह स्वयंभू कहलाते हैं। प्रकट होने के पश्चात ब्रह्मा ने घोर तपस्या करके ब्रह्माण्ड की सृष्टि की। वास्तव में सृष्टि ही ब्रह्मा का प्रमुख कार्य है। सावित्री इनकी पत्नी और सरस्वती पुत्री हैं। इनका वाहन हंस है। ब्रह्मा पुराणों में ब्रह्मा का स्वरूप विष्णु के सदृश ही निरूपित किया गया है। वह ज्ञान-स्वरूप, परमेश्वर, अज, महान, तथा सम्पूर्ण प्राणियों के जन्मदाता और अन्तर्रात्मा बतााए गए हैं। कार्य, कारण और चल-अचल सभी इनके अन्तर्गत हैं। समस्त कला और विद्या इन्होंने ही प्रकट कीं। ये त्रिगुणात्मक माया से अतीत ब्रह्मा हैं। यह हिरण्यगर्भ हैं और सारा ब्रह्माण्ड इन्हीं से निकला है। यद्यपि ब्राह्म पुराणों में त्रिदेवों के अन्तर्गत ये अग्रगण्य और प्रथम बने रहे, किन्तु धार्मिक संप्रदायों की दृष्टि से इनका कोई अलग संप्रदाय नहीं बन पाया। वृद्ध पिता की भांति इनका देव परिवार में स्थान उपेक्षित होता गया। जबकि ब्रह्मा सपूर्ण चराचर जगत के प्रकटकर्ता हैं।

ब्रह्मा की उत्पत्ति : महाप्रलय के बाद भगवान नारायण दीर्घ काल तक योगनिद्रा में मग्न रहे। योगनिद्रा से जगने के पश्चात उनकी नाभि से एक दिव्य कमल प्रकट हुआ, जिसकी कार्णिकाओं पर स्वयंभू ब्रह्मा प्रकट हुए। उन्होंने अपने नेत्रों को चारों और घुमाकर शून्य में देखा। इस चेष्टा से चारों दिशाओं में इनके चार मुख प्रकट हुए। जब चारों और देखने पर भी उन्हें कुछ दिखाई नहीं पड़ा तो उन्होंने विचार किया, इस कमल पुष्प पर बैठा हुआ मैं कौन हूं? मैं कहां से आया हूं तथा यह कमल कहां से निकला है। तब ब्रह्मा जी ने दीर्घ काल तक तपस्या की। उन्हें शेषशैय्या पर बैठे विष्णु भगवान के दर्शन हुए। अपने एवं विश्व के कारण परम पुरूष का दर्शन करके उन्हें प्रसन्नता हुई और उन्होंने विष्णु भगवान की स्तुति अनेक प्रकार से की। भगवान विष्णु ने ब्रह्मा से कहा कि अब आप तप शक्ति से सपन्न हो गए हैं और आपको मेरा अनुग्रह भी प्राप्त हो गया है। अत: आप सृष्टि को उत्पन्न करने का कार्य आरभ करें।

तब भगवान विष्णु की प्रेरणा से ब्रह्मा जी ने अपने कमडंल से जल लेकर अभिमंत्रित करके उसे सभी दिशाओं में छिड़क दिया तथा सृष्टि की उत्पत्ति करने लगे। विष्णु भगवान की प्ररेणा से सरस्वती देवी ने ब्रह्म जी को सपूर्ण वेदों का ज्ञान कराया। ब्रह्मा जी मानसिक संकल्प से प्रजापतियों को उत्पन्न कर उनके द्वारा सपूर्ण प्रजा की सृष्टि करते हैं। इसलिए वह प्रजापतियों के भी पिता कहे गए हैं। समस्त प्रजापतियों की उत्पत्ति ब्रह्मा जी से ही हुई है। दस मुख्य प्रजापति : मरीचि, अत्रि, अंगिरा, पुलस्त्य, पुलह, क्रतु, मृगु, वशिष्ठ, दक्ष और कर्दम ये दस मुख्य प्रजापति हैं। सभी ब्रह्मा जी के मानस पुत्र हैं। इन्हें उत्पन्न करने के पश्चात ब्रह्मा जी ने इन्हें सृष्टि के विकास कार्य को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी सौंपी। भगवत पुराणों के अनुसार भगवान रूद्र भी ब्रह्माजी के ललाट से उत्पन्न हुए। मानव सृष्टि के मूल महाराज मनु ब्रह्मा जी के दक्षिण भाग से उत्पन्न हुए और वाम भाग से मनु की पत्नी की उत्पत्ति हुई। स्वायंभु मनु और उनकी पत्नी से ही मैथुनी सृष्टि प्रारम्भ हुई। सभी देवता ब्रह्मा जी के पौत्र माने गए हैं। अत: वह पितामह के रूप में जाने जाते हैं। वैसे ब्रह्मा देवता, दानव, तथा सभी जीवों के पितामह हैं। फिर भी वह विशेष रूप से धर्म के पक्षपाती हैं। जब देवासुर संग्रामों में पराजित देवता ब्रह्मा जी के पास आते हैं, वह धर्म की स्थापना के लिए भगवान विष्णु को अवतार लेने के लिए प्रेरित करते हैं। अत: भगवान विष्णु के 24 अवतारों में यह ही निमित्त बनते हैं। शैव तथा शाक्त आगमों की भांति ब्रह्मा जी की उपासना का भी एक वशिष्ट सप्रदाय है, जो वैखानस संप्रदाय के नाम से जाना जाता है। परन्तु ये संप्रदाय अन्य संप्रदायों की अपेक्षा सीमित ही रहा। जबकि वैखानस संप्रदाय की सभी संप्रदायों में मान्यता आवश्य है। पुरूणादि सभी शास्त्रों के यह ही आदि वक्ता माने जाते हैं। ब्रह्मा जी की प्राय अमूंत उपासना ही होती है। सर्वतोमद, लिंगतोभद्र आदि चक्रों में उनकी पूजा अमूर्त रूप से होती है। मूर्तरूप में इनकी पूजा केवल पुष्कर तथा ब्रह्मावर्त क्षेत्र (बिठुर) में ही होती है, जहां सत्युग के समय का पीपल आज भी हरा भरा है। शास्त्रों में वर्णित है कि यहां ब्रह्मा जी ने तपस्या की थी।

दानवों के उपास्य : माध्य सप्रदाय के आदि आचार्य भगवान ब्रह्मा जी माने जाते हैं। इसलिए आदि मुय मध्यपीठों में इनकी पूजा-आराधना की विशेष परंपरा है। देवताओं तथा असुरों की तपस्या में प्राय: सबसे अधिक वरदान आदि काल में ब्रह्मा ने ही दिए हैं।

‘ॐ नम: शिवाय’ से मिलती है ऊर्जा

ओम त्रयंबकम यजामहे सुगंधिम पुष्टिवर्धनम
उर्वारूकमेव बंधनात मृत्योमोक्षिमार्मतात...
नार्गद्रहराय, त्रलोचनाय, भस्मंगारागाय महेश्वराय...

इन स्त्रोतों से श्रावण माह गुंजायमान है। भगवान सदाशिव की कृपा का पात्र बनने के लिए बुजुर्गों के साथ-साथ युवा वर्ग भी इन दिनों शिव आराधना में लीन है। भगवान शिव का अभिषेक करने के साथ ही व्रत रखने का चलन भी युवाओं में काफी जोरों पर हैं। कई युवा तो ऐसे भी हैं जो पूरे महीने भर के श्रावण का व्रत करने को लेकर काफी उत्सुक है और वे इस धर्म का पालन भी बहुत अच्छी तरह कर रहे हैं।

शिव मंदिरों में भगवान को जल अर्पण करने के लिए श्रद्धालु महिला, पुरुष व युवाओं और बच्चों की लंबी कतारें लगी रहती है। भूतभावन भोले के अभिषेक में खास तौर पर श्रद्धालु पंचगव्य, धतूरा, कनेर, बिल्वपत्र, शमीपत्र, आक के फूलों को अर्पित कर शिव आराधना में लीन है।

जीवन को सद्गति देते हैं शिव

-विनोद केशरवानी कहते हैं कि वेदों में उल्लेख किया गया है कि इस सृष्टि में शिव के समान दूसरा कोई दाता नहीं है। मैं हर बार श्रावण में भगवान के दर्शन करने जाता हूं। मुझे लगता है यही एक रास्ता है अपने जीवन को सद्गति देने का।

मन को मिलती है शांति

-बलराम यादव कहते हैं मेरा खुद का व्यवसाय है। आज जो कुछ भी मेरे पास है सब भोलेनाथ ही कृपा है। इसीलिए मैं व्रत रखता हूं और श्रावण में दर्शन जरूर आता हूं। शिव मंदिर में आकर मन को शांति मिलती है।

ॐ नम: शिवाय कहने से ऊर्जा का संचार

-वीरेन्द्र चौधरी के अनुसार मैं प्राइवेट जॉब करता हूं और मुझे लगता है कि शिव आराधना से बढ़कर कोई और रास्ता नहीं शांति पाने का। सिर्फ ॐ नम: शिवाय कहने भर से ऊर्जा का संचार हो जाता है। इसीलिए मैं पूरे श्रावण के महीने में शिव के दर्शन करने मंदिर जरूर जाता हूं।

मैं श्रावण सोमवार का व्रत सालों से करता आ रहा हूं, शिवशंकर ने मेरी सभी मनोकामनाएं पूरी की हैं।

युवाओं ने भी उत्साह के साथ महादेव की आराधना की और इस बात को सिद्ध कर दिया कि युवा मनों में भी आस्था की लौ जगमगा रही है।

शनिदेव को प्रसन्न करने के उपाय

भविष्यपुराण में ऐसा उल्लेख है कि शनि अमावस्या के दिन शनि का पूजन विशेष फलदायी होता है। जिन जातक की कुंडली या राशियों पर साढ़ेसाती व ढैया का प्रभाव है वे अच्छे फल प्राप्त करने के लिए 24 दिसंबर को पड़ने वाली शनिश्चरी अमावस्या पर शनिदेव का विधिवत पूजन कर पर्याप्त लाभ उठा सकते हैं। बताए गए उपाय सभी जातकों को सफलता दिलाएंगे।

ज्योतिषाचार्य राजकुमार शास्त्री के अनुसार 24 दिसंबर को शनिश्चरी अमावस्या का मुहूर्त प्रात: 6.30 से प्रारंभ होकर रात्रि 3.40 तक रहेगा।

शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए ये करें उपाय

- शनि अमावस्या के दिन या रात्रि में शनि चालीसा का पाठ, शनि मंत्रों का जाप एवं हनुमान चालीसा का पाठ करें।
- इस दिन पीपल के पेड़ पर सात प्रकार का अनाज चढ़ाएं और सरसों के तेल का दीपक जलाएं।
- तिल से बने पकवान, उड़द से बने पकवान गरीबों को दान करें।
- उड़द दाल की खिचड़ी दरिद्रनारायण को दान करें।
- अमावस्या की रात्रि में 8 बादाम और 8 काजल की डिब्बी काले वस्त्र में बांधकर संदूक में रखें।
- शनि यंत्र, शनि लॉकेट, काले घोड़े की नाल का छल्ला धारण करें।
- इस दिन नीलम या कटैला रत्न धारण करें। जो फल प्रदान करता है।
- काले रंग का श्वान इस दिन से पालें और उसकी सेवा करें।

सर्वधर्म समभाव का प्रतीक स्वस्तिक

मांगलिक प्रतीक सकारात्मक उर्जा की खान होते हैं, जो हमें नकारात्मक ऊर्जाओं से लड़ने की ताकत तो देते ही हैं, हमारी प्रगति की राहें भी सहज करते हैं। तभी लोग प्रतीकों को धारण करते हैं। इन्ही प्रतीकों में अहम है स्वस्तिक, जिसे दुनियाभर के तमाम धर्म, वर्ग और समाज में मांगलिक माना जाता है। अपने घर में, घर के मुख्य द्वार और वस्तुओं पर इस प्रतीकको अंकित करते हैं। इसके प्रयोग का उद्देश्य यही रहता है कि हमारे आसपास सकारात्मक उर्जा का संचार होता रहे और हमारा घर-परिवार खुशहाल, शांतिपूर्ण, प्रगतिशील रहे। जानिए, यह मांगलिक प्रतीक हमें क्या-क्या लाभ देता है -

स्वस्तिक मंत्र

किसी भी मंगल कार्य की शुरुआत स्वस्ति मंत्र उच्चारण के साथ की जाती है। यह मंत्र है-

ऊं स्वस्ति न इंद्रो वृद्ध-श्रवा-हा स्वस्ति न-ह पूषा विश्ववेदा- हा।
स्वस्ति न-ह ताक्षर्‌यो अरिष्टि-नेमि-हि स्वस्ति नो बृहस्पति-हि-दधातु ॥

महान कीर्ति वाले इंद्र हमारा कल्याण करो, विश्व के ज्ञानस्वरूप पूषादेव हमारा कल्याण करो। जिसका हथियार अटूट है ऐसे गरुड़ देव हमारा मंगल करो। बृहस्पति देव हमारा मंगल करो। यानी जहां शुभ, मंगल और कल्याण का भाव होता है, वहीं स्वस्तिक का वास होता है। इसे सरल रूप में देखें, तो जहां परिवार, समाज या रिश्तों में प्यार, सुख, श्री, उमंग, उल्लास, सद्‌भाव, सुंदरता और विश्वास का भाव हो।

स्वस्तिक शब्द सु एवं अस्ति का योग है। सु का अर्थ है... शुभ और अस्ति का अर्थ है होना। इस तरह स्वस्तिक अर्थात शुभ हो, कल्याण हो। स्वस्तिक किसी व्यक्ति, जाति या वर्ग का प्रतीक नहीं, यह समग्र विश्व का कल्याणकारक है और इसमें 'वसुधैवकुटुंबकम', यानी विश्व बंधुत्व की भावना निहित है। भारतीय संस्कृति में प्राचीनकाल से ही इसे विशेष महत्व दिया जाता है, मंगल का प्रतीक माना जाता है और कोई भी शुभ कार्य करने से पहले स्वस्तिक चिह्न निर्मित कर उसका पूजन किया जाता है। अमरकोश में भी स्वस्तिक का अर्थ आशीर्वाद, मंगल या पुण्यकार्य करना बताया गया है। अर्थात सभी दिशाओं में सबका कल्याण हो।

आकृति का अर्थ

स्वस्तिक का रूपांकन छह रेखाओं के प्रयोग से होता है। स्वस्तिक में एक-दूसरे को काटती हुई दो सीधी रेखाएं होती हैं या स्वस्तिक बनाने के लिए धन चिह्न बनाकर उसकी चारों भुजाओं के कोने से समकोण बनाने वाली एक रेखा दाहिनी ओर खींचने से स्वस्तिक बन जाता है। यह रेखा खींचना लंबवत भुजा से प्रारम्भ करना चाहिए और इसमें दक्षिणवर्ती गति होती है। दिशाएं मुख्यत: चार हैं, खड़ी तथा सीधी रेखा खींचकर जो धन चिह्न जैसा आकार बनता है, यह चार दिशाओं का द्योतक सर्वत्र और सदैव यही माना गया है। ऋग्वेद की ऋचा में स्वस्तिक को सूर्य का प्रतीक माना गया है और उसकी चार भुजाओं को चार दिशाओं की उपमा दी गई है। सिद्धांत सार ग्रंथ में उसे विश्व ब्रह्मांड का प्रतीक चिह्न माना गया है। उसके मध्य भाग को विष्णु की कमल-नाभि और रेखाओं को ब्रह्माजी के चार मुख, चार हाथ और चार वेदों के रूप में निरूपित किया गया है। अन्य ग्रंथों में चार युग, चार वर्ण, चार आश्रम एवं धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष के चार प्रतिफल प्राप्त करने वाली समाज व्यवस्था एवं वैयक्तिक आस्था को जीवंत रखने वाले संकेतों को स्वस्तिक में ओत-प्रोत बताया गया है। प्राचीन काल में राजा-महाराज द्वारा किलों का निर्माण स्वस्तिक के आकार में किया जाता रहा है, ताकि किले की सुरक्षा अभेद्य बनी रहे। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार स्वस्तिकनुमा दुर्ग का निर्माण पूर्णत: वास्तु-सम्मत होता था।

पौराणिक महत्व

पुराणों के अनुसार स्वस्तिक में शक्ति, प्रगति, प्रेरणा और शोभा का समन्वय माना जाता है। इन्ही के समन्वय से यह जीवन और संसार समृद्ध बनता है। स्वस्तिक की चार भुजाओं को विष्णु की चार भुजाओं के रूप में माना गया है, जो विकास और विनाश के बीच संतुलन बनाकर सृष्टि को चला रहे हैं। भगवान विष्णु अपने चारों हाथों से दिशाओं का पालन करते हैं। स्वस्तिक का केन्द्र-बिंदु है नारायण का नाभि-कमल, यानी सृष्टिकर्ता ब्रह्मा का उत्पत्ति-स्थल। इससे सिद्ध होता है कि स्वस्तिक सृजनात्मक है। स्वस्तिक की चारों भुजाओं को चारों दिशाओं के कल्याण की कामना के प्रतीक के रूप में भी स्वीकार किया जाता है, जिन्हें बाद में इसी भावना के साथ रेडक्रॉस सोसायटी ने भी अपनाया।

स्वस्तिक का लाल रंग

भारतीय संस्कृति में लाल रंग को बहुत शुभ माना जाता है और मांगलिक कार्यों में उसका प्रयोग सिंदूर, रोली या कुमकुम के रूप में किया जाता है। लाल रंग सजीवता का प्रतीक है और हमारे शरीर में व्याप्त होकर प्राण शक्ति का पोषक है। मूलत: यह रंग ऊर्जा, शक्ति, स्फूर्ति और महत्वाकांक्षा का संकेतक है। नारी के जीवन में इसका विशेष स्थान है और उसके सुहाग चिह्न व शृंगार में सर्वाधिक प्रयुक्त होता है।

स्त्री की मांग का सिंदूर, माथे की बिंदी, हाथों की चूड़ियां, पांव का आलता-महावर, करवाचौथ की साड़ी, शादी का जोड़ा आदि के रूप में लाल रंग की महत्ता मौजूद है। नाभि स्थित मणिपुर चक्र का पर्याय भी लाल रंग है। शरीर में लाल रंग की कमी से अनेक रोग उत्पन्न हो जाते हैं। लाल रंग से ही केसरिया, गुलाबी, मेहरून और अन्य रंग बनाए जाते हैं। इन सब तथ्यों से प्रमाणित होता है कि स्वस्तिक लाल रंग से ही अंकित किया जाना चाहिए या बनाना चाहिए।

विश्वभर में मान्यता

स्वस्तिक को भारत में ही नहीं, बल्कि दुनिया भर के कई देशों में विभिन्न स्वरूपों में मान्यता प्राप्त है। जर्मनी, यूनान, फ्रांस, रोम, मिस्र, ब्रिटेन, अमरीका, स्कैंडिनेविया, स्पेन, सीरिया, तिब्बत, चीन, साइप्रस और जापान आदि देशों में भी स्वस्तिक का प्रचलन है।

अधिकांश लोगों की मान्यता है कि स्वस्तिक सूर्य का प्रतीक है। जैन धर्मावलंबी अक्षत पूजा के समय स्वस्तिक चिह्न बनाकर तीन बिंदु बनाते हैं। पारसी उसे चतुर्दिक दिशाओं एवं चारों समय की प्रार्थना का प्रतीक मानते हैं। व्यापारी वर्ग इसे शुभ-लाभ का प्रतीक मानते हैं।

बहीखातों में ऊपर की ओर श्री लिखा जाता है और उसके नीचे स्वस्तिक बनाया जाता है। भले ही विभिन्न देशों के रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा-पद्धतियों में भी जबतब परिवर्तन होता रहता है, लेकिन यह सच है कि सुख-समृद्धि एवं रक्षित जीवन के लिए दुनियाभर में कई जगह स्वस्तिक का इस्तेमाल किया जाता है।

समृद्धि लाती है लकी कैट

हर सभ्यता में पशु-पक्षियों के साथ अलग-अलग धारणाएं जुड़ी होती हैं। यह भी हो सकता है कि एक ही जानवर के बारे में अलग-अलग सभ्यताओं में परस्पर विपरीत धारणाएं देखने सुनने को मिलें। ऐसा ही बिल्ली के साथ है। फेंगशुई में बिल्ली को प्राचीन समय से ही शुभ माना जाता है। बिल्ली को धन-संपत्ति और लक्ष्मी जी के साथ भी जोड़ा जाता है। भारत में एक मान्यता यह भी है कि दीवाली की रात लक्ष्मीपूजन के समय बिल्ली का घर में आना या दिखाई देना समृद्धि सूचक होता है। भारत में ही नहीं, जापान, हांगकांग व सिंगापुर में भी बिल्ली को लेकर कई कथाएं प्रचलित हैं। वहां बिल्ली के स्टेचू (टॉय, जिसमें बिल्ली का अगला एक पांव उठा हुआ प्रतीत होता है) अक्सर देखने को मिल जाती है। बिल्ली के इस स्टेचू को लकी कैट कहा जाता है, जिसे ऑफिस, घर व दुकान में रखना शुभ समझा जाता है। सौभाग्य व समृद्धि के लिए इसे घर और ऑफिस में रखा जाता है। सफेद और पीले रंग की बिल्ली को पश्चिम दिशा में रखने से समृद्धि आती है। परपल रंग की बिल्ली को मध्य भाग में रखने से पारिवारिक जीवन में मधुरता आती है। हरे रंग की बिल्ली उत्तर-पूर्व में रखने से स्वास्थ्य ठीक रहता है, वहीं उत्तर दिशा में नीले रंग की बिल्ली दुर्भाग्य दूर करती है।

लकी कैट का इस्तेमाल कई अलग-अलग प्रयोजनों के लिए किया जाता है। दुर्भाग्य भगाने के लिए व सुख-संपन्नता पाने के लिए इसका उपयोग अधिक किया जाता है। भारत में आमतौर पर लकी कैट गोल्डन कलर की मिलती है। इसे जमीन से 4-5 फुट ऊपर लगाना चाहिए। इसकी कीमत 300 रुपए से 1500 रुपए तक होती है। माना जाता है कि गोल्डन लकी कैट गोल्ड यानी सोने की तरह घर व कार्य- स्थल में संपन्नता की बरसात करती है।

जिम के कपड़ों से आने वाले बैक्टीरिया से कैसे बचें

हम आपको बता दें कि आपके पसीने से बदबू नहीं आती, लेकिन यह बैक्टीरिया त्वचा के संपर्क में आते हैं तो बदबू आने लगती है। हालांकि नए कपड़े पसीने को त्वचा से दूर करने में अच्छी तरह से काम करते हैं, लेकिन इनमें बैक्टीरिया के पनपने की संभावना भी बढ़ जाती है। इससे बचने का एकमात्र तरीका है सफाई और सही रखरखाव।

तकनीकी कपड़ों के लिए इस्तेमाल होने वाले पॉलिएस्टर बैक्टीरिया को पसंद होते हैं। फाइबर की अद्वितीय बुनाई बैक्टीरिया को छिपने का स्थान देती है। यहां तक कि नियमित रूप से धोने के बाद भी बैक्टीरिया दूर नहीं होता। और चीजें निश्चित रूप से और भी खराब हो जाती है, अगर आप एक्सरसाइज के पसीने से तर कपड़ों को जिम बैग में रख देते हैं। चाहे फिर वह केवल कुछ घंटों के लिए ही क्यों न हो। अधिकांश लोगों को रखरखाव के स्तर का पता नहीं होता, जबकि इस नए मैटीरियल बदबू फ्री रखना बहुत जरूरी होता है। इसलिए जिम जाने वालों को अपने पसीने से तर एक्सरसाइज के कपड़े क्लीनिंग के तीन स्टेप से साफ करें।

पहले खंगाले और फिर हवा में डालें

तत्काल ध्यान देना किसी भी समस्या की कुंजी होती है। वर्कआउट के कपड़ों को पानी से निकालकर तुरंत बाहर हवा में डाले। बाहर की ताजी और खुली हवा कपड़ों को न केवल सुखाएगी, बल्कि उनमें से बदबू भी हटा देगी। हालांकि तुरंत ऐसा करना अजीब लग सकता है, लेकिन यह पसीने और बैक्टीरिया को बाहर निकालने में मदद करता है। इसलिए एक्सरसाइज के बाद कपड़ों को बैग में रखना ठीक है, लेकिन घर जाने के तुरंत बाद इसे धोना सही रहता है। अगर घर जाते ही ऐसा करना संभव नहीं है तो कम से कम कपड़ों को शुष्क हवा में रख दें। कपड़े धोने के कमरे में फर्श पर नम कपड़ों का ढेर एक व्यवहार्य विकल्प नहीं है।

इन चीजों से पॉवर वॉश करें

धोने के पानी में 1 कप सफेद सिरका और 1 चम्मच बेकिंग सोडा मिला दें। यह कपड़ों से बैक्टीरिया को दूर करने में मदद करता है। अगर फिर भी बदबू आ रही है तो कपड़ों को 1 कप सफेद सिरका, 2 चम्मच हाइड्रोजन पेरोक्साइड और 2 चम्मच बेकिंग सोडा वाले पानी में एक घंटे तक भिगोकर रख दें। फिर सफेद सिरके और बेकिंग सोडा के साथ धो लें।

अपने प्रयासों पर पानी मत डालें

जिम के कपड़ों के साथ फैब्रिक सॉफ्टनर और ड्रायर शीट के प्रयोग से बचें, क्योंकि यह कपड़ों पर कोटिंग छोड़ सकता है। और कभी-कभी अपने जिम बैग को भी धोना चाहिए क्योंकि इस बैग में जिम के लिए पानी की बॉटल, कपड़े, ग्लव्स, जूते, टॉवेल, आदि कई सामान होते हैं। आप इस बैग में पसीने वाले कपड़े भी रखते हैं। पसीने के कारण इनमें भी बैक्टीरिया पनपते हैं। इनके कारण ही त्वचा पर संक्रमण फैलने की अधिक संभावना होती है। इसके लिए सबसे पहले टैग की जांच करें, अगर आपका बैग मशीन में धो सकते हैं तो अंदर से बाहर मोड़कर, इसमें मौजूद किसी भी मैटल हिस्से को हटा दें। फिर इसे मशीन को डेलिकेट मोड पर करके धो लें और सुखाने के लिए हवा में बाहर डालें। लेकिन अगर आपका बैग चमड़े का है तो इसमें अखबार रखकर बदबू को बेअसर कर सकते हैं।

पेट के कैंसर से बचा सकता है बैंगनी आलू

बैंगनी आलू को अपने भोजन में शामिल कर आप पेट के कैंसर से बच सकते हैं। बैंगनी आलू पेट के कैंसर के लिए जिम्मेदार स्टेम कोशिकाओं को नष्ट कर देते हैं तथा इस घातक बीमारी को फैलने से रोकते हैं। अमेरिका की पेन्सिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी में खाद्य विज्ञान के सहायक प्रोफेसर जयराम वानामाला ने बताया कि कैंसर का मुकाबला करने के लिए स्टेम कोशिकाओं पर हमला करना एक प्रभावी तरीका है।

क्यों आते हैं खर्राटे

कई बार वायुमार्ग के पास अतिरिक्त टिश्यू जमा हो जाते हैं जिससे वायु के प्रवाह में रुकावट आती है। इससे सांस सामान्य रूप से नहीं आता और खर्राटे की समस्या शुरू हो जाती है। वहीं खुले मुंह से खर्राटे लेने का संबंध गले के टिश्यू से हो सकता है। इसी तरह गर्भावस्था के दौरान भी गले में फैटी टिश्यू जमा होने के कारण कुछ महिलाएं खर्राटे लेती हैं। सर्दी या एलर्जी के कारण आने वाले खर्राटे अस्थायी होते हैं।

सामान्य डिलीवरी के लिए हैं ये योगासन

आज सामान्य और सेहतमंद तरीके से बच्चे को जन्म देना आसान नहीं है। इसके लिए आपको पूरी तैयारी करनी पड़ेगी। आजकल का खानपान और व्यायाम के प्रति लापरवाही के चलते सामान्य डिलीवरी अब ना के बराबर हो गई है। इसी के चलते ज्यादातर महिलाओं को ऑपरेशन के द्वारा ही बच्चें को जन्म देना पड़ता है। जो महिला के स्वास्थ्य को कमजोर कर देती है। लेकिन अगर आप सामान्य रूप से डिलीवरी कराना चाहती है तो योगा के इन तीन आसान को नियमित रूप से करें।

पश्चिमोत्तानासन

- यह आसन स्त्रियों के लिए भी लाभकारी है। यह आसन गर्भाशय से सम्बन्धी शरीर के स्नायुजाल को ठीक करता है। इससे गर्भावस्था के दौरान रीढ़ की हड्डी मजबूत होगी और कमर दर्द कम होगा। इससे तनाव कम होगा और मांसपेशियां लचीली होंगी।
- पैर सीधे करके बैठ जाएं और पंजों में हल्की दूरी रखें। अब गहरी सांस लेते हुए दोनों हाथों को उठाएं और सांसे छोड़ते हुए पंजों को छूने की कोशिश करें। अधिक स्ट्रेस न लें और सांसे सामान्य कर लें। दस तक गिने और फिर सीधी अवस्था में आ जाएं। इसे अधिकतम तीन बार करें।
- इस स्थिति में आरामदायक समय तक श्वास-प्रश्वास सामान्य रखते हुए रुकें। इसके बाद श्वास अन्दर लेते हुए हाथ तथा धड़ को धीरे-धीरे ऊपर उठाएं तथा श्वास बाहर निकालते हुए हाथ नीचे ले आएं। पश्चिमोत्तानासन के अभ्यास के बाद रीढ़ को पीछे झुकाने वाले किसी भी आसन का अभ्यास करना चाहिए।

तितली आसन

- तितली आसन को गर्भावस्था के तीसरे महीने से कर सकते है। शरीर के लचीलेपन को बढ़ाने के लिए यह आसन किया जाता है। यह गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के यूटेरस की मांसपेशियों को लचीला बनाता है और कमर को मजबूत करता है। इसे करने से शरीर के निचले हिस्से का तनाव खुलता है।

- तितली आसन करने के लिए दोनों पैरों को सामने की ओर मोड़कर, तलवे मिला लें, यानी पैरों से नमस्ते की मुद्रा बननी चाहिए। इसके पश्चात दोनों हाथों की उंगलियों को क्रॉस करते हुए पैर के पंजे को पकड़ें और पैरों को ऊपर-नीचे करें। आपकी पीठ और बाजू बिल्कुल सीधी होनी चाहिए। इस क्रिया को 15 से अधिक बार ना करे। यदि इस क्रिया को करते वक्त आपको कमर के निचले हिस्से में दर्द महसूस होता हो तो इसे बिल्कुल भी न करें।

बद्ध कोणासन

- बिना ज्यादा तकलीफ के सामान्य डिलवरी कराने के लिए गर्भवती स्त्रियों को बद्ध कोणासन करना चाहिए। इस आसन से प्रसव पीड़ा कम होती है।

- समतल स्थान पर कंबल या अन्य कोई कपड़ा बिछाकर दोनों पैरों को सामने की ओर करके बैठ जाएं। फिर दोनों घुटनों को मोड़ते हुए पैरों के पास ले आएं और दोनों पैरों के तलवें आपस में मिलाएं। दोनों हाथों की उंगलियों को आपस में जोड़ लें। पैरों की उंगुलियों को दोनों हाथों से पकड़ लें और रीढ़ को सीधा रखें जैसे तितली आसन में बैठा जाता है। बाजू को सीधा करें और पैरों को ज्यादा से ज्यादा पास लाने का प्रयास करें जिससे आपका शरीर तन जाए।
- यह इस आसन की प्रारंभिक स्थिति है। गहरी सांस भरें और सांस छोड़ते हुए धीरे-धीरे कमर से आगे इस प्रकार झुकें कि रीढ और पीठ की मांसपेशियों में खिंचाव बना रहे। प्रयास करें की आपका सिर जमीन से स्पर्श हो जाए। अगर ये संभव ना हो तो अपनी ढुड्डी को पैरों के अंगूठे से सांस को सामान्य कर लें। अंत में सांस भरते हुए वापस प्रारंभिक स्थिति में आ जाएं। दो या तीन बार इस आसन का अभ्यास करें।

छोटी सांसें यानी ऑक्सीजन की कमी

खिलाड़ी व नियमित व्यायाम करने वालों को छोड़ दिया जाए तो अधिकतर नहीं जानते कि खून में पर्याप्त ऑक्सीजन का अच्छी फिटनेस से कितना गहरा संबंध है। शरीर में स्वस्थ कोशिकाएं एरोबिक होती हैं यानी उन्हें बढ़ने के लिए पर्याप्त ऑक्सीजन की जरूरत होती है। जिस तरह बिना ऑक्सीजन आग नहीं जलती, उसी तरह हमारी कोशिकाएं भी बिना ऑक्सीजन ऊर्जाविहीन हैं। खून में ऑक्सीजन की कमी को हाइपोक्सिमिया कहते हैं। ऐसा दमा, फेफड़े की बीमारी व शरीर में लोहतत्व की कमी पर भी होता है। सांसें छोटी आना, बेचैनी, सिरदर्द, उच्च रक्तचाप और त्वचा का नीला पड़ना भी खून में ऑक्सीजन की कमी से जुड़ा है। धमनियों में से खून के नमूने की जांच करके ऑक्सीजन का स्तर जांचा जाता है।

सेहत का मामला है

खून में पर्याप्त ऑक्सीजन होने से मेटाबॉलिक दर में भी वृद्धि होती है। वह दर, जिससे शरीर भोजन को ऊर्जा में बदलता है। खून में पर्याप्त ऑक्सीजन से कोशिकाओं में टॉक्सिन्स जमा नहीं होते। इतना ही नहीं, शरीर की एरोबिक क्षमता अधिक होने पर हृदय मजबूत होता है, फेफड़े ढंग से काम करते हैं और इम्युनिटी में सुधार होता है। अधिक श्रम के व्यायाम के लिए श्वसनतंत्र की मजबूती जरूरी है।

गहरे श्वास लेना है जरूरी

ऑक्सीजन सांस के जरिए शरीर में जाती है। हवा से ऑक्सीजन को अलग करने का काम फेफड़े करते हैं। ऑक्सीजन फेफड़ों के पास से रक्त नलिकाओं तक पहुंचती है और उसके बाद खून के जरिए कोशिकाओं तक। ऑक्सीजन का सही स्तर बनाए रखने के लिए जरूरी है गहरे श्वास लेना। अधिकतर रक्त नलिकाएं फेफड़ों के निचले हिस्से में होती हैं। छोटे श्वास लेने पर हवा केवल फेफड़ों के ऊपरी हिस्से तक ही पहुंचती है।

खानपान से ऐसे बढ़ाएं ऑक्सीजन

हरी सब्जियां जैसे चुकंदर, लहसुन, ब्रोकली, लेट्यूस, मूली व सीताफल का सेवन अधिक करें। फलों में स्ट्रॉबेरी व ऐवकाडो (रुचिरा) अधिक खाएं। इसके अलावा केला, आलू व टमाटर भी एसिडिटी को कम करते हैं और खून में ऑक्सीजन की कमी को पूरा करते हैं।

- चुकंदर और लेट्यूस मिट्टी से नाइट्रेट अधिक ग्रहण करते हैं। पौधों से मिलने वाले नाइट्रेट, स्टोर किए गए मीट की तुलना में अधिक सेहतमंद हैं। इनमें एंटीऑक्सीडेंट्स भी अधिक होते हैं। शरीर में पहुंच कर ये नाइट्रिक ऑक्साइड बनाते हैं, जिससे ब्लड प्रेशर नियमित होता है और कार्डियोवस्कुलर सिस्टम में सुधार होता है।
- भरपूर पानी व कच्ची हरी सब्जियों का जूस पिएं। यदि आपको अपनी सांसें असामान्य लगती हैं तो आप प्रतिदिन एक गिलास चुकंदर का जूस ले सकते हैं।
- इंटरवल एरोबिक ट्रेनिंग करें। यदि आप केवल चलते हैं तो इसे 40 मिनट की अवधि में पांच-पांच मिनट के इंटरवल में बांट लें। एक मिनट तेज गति से चलें और फिर चार मिनट धीमी गति से। ऐसा 5 से 6 बार दोहराएं।
- श्वसन तंत्र को मजबूत बनाने के लिए नियमित वजन उठाएं, जिसमें कंधे, पीठ और छाती के व्यायाम शामिल हैं। इनसे श्वास की प्रक्रिया में सुधार होता है। गहरे श्वास लें।

इन तरीकों से धूम्रपान को कहें अलविदा

सिगरेट की लत के बारे में कहते है कि यह लगती तो आसानी है, लेकिन छूटती आसानी से नहीं है। लेकिन स्मोकिंग से होने वाले नुक्सानों को देखते हुए इसे छोड़ देना ही बेहतर है, और इस लत से छुटकारा भी पाया जा सकता है। बस, जरूरत है तो मजबूत इच्छाशक्ति की। धूम्रपान करने वालों को अक्सर लगता है कि अगर वे धुम्रपान छोड़ देंगे तो उनके जीवन की गुणवत्ता कम हो जाएगी, लेकिन ऐसा सोचना गलत है। जो लोग धूम्रपान से किनारा कर लेते हैं, वे धूम्रपान करने वालों की तुलना में कहीं ज्यादा संतुष्ट, स्वस्थ और खुश रहते हैं। यदि आप कुछ टिप्स आजमाएंगे तो यकीनन आप धूम्रपान की आदत से छुटकारा पा सकते हैं। यहां हम बता रहे हैं आपको कुछ नुस्खे, जिससे आप अपनी आदत छोड़ सकते हैं।

आत्मसंयम

दृढ़ निश्चय के बाद दूसरी सबसे जरुरी चीज जो आपको चाहिए, वो है आत्मसंयम। यदि आप खुद पर कंट्रोल नहीं रख पाएंगे तो सारा किया-धरा धुएं मे उड़ जाएगा। इसलिए आत्मनियंत्रण बहुत जरुरी है। हो सकता है शुरुआत मे दिक्कत आए, लेकिन खुद पर यकीन रखिए कि आप कर सकते हैं। आप अपने परिवार की एक ग्रुप फोटो अपने पास जरूर रखें। जब भी आप सिगरेट पीए, तो धुएं के आर-पार उस फोटो को देखें। धुएं के पार फोटो देखने से आपको लगेगा कि आप सिगरेट पी रहे है, लेकिन धुआं आपका परिवार झेल रहा है। यकीन मानिए धीरे-धीरे आपको अपनी सिगरेट पीने की आदत से चिढ़ होने लगेगी। कभी भी जल्दबाजी या आवेश मे आकर सिगरेट छोड़ने का फैसला न करें। यदि आप तैश मे आकर सिगरेट छोड़ने की कसम खाते हैं, तो यकीनन आपका दिमाग अगले ही पल कसम तोड़ने के बहाने तलाशने लगेगा। इसलिए सिगरेट छोड़ने का फैसला पूरे होश-ओ-हवास में करें।

सिगरेट को समय से जोड़े

अक्सर लोग जब खुश होते है तो सिगरेट पीते है, दुःखी होते है तो सिगरेट पीते है, टेंशन मे होते है तो पीते है। सबसे पहले तो आपको सिगरेट की फ्रिक्वेंसी पर लगाम लगानी पड़ेगी। आठ घंटे या दस घंटे मे एक सिगरेट। यदि आप चेनस्मोकर है तो आठ घंटे की फ्रिक्वेंसी सैट करिए और यदि आप दिन मे कभी कभार पीने वाले है तो 48 घंटे की फ्रिक्वेंसी सही रहेगी। वैसे यह व्यक्ति दर व्यक्ति अलग हो सकती है। स्ट्रैस होने पर सिगरेट पीने का मन करता है। पहले अपने तनाव के कारण खोजें। उन पर विचार करके उनका हल तलाशें। यह सॉल्यूशन अपने मन पसंद कामों से हो सकता है। संगीत सुनना, खेलना, फिल्म देखना, किताबें पढ़ना, सैर-सपाटा या जो कुछ भी आपको पसंद हो, तनाव दूर करने के लिए करें। स्ट्रैस कम रहेगा तो तलब भी कम लगेगी।

ऐशट्रे को साफ मत करिए

आप जितनी चाहे सिगरेट पीजिए, लेकिन अपनी ऐशट्रे को साफ मत करिए, ये आपको याद दिलाती रहेगी कि आपने कितनी सिगरेट पी हैं। यदि आप अलग-अलग जगहों पर सिगरेट पीते है, तो आप बुझी सिगरेट की बट अपने साथ घर ले आएं और घर मे एक गिलास मे सारे बट डालकर रखें, ताकि आपको यह पी हुई सिगरेट की याद दिलाता रहे। जब भी आपके पास खाली समय हो आप इंटरनेट, अखबार या किताब में सिगरेट पीने के बुरे परिणामों वालों लेख जरूर पढ़ें। जिस दिन आप सिगरेट छोड़ने का मन बनाएं, उसी दिन अपना सिगरेट का पुराना स्टॉक सबसे पहले हटाएं। सिगरेट की तलब लगे, जाकर सिर्फ एक सिगरेट लेकर आएं और पीएं। प्रतिदिन पी जाने वाली सिगरेटों की संख्या कम करें। हर बार सिर्फ आधी ही सिगरेट पीएं। सिगरेट के किसी ऐसे ब्रांड को भी ट्राई कर सकते हैं जो आपको बिल्कुल पसंद नहीं। यह भी आपको मदद करेगा।

रेसिपी

आलू पोस्तो

सामग्री

6-7 मध्यम आलू, 1 मध्यम प्याज, 2 हरी मिर्च, पंचफोरन मसाला 1 छोटा चम्मच, एक छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, $1^{1/4}$ छोटा चम्मच नमक, 4 बड़े चम्मच पोस्ता दाना, 3 बड़े चम्मच तेल

विधि

प्याज का छिलका हटकट इसे धो लें। प्याज को बारीक टुकड़ों में काट लें। हरी मिर्च का डंठल हटा कर इसे धो लें। मिर्च को बारीक काट लें और अलग रखें। कटा प्याज: आलू को छीलकर इसे धो लें। अब हर आलू को 8 टुकड़ों में काट लें। कटे हुए आलू के टुकड़े: कड़ाही में 2 बड़े चम्मच तेल गरम करें। गरम तेल में 1 छोटा चम्मच पंचफोरन मसाला डालें। जाम मसाले चटक जाएं और भुन जाएं तब इसमें कटी प्याज डालें। प्याज को गुलाबी होने तक भूनें। प्याज को भूनें में 2-3 मिनट का समय लगता है। अब भूनी प्याज में कटे आलू डालें। आलू को अच्छे से मिलते हुए दो मिनट के लिए भूनें। अब इसमें नमक डालें और आलू को थोड़ा गलने दे। इस प्रक्रिया में लगभग 5-6 मिनट का समय लगता है। यहां आलू को आधा ही गलाना है। आलू और प्याज: अब आलू में हल्दी पाउडर और कटी हुई हरी मिर्च डालें। अच्छे से मिलाएं और आलू के गलने तक पकाएं। हल्दी डालने के बाद: जब तक आलू गल रहे हैं आप थोड़ा सा पानी डालकर पोस्ता दाना को बारीक पीस कर इसका पेस्ट बना लें। अब पोस्तो के पेस्ट को आलू में डालें। पोस्तो का पेस्ट डालने के बाद: पोस्तो के पेस्ट को आलू में अच्छे से मिलाएं। अब एक चम्मच तेल डालें। सभी सामग्री को अच्छे से मिलाएं। ढकक्न लगाकर धीमी आंच पर पोस्तो आलू को दो मिनट पकने दें। आलू पोस्तो: आंच बंद कर दें अब, आलू पोस्तो तैयार है परोसने के लिए। आप इस स्वादिष्ट आलू पोस्तो को रोटी, पूरी, या फिर चावल किसी के साथ भी परोस सकते हैं।

मेवे के लड्डू

सामग्री

बादाम, अखरोट, पेकन 1 कप, काजू 1/4 कप, कटे हुए, खजूर 1 कप, क्रेनबेरी 2-3 बड़े चम्मच, हरी इलायची 4, ब्राउन शक्कर 2 बड़े चम्मच, पानी 1 बड़ा चम्मच, घी1 छोटा चम्मच (वैकल्पिक), कटे हुए मेवे

विधि

हरी इलायची की बाहरी छिलका निकालें और दानों को दरदरा कूट लें। मध्यम आंच पर कड़ाही में कटे हुए बादाम, पेकन, और अखरोट को 3-4 मिनट के लिए भूनें। अब इन्हे अलग रखें। काजू को भी मध्यम आंच पर 2 मिनट भूने और अलग रखें। खजूर के बीज हटाकर इसे बारीक काट लें। फिर से कड़ाही को गरम करें और इसमें दो बड़े चम्मच ब्राउन शुगर और एक चम्मच पानी गरम करें। जब शक्कर पिघल जाए और अच्छे से पानी के साथ मिल जाए तो इसमें कटे हुए खजूर को डालें। 2 मिनट में ही खजूर पिघलना शुरू कर देगा। खजूर के थोड़ा पिघलते ही इसमें भुने अखरोट, काजू, पेकान, और बादाम डालें। अब इलेयची पाउडर डालें। इसे बराबर चलाते हुए मेवे को खजूर के साथ 2-3 भूनें। अब इसमें क्रेनबेरी डालें। अच्छे से सभी सामग्री को मिलाएं। अब अगर आप चाहें तो जरा सा (1 छोटा चम्मच) घी दल सकते हैं इस मिश्रण में खुशबू के लिए। अब आंच बंद कर दें और लड्डू के मिश्रण को थोड़ा ठंडा होने दें। अब लगभग 1 बड़ा चम्मच मिश्रण लें और उसे गोल लोग घूमते हुए लड्डू बांधें। इसी प्रकार सारे लड्डू बना लें। स्वादिष्ट मेवे के लड्डू अब तैयार हैं। आप इन लड्डू को हफ्ते भर फ्रिज के बाहर रख सकते हैं।

संपादकीय

संवैधानिक है 'सर'

सर्वोच्च अदालत ने चुनाव आयोग के 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) को पूरी तरह वैध और संवैधानिक करार दिया है। इसे स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी चुनाव और शुद्ध, साफ मतदाता सूची के संदर्भ में चुनाव आयोग का संवैधानिक अधिकार भी माना है। संविधान के अनुच्छेद 324 और जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 21 (3) का किसी भी तरह उल्लंघन स्वीकार नहीं किया है। 'वोट चोरी' और 'नागरिकता छीन लेने' सरीखे विपक्ष के आरोपों और याचिकाओं को भी खारिज कर दिया है। न्यायिक पीठ का मानना है कि मतदाता सूची से नाम कटने का अर्थ यह नहीं है कि आप भारत के नागरिक नहीं हैं। नागरिकता का अंतिम फैसला सक्षम अथॉरिटी (केंद्रीय गृह मंत्रालय) लेगी। अलबत्ता आयोग नागरिकता की सीमित जांच कर सकता है, ताकि पात्र मतदाता तय किया जा सके। नागरिकता का विचाराधीन निर्णय आगामी 2029 के लोकसभा चुनाव और उसके बाद के विधानसभा चुनावों तक ले लिया जाना चाहिए। सारांश यह है कि एसआईआर (सर) संवैधानिक है और आगे भी जारी रहेगा। सर्वोच्च अदालत ने किसी भी प्रकार की 'रोक' से साफ इंकार कर दिया। अधिकांश याचिकाएं बिहार के संदर्भ में थीं, लिहाजा 'सर' के तहत जिन 7.2 करोड़ नाम मतदाता सूचियों से काट दिए गए हैं, उन पर सर्वोच्च अदालत ने कुछ नहीं कहा। सवाल मौजू है कि क्या वे लोग विदेशी नागरिक या घुसपैठिए हैं? क्या उनके नाम न्यायिक समीक्षा के चक्रव्यूह में फंस कर रह जाएंगे? आयोग ऐसे लोगों का अधिकृत आंकड़ा ही दे दे, बेशक व्यक्ति की पहचान न बताए। यदि इन नामों में से अधिकांश भारत के नागरिक हैं, तो वे मतदाता क्यों नहीं हैं? बुनियादी संवैधानिक व्यवस्था यही है कि जो पात्र नागरिक है, वह मतदाता भी है, लेकिन 'सर' की प्रक्रिया और नीयत ने इस व्यवस्था को ही सवालिया और संदेहास्पद बना दिया है। कुछ उदाहरण गौरतलब हैं। एक महिला भारत सरकार के कृषि मंत्रालय के तहत एक विभाग में वरिष्ठ वैज्ञानिक थी और लंबी नौकरी के बाद वहीं से सेवानिवृत्त हुई। उन्हें नियमित पेंशन भी मिलती है। चुनाव आयोग के छुटभैयों ने उनके वोटर होने पर ही सवाल खड़े कर दिए। उनसे मतदाता सूची में उनके पिता के नाम का ब्यौरा मांगा है, जबकि उनकी मृत्यु को कई साल बीत चुके हैं। एक वयस्क, भारत सरकार में प्रथम श्रेणी अधिकारी, सेवामुक्त और पेंशनभोगी-क्या ये आधार एक मतदाता होने के लिए पर्याप्त नहीं हैं? पश्चिम बंगाल चुनाव के दौरान कुछ अधिकारियों के चेहरे सामने आए। वे राज्य सरकार के कर्मचारी थे, नियमित वेतन पाते रहे थे, चुनाव में ड्यूटी कर रहे थे, लेकिन 'सर' में उनके नाम मतदाता सूची से काट दिए गए। चुनाव आयोग की संवैधानिकता, 'सर' की वैधता और लोकतंत्र के साथ इससे भद्दा और अवैध मजाक नहीं किया जा सकता। सवाल 'तार्किक विसंगति' का है। आयोग 14 राज्यों और संघशासित क्षेत्रों में 'सर' का अभियान समाप्त कर चुका है। 19 राज्यों और केंद्रशासित क्षेत्रों में अभी बाकी है। वहां जून से अभियान शुरू होने वाले हैं। अभी पांच राज्यों में चुनाव सम्पन्न हुए हैं, लेकिन 'तार्किक विसंगति' की व्यवस्था बंगाल में ही क्यों लागू की गई? वहां जिन 27 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम काट दिए गए थे, उनमें से सिर्फ 6000 को ट्रिब्यूनल से न्याय मिला है। यदि यही गति रही, इतना ही वक्त लगता रहा, तो न्यायिक समीक्षा में 25 साल से अधिक का समय लग सकता है! हम न जाने किस योनि में होंगे? संविधान के मौलिक अधिकार 'मताधिकार' का क्या होगा? लोगों से पिता का ही नहीं, दादा का भी ब्यौरा पूछा और मांगा जा रहा है। क्या इससे पहले जो 'सर' अभियान चलाए गए थे, उनमें ऐसे ब्यौरे और दस्तावेज मांगे जा रहे थे? जिसने पहले कई बार वोट दिया है और वह साक्षात रूप में आयोग के सामने मौजूद है, उसका पासपोर्ट बना हुआ है। उस भारतीय को मतदाता होने से कौन और कैसे रोक सकता है? ऐसा महसूस होने लगा है कि मतदाता सरकार को नहीं, बल्कि सरकार मतदाताओं को चुनेगी और फिर इसी तर्ज पर चुनाव होंगे! क्या आपको भारत में ऐसा लोकतंत्र स्वीकार है? सभी पक्षों को सुनकर ही कोई फैसला होना चाहिए।

संविधान के अनुच्छेद 324 और जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 21(3) का किसी भी तरह उल्लंघन स्वीकार नहीं किया है। 'वोट चोरी' और 'नागरिकता छीन लेने' सरीखे विपक्ष के आरोपों और याचिकाओं को भी खारिज कर दिया है। न्यायिक पीठ का मानना है कि मतदाता सूची से नाम कटने का अर्थ यह नहीं है कि आप भारत के नागरिक नहीं हैं। नागरिकता का अंतिम फैसला सक्षम अथॉरिटी (केंद्रीय गृह मंत्रालय) लेगी। अलबत्ता आयोग नागरिकता की सीमित जांच कर सकता है, ताकि पात्र मतदाता तय किया जा सके। नागरिकता का विचाराधीन निर्णय आगामी 2029 के लोकसभा चुनाव और उसके बाद के विधानसभा चुनावों तक ले लिया जाना चाहिए। सारांश यह है कि एसआईआर (सर) संवैधानिक है और आगे भी जारी रहेगा। सर्वोच्च अदालत ने किसी भी प्रकार की 'रोक' से साफ इंकार कर दिया। अधिकांश याचिकाएं बिहार के संदर्भ में थीं, लिहाजा 'सर' के तहत जिन 7 .2 करोड़ नाम मतदाता सूचियों से काट दिए गए हैं।

हिन्दी पत्रकारिता ने अपनी ताकत का बखूबी अहसास कराया है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी उसकी विश्वसनीयता बढ़ी है

हिन्दी पत्रकारिता की दशा और दिशा

योगेश कुमार गोयल

हिन्दी भाषी समाचारपत्र हों अथवा पत्रिकाएं, उनका देश की बहुसंख्यक आबादी के साथ सदैव विशेष जुड़ाव रहा है और इस दृष्टि से राष्ट्र की एकता, अखण्डता एवं विकास की दिशा में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका को कदापि नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हालांकि हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्षों के इतिहास में समय के साथ पत्रकारिता के मायने और उद्देश्य बदलते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद सुखद स्थिति यह है कि हिन्दी पत्रकारिता के पाठकों या दर्शकों की रूचि में कोई कमी नहीं आई। यह अलग बात है कि अंग्रेजी मीडिया और उससे जुड़े कुछ पत्रकारों ने भले ही हिन्दी पत्रकारिता की उपेक्षा करते हुए सदैव उसकी प्रामाणिकता एवं विश्वसनीयता पर सवाल उठाने की कोशिशें की हैं किन्तु वास्तविकता यही है कि पिछले कुछ दशकों में हिन्दी पत्रकारिता ने अपनी ताकत का बखूबी अहसास कराया है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी उसकी विश्वसनीयता बढ़ी है।

भारत में प्रेस ने लगभग प्रत्येक महत्वपूर्ण अवसर पर अपनी महत्ता सिद्ध की है, फिर चाहे भारत-पाक युद्ध हो या भारत-चीन लड़ाई अथवा अन्य कोई चुनौतीपूर्ण अवसर। यह कहना भी असंगत नहीं होगा कि हिन्दी पत्रकारिता का स्थान इसमें सर्वोपरि रहा है। हिन्दी भाषी समाचारपत्र हों अथवा पत्रिकाएं, उनका देश की बहुसंख्यक आबादी के साथ सदैव विशेष जुड़ाव रहा है और इस दृष्टि से राष्ट्र की एकता, अखण्डता एवं विकास की दिशा में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका को कदापि नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हालांकि हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्षों के इतिहास में समय के साथ पत्रकारिता के मायने और उद्देश्य बदलते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद सुखद स्थिति यह है कि हिन्दी पत्रकारिता के पाठकों या दर्शकों की रूचि में कोई कमी नहीं आई। यह अलग बात है कि अंग्रेजी मीडिया और उससे जुड़े कुछ पत्रकारों ने भले ही हिन्दी पत्रकारिता की उपेक्षा करते हुए सदैव उसकी प्रामाणिकता एवं विश्वसनीयता पर सवाल उठाने की कोशिशें की हैं किन्तु वास्तविकता यही है कि पिछले कुछ दशकों में हिन्दी पत्रकारिता ने अपनी ताकत का बखूबी अहसास कराया है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी उसकी विश्वसनीयता बढ़ी है। यह हिन्दी पत्रकारिता की बढ़ती ताकत का ही नतीजा है कि कुछ हिन्दी अखबारों ने अनेक संस्करणों के साथ प्रसार संख्या के मामले में कुछ अंग्रेजी अखबारों को भी पीछे छोड़ दिया है। हिन्दी पत्रकारिता की शुरूआत 30 मई 1826 को कानपुर निवासी पं. युगुल किशोर शुक्ल द्वारा प्रथम हिन्दी समाचार पत्र 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रकाशन के साथ हुई थी, जिसका अर्थ था 'समाचार सूर्य'। उस समय अंग्रेजी, फारसी और बांग्ला में कई समाचारपत्र निकल रहे थे किन्तु हिन्दी का पहला समाचारपत्र 'उदन्त मार्तण्ड' 30 मई 1826 को कलकत्ता से पहली बार प्रकाशित हुआ था, जो साप्ताहिक के रूप में आरंभ किया गया था। पहली बार उसकी केवल 500 प्रतियां ही छापी गई थी लेकिन चूंकि कलकत्ता में हिन्दी भाषियों की संख्या काफी कम थी और इसके पाठक कलकत्ता से बहुत दूर के भी होते थे, इसीलिए संसाधनों की कमी के कारण यह लंबे समय तक प्रकाशित नहीं हो पाया। 4 दिसम्बर 1826 से

'उदन्त मार्तण्ड' का प्रकाशन बंद कर दिया गया लेकिन इस समाचारपत्र के प्रकाशन के साथ ही हिन्दी पत्रकारिता की ऐसी नींव रखी जा चुकी थी कि उसके बाद से हिन्दी पत्रकारिता ने अनेक आयाम स्थापित किए हैं। 'उदन्त मार्तण्ड' के बाद अंग्रेजी शासनकाल में अनेक हिन्दी समाचारपत्र व पत्रिकाएं एक मिशन के रूप में निकलते गए किन्तु ब्रिटिश शासनकाल की ज्यादतियों के चलते उन्हें लंबे समय तक चलाते रहना बड़ा मुश्किल था, फिर भी कुछ पत्र-पत्रिकाओं ने सराहनीय सफर तय किया। अब परिस्थितियां बिल्कुल बदल चुकी हैं और हिन्दी पत्रकारिता भी मिशन न रहकर एक बड़ा व्यवसाय बन गई है किन्तु अच्छी बात यह है कि आज भी हिन्दी पाठक व दर्शक अपनी-अपनी पसंद के अखबारों व चैनलों के साथ पूरी शिद्दत से जुड़े हैं। बहरहाल, घर बैठे-बैठे दुनिया की सैर कराने की बात हो या देश-विदेश की हर छोटी-बड़ी हलचल से लेकर तमाम ज्वलंत मुद्दों और हर प्रकार की नवीनतम जानकारियों को जुटाकर अपने पाठकों या दर्शकों के सामने प्रस्तुत करने की, व्यवसायीकरण के आरोपों या तमाम विरोधाभासों के बावजूद हिन्दी पत्रकारिता भी यह काम बखूबी कर रही है और आमजन के भरोसे पर खरा उतरते हुए हिन्दी पत्रकारिता आज आम जनजीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है। अधिकांश हिन्दी समाचारपत्रों के अब ऑनलाइन संस्करण उपलब्ध हैं। विगत कुछ वर्षों में देश में बड़े-बड़े घोटालों का पर्दाफाश करके अनेक सफेदपोशों के चेहरों पर पड़े नकाब उतार फैंकने का श्रेय भी पत्रकारिता जगत को ही जाता है, जिसमें हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका को भी किसी भी लिहाज से कमतर नहीं आंका जा सकता। जहां तक राष्ट्रीय अखंडता में प्रेस की भूमिका और इसके दायित्वों का प्रश्न है तो प्रेस के कई प्रमुख दायित्व माने गए हैं, जिनमें कानून व्यवस्था की खामियों को प्रकाशित-प्रसारित करना, अपने प्रयासों से शासन को सुव्यवस्थित करना व लोक हितकारी बनाना, पथभ्रष्टों को सन्मार्ग पर लाना, भ्रष्ट तंत्र को चौकन्ना बनाना, असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखना, समाज के विभिन्न क्षेत्रों में पर्दे की ओट में होने वाले दुष्कृत्यों, अत्याचारों व अन्याय का जनहित में पर्दाफाश करना, समाज व मानवता के गुनाहगार चेहरों पर पड़े नकाब नोचकर जनता के सामने लाना, निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए धार्मिकता एवं राजनीति की आड़ लेने वालों के राज पर्दाफाश करना, समाज में स्वस्थ मानक स्थापित करना, लोक चेतना जागृत करना इत्यादि शामिल हैं। प्रेस की भूमिका पर टिप्पणी करते हुए महात्मा गांधी ने कहा था, ''प्रेस का प्रथम उद्देश्य जनता की इच्छाओं व विचारों को समझना और उन्हें सही ढ़ंग से व्यक्त करना है जबकि दूसरा उद्देश्य जनता में वांछनीय भावनाओं को जागृत करना और तीसरा उद्देश्य सार्वजनिक दोषों को निर्भयतापूर्वक प्रकट करना है।'' लोकतंत्र में प्रेस की भूमिका के बारे में पूर्व राष्ट्रपति डा. शंकर दयाल शर्मा ने कहा था कि प्रेस पर लोकतांत्रिक परम्पराओं की रक्षा करने और शांति व भाईचारा बढ़ाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। राष्ट्रीय अखण्डता के संदर्भ में पत्रकारिता की भूमिका की बात करें तो लोकतंत्र के अन्य स्तंभों के मुकाबले प्रेस की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि विश्वभर में भारत की प्रतिष्ठा के जो तीन प्रमुख कारण माने गए हैं, वे हैं जागरूक मतदाता, स्वतंत्र न्यायपालिका व स्वतंत्र प्रेस। भारत में प्रेस को जनता की एक ऐसी 'संसद' की उपाधि दी गई है, जिसका कभी सत्रावसान नहीं होता और जो सदैव जनता के लिए ही कार्य करती है। इसे समाज में परिवर्तन लाने का अथवा उसे जागृत करने के लिए जन संचार का सशक्त माध्यम माना गया है। प्रेस को समाज की चिंतन प्रक्रिया का एक ऐसा अनिवार्य तत्व माना गया है, जो उसे दिशा व गति देने में सक्षम हो। इसे जनता की ऐसी आंख माना गया है, जो सभी पर अपनी पैनी और निष्पक्ष दृष्टि रखे। प्रेस को जनता की उंगली माना गया है, जो गलत कार्यों के विरोध में स्वतः ही उठ जाती है। प्रेस को समाज के प्रति पूर्ण समर्पण के रूप में देखा जाता है। इसे केवल एक पेशा न मानकर जनसेवा का सबसे बड़ा माध्यम माना गया है। वर्तमान में जहां देशभर में नैतिक मूल्यों में बड़ी गिरावट आई है और राजनीतिज्ञों, विधायिका, कार्यपालिका तथा न्यायिक व्यवस्था पर से लोगों का विश्वास कम हो रहा है, वहीं हिन्दी पत्रकारिता भी इस नैतिक पतन का शिकार होने से नहीं बची है। फिर भी इतना संतोष तो किया ही जा सकता है कि इसने इसके बावजूद अधिकांश अवसरों पर सराहनीय भूमिका निभाई है। हालांकि आज के पूर्ण व्यावसायिकता के दौर में पत्रकारिता को अव्यावसायिक बनाए रखने की बात करना बेमानी होगा क्योंकि इस पेशे से जुड़े लोगों को भी अपने परिवार के पालन-पोषण के लिए इसे एक व्यवसाय के रूप में अपनाना अनिवार्य होता गया है लेकिन व्यावसायिकता के इस दौर में भी इसे एक उद्योग-धंधे के रूप में स्थापित करने के प्रयासों के चलते पत्रकारिता के मानदंडों को ताक पर रखने की प्रवृति से तो हर हाल में बचना ही चाहिए।

देश दुनिया से

ग्रेट निकोबार परियोजना से बढ़ी चीन की बेचैनी

पेइचिंग के हाईतियन ज़िले में रनमिन यूनिवर्सिटी शोध के लिए प्रसिद्ध है। यहां चीनी विदेश रणनीति अध्ययन केंद्र के निदेशक जिन कैनरोंग ने अपने निजी वी-चैट अकाउंट पर प्रकाशित एक हालिया टिप्पणी में तर्क दिया, कि चीन की लंबे समय से चली आ रही 'मलाक्का दुविधा' अब और भी गंभीर होती जा रही है। चीन को डर है, कि मलाक्का जलडमरूमध्य पर उसकी भारी निर्भरता उसकी रणनीतिक कमज़ोरी बन सकती है। न्यूज़ एजेंसी रायटर्स ने अप्रैल में रिपोर्ट दी थी कि चीन के कच्चे तेल के आयात का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा मलाक्का जलडमरूमध्य से होकर गुज़रता है, जबकि यह जलडमरूमध्य वैश्विक व्यापार का लगभग 22 फीसद और समुद्री तेल का 29 प्रतिशत हिस्सा संभालता है। जिन कैनरोंग ने लिखा कि पहले चीन की चिंताएं मुख्य रूप से अमेरिका पर केंद्रित थीं, जिसकी वैश्विक नौसैनिक पहुंच में हिंद महासागर में दिएगो गार्सिया और सिंगापुर में चांगी नौसैनिक अड्डे जैसे ठिकाने शामिल हैं। उन्होंने कहा, लेकिन अब, भारत की भूमिका बढ़ रही है। यदि भारत ग्रेट निकोबार पर अपनी उपस्थिति मज़बूत करता है, तो इससे भारत को चीन की अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण एक संकरे समुद्री मार्ग (चोकप्वाइंट) पर अधिक प्रभाव डालने की शक्ति मिल सकती है। भारत सरकार द्वारा ग्रेट निकोबार द्वीप पर लगभग 10 अरब डॉलर यानी लगभग 1 लाख करोड़ रुपये की लागत से 'ग्रेट निकोबार विकास परियोजना' पर काम किया जा रहा है। इस रणनीतिक पहल का मुख्य उद्देश्य भारत के सबसे दक्षिणी छोर को एक विशाल वाणिज्यिक और सैन्य केंद्र में बदलना है। इस महात्वाकांक्षी परियोजना का लक्ष्य गलाथिया खाड़ी में एक बड़ा ट्रांसशिपमेंट बंदरगाह (पोर्ट), अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, एक नई टाउनशिप और 450 मेगावाट का गैस और सौर ऊर्जा संयंत्र शामिल है। रणनीतिक रूप से मलक्का जलडमरूमध्य के पास स्थित यह केंद्र हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती गतिविधियों (जैसे 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स') का मुकाबला करने में भारत की नौसैनिक क्षमता को बढ़ावा देगा। इस पोर्ट के जरिए

भारत अपने ट्रांस-शिपमेंट कार्गो के लिए सिंगापुर और कोलंबो जैसे विदेशी बंदरगाहों पर अपनी निर्भरता कम कर सकेगा। पूर्ण क्षमता पर, इस बंदरगाह से सालाना 1.6 करोड़ ट्वेंटी-फुट इक्विवेलेंट यूनिट्स (टीईयूएस) का संचालन होने का अनुमान है। भारत सरकार द्वारा 2021 में शुरू की गई यह योजना तेजी से विकास की ओर बढ़ रही है। सबसे बड़ी दिक्कत वर्षा वनों के बड़े पैमाने पर कटने की आशंका को लेकर पर्यावरणविदों और मानवाधिकार समूहों की चिंता है। प्रोफेसर जिन कैनरोंग ने चीन को तीन सुझाव दिए हैं—पहला, चीन को एक अधिक शक्तिशाली 'ब्लू-वॉटर नेवी' (गहरे समुद्र में काम करने वाली नौसेना) बनानी चाहिए। चीन को अपने विमानवाहक पोत बेड़े के विकास में तेज़ी लानी चाहिए, और चीन के सबसे नए तथा सबसे उन्नत विमानवाहक पोत 'फुचियान' को जल्द से जल्द युद्ध के लिए तैयार करना चाहिए। दूसरा, चीन को उन मार्गों पर काम में तेज़ी लानी चाहिए जो मलाक्का को बाईपास करते हैं। जिन ने म्यांमार के पश्चिमी तट पर स्थित चीन-समर्थित गहरे समुद्र के बंदरगाह 'क्याउकप्यू', प्रस्तावित चीन-म्यांमार रेलवे, और म्यांमार से चीन के दक्षिण-पश्चिमी युन्नान प्रांत की राजधानी कुनमिंग तक जाने वाली तेल और गैस पाइपलाइनों की ओर इशारा किया। उन्होंने थाईलैंड के प्रस्तावित 'क्रा लैंड ब्रिज' का भी ज़िक्र किया—जो सड़क और रेल मार्ग के ज़रिए थाईलैंड की खाड़ी और अंडमान सागर को जोड़ने की एक योजना है—और इसे इस जलडमरूमध्य पर चीन की निर्भरता कम करने का एक और तरीका बताया। तीसरा, चीन को ताइवान मुद्दे का समाधान करना चाहिए। जिन ने तर्क दिया कि यदि पेइचिंग, ताइवान के प्रश्न को सुलझा लेता है, तो उसे पूर्वी चीन सागर और दक्षिण चीन सागर में अपनी गतिविधियों के लिए अधिक गुंजाइश मिल जाएगी। वहां से, चीन मलक्का के पास अपने हितों की रक्षा करने की बेहतर स्थिति में होगा। भले ही चीन और भारत सीमा पर वर्षों के तनाव के बाद अपने संबंधों को सावधानीपूर्वक स्थिर करते दिख रहे हैं, जिनकी टिप्पणी से पता चलता है, कि रणनीतिक अविश्वास अब भी कितना गहरा है। ग्रेट निकोबार परियोजना से यह भी पता चलता है कि भारत को लेकर चीन की चिंताएं अब केवल ज़मीनी सीमा तक ही सीमित नहीं हैं। भारत को अब तेज़ी से एक समुद्री प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखा जा रहा है, जो हिंद महासागर और दक्षिण-पूर्व एशियाई समुद्री मार्गों तक चीन की पहुंच को प्रभावित कर सकता है, और भारत संभवतः पेइचिंग की सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक जीवन-रेखाओं में से एक के पास अपना प्रभाव बढ़ा सकता है। ग्रेट निकोबार द्वीप, मलक्का जलडमरूमध्य के पश्चिमी प्रवेश द्वार से लगभग 150 किलोमीटर (90 नॉटिकल माइल) उत्तर-पश्चिम में स्थित है। इस भौगोलिक निकटता के कारण, निकोबार द्वीपसमूह हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के बीच होने वाले वैश्विक व्यापार के लिए एक अत्यंत रणनीतिक समुद्री चौकी बन जाता है। अंडमान सागर के रास्ते मलक्का जलडमरूमध्य में प्रवेश करने या उससे बाहर निकलने के लिए जहाज़ों को 'सिक्स डिग्री चैनल' से होकर गुज़रना पड़ता है, जिससे वैश्विक शिपिंग मार्ग सीधे भारतीय क्षेत्र के निकट आ जाते हैं।

आप का नज़रिया

बच्चों के पाठ्यक्रम में सुक्खू

किसी राज्य के मुख्यमंत्री की व्यस्तता अगर स्कूलों से गुजरे, तो यह पैगाम सुखद है। हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू लगातार स्कूलों की गश्त में, बच्चों के सवालों से रू-ब-रू हैं। जाहिर है इस कार्यक्रम की शैली में छात्र स्वयं शिक्षा का फीडबैक और अपने सुझाव दे रहे हैं। यह दीगर है कि सरकारों को केवल फैसले लेने की आदत होती है, लेकिन यहां बच्चे बना रहे हैं अपना पाठ्यक्रम। अगर नेरवा के बच्चे विदेशी भाषाएं सीखना चाहते हैं, तो 'ग्लोबल आइडेंटिटी' के बीज हिमाचल के सरकारी स्कूलों तक पहुंच चुके हैं। जो आई टी पढ़ रहे हैं, वे बच्चे अगर जॉब ट्रेनिंग की सुविधा मांग रहे हैं, तो परिदृश्य में पीढ़ी की महत्त्वाकांक्षा अगले सफर पर निकली है। जाहिर है वर्तमान सरकार स्कूल की स्थिति, छात्रों की उपस्थिति और परीक्षा की परिणति बदलना चाहती है। इसी परिप्रेक्ष्य में लगातार सुधार की एक दृष्टि विकसित हुई है। अनावश्यक स्कूल चिन्हित हुए तो इसलिए कि वहां औचित्यहीनता के सबूत मिले। भविष्य के स्कूल की जानकारी केवल सरकारी ढांचा ही नहीं दे सकता, इसलिए वातावरण में छात्रों-अभिभावकों की सहभागिता परखी जा रही है। नेरवा स्कूल को खुद सरकार से कहने की छूट मिल रही है, तो बच्चों के प्रश्न नन्हे नहीं हैं। वह अगर विधायकों के शैक्षणिक स्तर में उत्थान चाहते हैं, तो यह मौलिक प्रश्न है। परीक्षाएं केवल सरकारी नौकरी तक पहुंचने का जरिया क्यों और क्यों नहीं चुनाव लडऩे की शर्तों में कुछ आधारभूत शैक्षणिक स्तर का उल्लेख नहीं। बच्चों को कहने की छूट मिलेगी तो सवाल राजनीतिक अवतार से भी होंगे। नेरवा स्कूल के प्रांगण में बच्चे मौलिकता और स्वतंत्रता से इतने प्रश्न पूछने में सफल रहे, जितने अब मीडिया भी नहीं पूछता। राजनीति अपने व्यवहार में पत्रकारिता को अखाड़े के रूप में देखती है, लेकिन यहां छात्र समुदाय को कहने का भरपूर मौका मिला तो सवाल सार्वजनिक शौचालयों की सफाई और स्थिति से आगे निकल कर सडक़ों पर हो रहे ट्रैफिक जाम तक पहुंच गए। बहरहाल मुख्यमंत्री का स्कूली दौरा छात्रों के आत्मविश्वास की पैरवी कर रहा है। दूसरी ओर यह मुआयना भी हो रहा है कि उनके द्वारा किए गए परिवर्तनों का यथार्थ क्या है। स्कूलों में छात्रों का व्यक्तित्व विकास, हिमाचल के सरोकार, शिक्षा से इतर व्यवहार-सामाजिक शिष्टाचार, जीवन में आगे बढऩे की प्रेरणा तथा अध्ययन की प्रासंगिकता पर गहन चिंतन के लिए यह जरूरी है कि सरकारी स्कूलों का नजरिया बदले तथा माहौल में ऊर्जा का सृजन हो। सुक्खू सरकार ने शिक्षा के ढांचे में सोच का दायरा और ढांचे में नया सवेरा करते, शिक्षा की प्रासंगिकता को स्वीकार करते हुए गुणवत्ता का एहसास जगाया है। सरकारी ढांचे के स्कूल सीबीएसई के तहत मानदंड स्थापित कर सकते हैं, इस खोज के लक्षण पूरे विभाग को गतिशील बना रहे हैं। जो अध्यापक सामान्य क्लास रूम को छोडक़र सीबीएसई के अनुरूप खुद को प्रमाणित करने की प्रतिस्पर्धा में उतरे हैं, तो कुछ बेहतर ही होगा। इतना ही नहीं स्कूल शिक्षा बोर्ड के तहत भी अगर तीन सौ स्कूलों के स्तर को परिमार्जित करने की मंशा सरकार रखती है, तो निजी स्कूलों को पहली बार चुनौती देने की कक्षा लगी है। बहरहाल शिक्षा के प्रांगण को अनौपचारिक बातचीत से मापा जा रहा है। किसी भी स्कूल, अस्पताल या विभागीय कार्यालयों को संस्थान बनाने के लिए जरूरी है कि वहां के माहौल में विश्वसनीयता, आत्मबल, प्रेरणा, प्रोत्साहन, जवाबदेही, पारदर्शिता और प्रतिस्पर्धा के सारे गुणा समाहित किए जाएं। जाहिर है मुख्यमंत्री को इसी तरह का सीधा फीडबैक सिस्टम, स्वास्थ्य संस्थानों को लेकर भी करना होगा।

हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू लगातार स्कूलों की गश्त में, बच्चों के सवालों से रू-ब-रू हैं। जाहिर है इस कार्यक्रम की शैली में छात्र स्वयं शिक्षा का फीडबैक और अपने सुझाव दे रहे हैं। यह दीगर है कि सरकारों को केवल फैसले लेने की आदत होती है, लेकिन यहां बच्चे बना रहे हैं अपना पाठ्यक्रम। अगर नेरवा के बच्चे विदेशी भाषाएं सीखना चाहते हैं, तो 'ग्लोबल आइडेंटिटी' के बीज हिमाचल के सरकारी स्कूलों तक पहुंच चुके हैं। जो आई टी पढ़ रहे हैं, वे बच्चे अगर जॉब ट्रेनिंग की सुविधा मांग रहे हैं, तो परिदृश्य में पीढ़ी की महत्त्वाकांक्षा अगले सफर पर निकली है। जाहिर है वर्तमान सरकार स्कूल की स्थिति, छात्रों की उपस्थिति और परीक्षा की परिणति बदलना चाहती है। इसी परिप्रेक्ष्य में लगातार सुधार की एक दृष्टि विकसित हुई है। अनावश्यक स्कूल चिन्हित हुए तो इसलिए कि वहां औचित्यहीनता के सबूत मिले। भविष्य के स्कूल की जानकारी केवल सरकारी ढांचा ही नहीं दे सकता, इसलिए वातावरण में छात्रों-अभिभावकों की सहभागिता परखी जा रही है। नेरवा स्कूल को खुद सरकार से कहने की छूट मिल रही है, तो बच्चों के प्रश्न नन्हे नहीं हैं। वह अगर विधायकों के शैक्षणिक स्तर में उत्थान चाहते हैं, तो यह मौलिक प्रश्न है। परीक्षाएं केवल सरकारी नौकरी तक पहुंचने का जरिया क्यों और क्यों नहीं चुनाव लडऩे की शर्तों में कुछ आधारभूत शैक्षणिक स्तर का उल्लेख नहीं। बच्चों को कहने की छूट मिलेगी तो सवाल राजनीतिक अवतार से भी होंगे। नेरवा स्कूल के प्रांगण में बच्चे मौलिकता और स्वतंत्रता से इतने प्रश्न पूछने में सफल रहे, जितने अब मीडिया भी नहीं पूछता। राजनीति अपने व्यवहार में पत्रकारिता को अखाड़े के रूप में देखती है, लेकिन यहां छात्र समुदाय को कहने का भरपूर मौका मिला तो सवाल सार्वजनिक शौचालयों की सफाई और स्थिति से आगे निकल कर सडक़ों पर हो रहे ट्रैफिक जाम तक पहुंच गए।

कुछ अलग

'वर्क फ्रॉम होम' के दौर में सुकून की वेला

लो आ गया होम मेकर्स उर्फ़ गृहणियों के लिए मनोवांछित समय। सोना न खरीदने की फुजूल-सी दलील को अनसुना कर वर्क फॉर होम वाले मौसम को सेलिब्रेट करने का समय बस आया ही समझो। वर्क फ्रॉम होम वाली ताजातरीन समझाइश से पता चला कि सरकार केवल बड़े-बड़े वादे ही नहीं करती, कभी-कभी कुछ उपयोगी काम भी कर ले जाती है। इस बार वर्क फ्रॉम होम बहुत सही समय पर आ रहा है। घरेलू कामकाज में गृहणियों का घर के कामों में हाथ बंटाने वाली अधिकतर बाइयां गर्मी की छुट्टियों में सुदूर मायके जाने का ऐलान कर चुकी हैं। बॉलकोनी टू बॉलकोनी हो रही दो सगी सहेलियों जैसी पड़ोसनों की वार्ता, जो एक अन्य बॉलकोनी में गीले कपड़े सुखा रही एक गोपीचंद जासूस टाइप की विदुषी ने बायचांस अपने मोबाइल द्वारा वीडियो के फोर्मेट में इंटरसेप्ट कर लिया। पहली ने कहा, कोई दिक्कत न होगी। मीशु के पापा घर से काम करेंगे। मैंने उन्हें समझा दिया कि वर्क फ्रॉम होम मतलब वर्क फॉर होने, हाउ स्वीट। रामू जाएगा तो उसकी जगह लेने तेरा साहब आ जायेगा। वायरल वीडियो पर सबसे पहले कमेंट आया–एक रामू जाता है तो दूसरा आता है। वर्क फॉर होम से सिर्फ ऊर्जा ही नहीं बचती, बन्दा मल्टी टास्किंग में भी कुशल हो जाता है। एक हाथ की उंगलियों से अपना लैपटॉप ऑपरेट करता, दूसरे हाथ से अपने रोते हुए नौनिहाल को थपकी देता हुआ सुला लेता है। इस प्रकार बाप बच्चे की बॉन्डिंग इतनी प्रगाढ़ हो जाती है कि बच्चे की मम्मी मौका भांप कर घंटे दो घंटे के लिए बच्चे के पास से गायब भी हो जाए तो इसका कोई संज्ञान तक नहीं लेता। वर्क फ्रॉम होम के समय बन्दा घर में मौजूद है तो तमाम गृहणियों के लिए सक्रिय कंटेंट क्रिएटर बनने के सारे रास्ते खुल जाते हैं।

दृष्टि कोण

कुसुम ठाकुर को फैडरेशन कप में स्वर्ण पदक

मई 2026, राष्ट्रीय फैडरेशन कप रांची में हिमाचल प्रदेश की कुसुम ठाकुर ने दो सौ मीटर की दौड़ में स्वर्ण पदक जीतकर सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया है। हिमाचल की तरफ से वरिष्ठ राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में दो सौ मीटर में पदक जीतने वाली पहली महिला बन गई है। मानव शरीर ईश्वर द्वारा बनाई गई बहुत ही अद्भुत मशीन है। इसे चलाने के लिए भी ईंधन की जरूरत होती है। मानव शरीर के ऊर्जा चक्र को समझने के लिए हमें एटीपी से लेकर सीपीए लैक्टिक एसिड, शरीर से ऑक्सीजन की उधारी व सांस द्वारा ऑक्सीजन का फेफड़ों में पहुंच कर खून के साथ मिलकर फिर सैल का पहुंच कर शरीर को गतिशील बनाए रखने का गहन अध्ययन जरूरी है। सौ से लेकर चार सौ मीटर की दौड़ों को तेज गति में गिना जाता है। गति ही सभी स्पर्धाओं व खेलों की जीत का मूल मंत्र है। यह खिलाड़ी में जन्मजात होती है। प्रशिक्षण द्वारा भी इसमें बहुत ही कम एक उम्र तक विकास होता है। ओलंपिक खेलों में विभिन्न खेलों की कई स्पर्धाएं आयोजित होती हैं, मगर एथलेटिक्स का आकर्षण सबसे अधिक होता है। ओलंपिक में जो धावक सौ मीटर की दौड़ में विजेता बनता है, वह पृथ्वी का तीव्रतम इनसान बनता है। सौ मीटर की दौड़ का अद्भुत रोमांच होता है। हिमाचल प्रदेश में तेज गति के बहुत कम धावक व धाविकाएं आज तक सामने आए हैं। सौ मीटर से लेकर चार सौ मीटर की स्पर्धाओं को स्परिंट यानी तेज गति की दौड़ों में रखा है। इन स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए जहां जन्मजात स्पीड चाहिए होती है वहीं पर बहुत अधिक स्पीड इंडोरैंस व स्ट्रैंथ ट्रेनिंग की जरूरत होती है। जहां उच्च कोटि का प्रोटीन आम आदमी को आसानी से उपलब्ध होता है, वहीं के लोगों में अच्छी स्पीड जन्म से ही होती है। स्पीड को बहुत छोटी उम्र से ही विकसित करना पड़ता है। इसलिए स्पीड पर प्रशिक्षण दस वर्ष से भी कम आयु में शुरू करना पड़ता है। अगले पांच सालों में स्पीड अपने उच्च स्तर तक

विकसित हो जाती है। यह भी कहा जाता है कि स्परिंटर पैदा होते हैं, बनाए नहीं जाते। भारत के अधिकतर स्परिंटर समुद्र तट से संबंध रखते हैं। मछली इन लोगों का मुख्य आहार है। मछली में अच्छी गुणवत्ता का प्रोटीन मिलता है। उत्तर भारत में शाकाहारी अधिक हैं, मगर गेहूं, दूध व उससे बने पदार्थों में भी अच्छी क्वालिटी का प्रोटीन मिलता है। यह भी कारण है कि पंजाब, हरियाणा व पश्चिमी उत्तर प्रदेश से भी समय समय पर अच्छे स्परिंटर मिलते रहते हैं। हिमाचल प्रदेश से वरिष्ठ राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पुष्पा ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पहली 400 मीटर में पदक विजेता है। एशिया व ओलंपिक खेलों के राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविरों तक पहुंची है। 2025 में हमीरपुर की मनीषा 4400 मीटर रिले में भारतीय टीम की तरफ से दौड़ते हुए दक्षिण एशियाई एथलेटिक्स में स्वर्ण पदक जीत चुकी है। प्रिय ठाकुर भी 2025 में 400 मीटर की अंतर विश्वविद्यालय विजेता है। समय समय पर राज्य स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर कुछ धाविकाओं व धावकों ने आशा जगाई है। हिमाचल प्रदेश में पहली बार राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर के धावक अशोक ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय एथलेटिक्स प्रतियोगिता 1994 सुंदरनगर में पहली बार हिमाचल प्रदेश की धरती पर सौ मीटर की दौड़ को 11 सेकेंड से नीचे 10.9 सेकेंड में दौड़ कर तीव्रतम धावक बना था, उसके साथ हमीरपुर के राजेश ठाकुर ने भी 11 सेकेंड से नीचे दौड़ कर रजत पदक जीता था।

नार्वे शतरंज 2026 : कार्लसन ने की शानदार वापसी गुकेश को हराया ; प्रज्ञानानंद ने कीमर को दी मात

ओस्लो

नार्वे शतरंज 2026 के चौथे दौर में विश्व नंबर एक मैग्नस कार्लसन ने विश्व चैंपियन डी. गुकेश को हराकर शानदार वापसी की, जबकि भारत के आर. प्रज्ञानानंद ने विन्सेंट कीमर को पराजित कर देश को बड़ी सफलता दिलाई।

महिला वर्ग में हालांकि भारतीय खिलाड़ियों के लिए दिन निराशाजनक रहा। कोनेरू हम्पी और दिव्या देशमुख को क्रमश: झू जिनेर और अन्ना मुजिचुक के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

सबसे ज्यादा चर्चा कार्लसन और गुकेश के मुकाबले की रही। पिछले संस्करण में गुकेश से हार के बाद कार्लसन के टेबल पर हाथ मारने की घटना काफी चर्चित रही थी। इस बार भी मुकाबला बेहद रोमांचक रहा।

टूर्नामेंट की खराब शुरुआत के बाद कार्लसन पर दबाव था। उन्होंने शुरुआती तीन मुकाबलों में से दो गंवाए थे, जिनमें प्रज्ञानानंद के खिलाफ क्लासिकल हार भी शामिल थी। लेकिन चौथे दौर में कार्लसन ने अनुभव का शानदार प्रदर्शन करते हुए गुकेश की अंतिम क्षणों की गलतियों का पूरा फायदा उठाया और मुकाबला जीतकर 4.5 अंक के साथ फिर से खिताबी दौड़ में वापसी कर ली।

दूसरी ओर, प्रज्ञानानंद ने क्लासिकल मुकाबले में जीत की स्थिति गंवा दी थी, लेकिन आर्मागेडन टाईब्रेक में आक्रामक खेल दिखाते हुए विन्सेंट कीमर को मात दी। इस जीत के साथ वह अंक तालिका में अलीरेजा फिरोजा के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गए। फिरोजा को इस दौर में वेस्ली सो ने हराया।

महिला वर्ग में तीनों क्लासिकल मुकाबले ड्रा रहे। इसके बाद आर्मागेडन में कजाखस्तान की बिबिसारा अस्साउबायेवा ने विश्व चैंपियन जू वेनजुन को हराकर बड़ा उलटफेर किया।

कोनेरू हम्पी का खराब प्रदर्शन जारी रहा और क्लासिकल ड्रा के बाद टाईब्रेक में झू जिनेर ने उन्हें पराजित कर दिया। वहीं दिव्या देशमुख को अन्ना मुजिचुक के खिलाफ हार झेलनी पड़ी । और मुकाबले शनिवार से फिर शुरू होंगे।

न्यूज ब्रीफ

आईपीएल में वैभव के निशाने पर अब गेल के दो बड़े रिकार्ड

मुम्बई। आईपीएल के इस सत्र में राजस्थान रायल्स के वैभव सूर्यवंशी ने धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए कई रिकार्ड बनाये हैं। एलीमिनेटर मुकाबले में वैभव ने तूफानी पारी खेलते हुए विस्टइंडीज के दिग्गज क्रिस गेल का एक सत्र में सबसे अधिक छक्के मारने का रिकार्ड तोड़ा था। वहीं वैभव के निशान पर अब गेल के दो अन्य रिकार्ड हैं जिन्हें वह तोड़ सकते हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले में वैभव ने केव 29 गेंदों पर 97 रनों की तूफानी पारी थी। अब राजस्थान रायल्स क्वालीफायर 2 में आज गुजरात टाइटंस का सामना करेगा। इस मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी के निशाने पर वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज क्रिस गेल के दो बड़े रिकार्ड होंगे, जिन्हें तोड़ने के लिए वह पूरी तरह से कमर कस चुके हैं। वैभव ने एक आईपीएल सीजन में सर्वाधिक छक्के लगाने के क्रिस गेल (59 छक्के) के रिकार्ड को तोड़ दिय है। वह एक आईपीएल सत्र 600 रन बनाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज भी बन गए हैं। इसके अलावा, उन्होंने एक ही सत्र में तीन ऐसी पारियां खेली हैं, जिनमें 10 या उससे अधिक छक्के लगाए गए हैं, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। अब वह गेल के सबसे तेज शतक के रिकार्ड के अलावा गेल के आईपीएल में बनाए गए सबसे बड़े व्यक्तिगत स्कोर 175 रनों के रिकार्ड को भी तोड़ने का प्रयास करेंगे। गेल के नाम केवल 30 गेंदों में सबसे तेज शतक का रिकार्ड है।

अंबाती ने यशस्वी को किसी अन्य टीम में जाने सुझाव दिया

हैदराबाद। पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने कहा कह है कि राजस्थान रायल्स के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को किसी अन्य टीम में जाना चाहिये। रायडू के अनसार राजस्थान रायल्स में जिस प्रकार से है उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी खेल रहे हैं। उसके कारण सभी का ध्यान उनपर है। ऐसे में यशस्वी की अच्छी पारियों पर भी किसी का ध्यान नहीं जा रहा है। रायुडू के अनुसार इन हालातों में यशस्वी को किसी दूसरी फ्रेंचाइजी के लिए खेलना चाहिये। रायुडू के अनुसार यशस्वी अपने बल पर टीम को मैच जिता सकते हैं पर रायल्स में वैभव की चमक में वह पीछे होते जा रहे हैं। रायुडू ने कहा कि यशस्वी को अब ऐसी टीम में जाना चाहिए जहां वह अपने को बेहतर तरीके से स्थापित कर सकें। रायुडू ने कहा, उसे टीम बदलनी चाहिए, क्योंकि वह हर बार वैभव के साथ बल्लेबाजी करते हुए दब नहीं सकता। वह खुद भी बड़ा खिलाड़ी है। अगर वह किसी दूसरी टीम में जाता है तो अपने बल पर टीम को मैच जिताने में सक्षम है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि उसे एक ऐसा मंच चाहिये जिसपर वह खुलकर खेल सके। वैभव लगातार बाकी खिलाड़ियों पर भारी पड़ता पड़ता जा रहा है। उसके साथ एक अनुभवी साझेदार होना चाहिए जो इस स्थिति को समझ सके और मुकाबला करने का प्रयास न करे। आप उसके साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते। साथ ही कहा कि यशस्वी को मुंबई इंडियंस जाना चाहिये जहां वह पारी की शुरुआत भी कर सकते हैं। रायुडू ने माना कि मुंबई इंडियंस उनके लिए एक अच्छी फ्रेंचाइजी साबित हो सकती है। उन्होंने कहा, मुंबई इंडियंस यशस्वी के लिए शानदार टीम हो सकती है। वह मुंबई के लिए घरेलू क्रिकेट भी खेलते हैं, इसलिए यह उनके लिए ठीक रहेगी। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले में जहां वैभव ने आक्रामक बल्लेबाजी की। वहीं वैभव धीमी गति से खेलते दिखे।

लखनऊ सुपर जायंट्स में बड़े बदलाव होना तय

मुम्बई। आईपीएल 2026 के सत्र में अंतिम स्थान पर रही लखनऊ सुपर जायंट्स में अब बड़े बदलाव की संभावना है। ये भी कहा जा रहा है कि अगले सत्र में टीम में कई स्टार खिलाड़ी नजर नहीं आयेंगे। ऋषभ पंत की कप्तान में टीम 14 मुकाबलों में से केवल चार में ही जीती है। जिससे उसके केवल 8 अंक ही मिले पाये। एक रिपोर्ट के अनुसार इस प्रकार के प्रदर्शन से प्रबंधन नाराज है और अगले सत्र के लिए एक बेहतर टीम बनाना चाहता है। रिपोर्ट्स के अनुसार आगामी आईपीएल 2027 सत्र के लिए होने वाली मिनी नीलामी से पहले कई बड़े और महंगे खिलाड़ियों को टीम से बाहर किया जाना तय है। यहां तक कि कप्तान ऋषभ पंत भी इसस बाहर नहीं है। टीम ने उन्हें 27 करोड़ रुपये की रिकार्ड कीमत पर टीम में शामिल किया था पर करीब दो सत्र बाद भी वह परिणाम नहीं दे पाये हैं। 28 मैचों में उन्होंने सिर्फ 581 रन बनाए, जो उनकी क्षमता के हिसाब से काफी कम हैं। बतौर कप्तान भी उनका रिकार्ड प्रभावशाली नहीं रहा, क्योंकि उनके नेतृत्व में टीम लगातार दो सत्र में प्लेआफ में नहीं पहुंच पायी। ऐसे में फ्रेंचाइजी अब उनके भविष्य पर गंभीरता से विचार कर रही है और संभव है कि उन्हें अगले सत्र में नई भूमिका या टीम से बाहर का रास्ता देखना पड़ सकता है। इसके अलवा वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज निकोलस पूरन भी टीम की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए। 21 करोड़ रुपये में रिटेन किए गए पूरन ने इस सत्र में 14 मैचों में केवल 234 रन बनाए।

वैभव सूर्यवंशी पर भारी शुभमन गिल की शतकीय पारी

राजस्थान रॉयल्स को गुजरात टाइटंस ने रौंदा, अब आरसीबी से फाइनल

न्यू चंडीगढ़: आईपीएल 2026 के क्वालीफायर-2 मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने गजब का क्रिकेट खेलते हुए राजस्थान रॉयल्स का सपना तोड़ते हुए खिताबी मुकाबले में एंट्री मार ली। राजस्थान रॉयल्स ने पहले बैटिंग करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट पर 214 रन बनाए, जबकि वैभव सूर्यवंशी पिछले 4 मैचों में तीसरी बार शतक से चूक गए। बल्लेबाजों के लिए स्वर्ग महाराजा यादविंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, मुल्लांपुर, न्यू चंडीगढ़ की पिच पर गुजरात टाइटंस के ओपनर शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने बेहद चालाकी से मैदानी शॉट्स खेलते हुए पहले विकेट के लिए 12.5 ओवरों में 167 रनों की रिकॉर्ड साझेदारी करते हुए मैच और क्वालीफायर-2 अपने नाम कर लिया। जीटी ने यह मैच 18.4 ओवरों में 3 विकेट खोकर अपने नाम किया। शुभमन गिल ने आईपीएल करियर का 5वां शतक जड़ा। वह 53 गेंदों में 104 रन बनाकर आउट हुए, जबकि 15 चौके और 3 छक्के ठोके। आईपीएल 2026 का खिताबी मुकाबला जीटी और आरसीबी के बीच 31 मई को गुजरात के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा, जो शुभमन गिल की टीम का होम ग्राउंड भी है।

शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने गेम ही पलट दिया

जवाब में गुजरात टाइटंस की शुरुआत बेहद आक्रामक रही। शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने पहले विकेट के लिए 167 रनों की तूफानी साझेदारी कर मैच को पूरी तरह गुजरात की पकड़ में ला दिया। साई सुदर्शन ने 32 गेंदों पर 58 रन बनाए, जिसमें 8 चौके और 1 छक्का शामिल रहा। हालांकि वे 13वें ओवर में ब्रिजेश शर्मा की गेंद पर हिट विकेट हो गए। इसके बाद कप्तान शुभमन गिल ने अपना हमला जारी रखा और राजस्थान के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। गिल ने अपनी शतकीय पारी में 15 चौके और 3 शानदार छक्के लगाए।

शुभमन गिल का आईपीएल में 5वां शतक

उन्होंने सिर्फ 53 गेंदों में 104 रन बनाकर टीम की जीत लगभग तय कर दी। जॉफ्रा आर्चर ने उन्हें 15वें ओवर में एलबीडब्ल्यू आउट किया, लेकिन तब तक मैच पूरी तरह गुजरात के पक्ष में जा चुका था। मध्यक्रम में वॉशिंगटन सुंदर ने भी तेजी से 9 गेंदों पर 16 रन बनाए। राजस्थान रॉयल्स की गेंदबाजी इस मुकाबले में बेहद साधारण नजर आई। जॉफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर और ब्रिजेश शर्मा को एक-एक विकेट मिला, लेकिन कोई भी गेंदबाज गुजरात के बल्लेबाजों पर दबाव नहीं बना सका। इस जीत के साथ गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2026 के फाइनल में जगह बना ली है। कप्तान शुभमन गिल की कप्तानी और बल्लेबाजी ने टीम को नई ऊर्जा दी, जबकि राजस्थान रॉयल्स का शानदार सीजन इस हार के साथ समाप्त हो गया।

वैभव सूर्यवंशी की दमादार पारी, स्कोर 214/6

इससे पहले राजस्थान रॉयल्स ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 214 रन बनाए। इस बड़े मुकाबले में राजस्थान की पारी के सबसे बड़े नायक युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी रहे, जिन्होंने तूफानी अंदाज में 47 गेंदों पर 96 रन ठोक दिए। उनकी पारी में 8 चौके और 7 छक्के शामिल रहे। सूर्यवंशी ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और गुजरात के गेंदबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा। राहुल तेवतिया 9 गेंदों में 2 चौके और एक छक्का के दम पर 17 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि बटलर ने नाबाद 9 रन की पारी खेली।

हालांकि, राजस्थान की शुरुआत बेहद खराब रही। यशस्वी जायसवाल सिर्फ 1 रन बनाकर मोहम्मद सिराज का शिकार बने। इसके बाद ध्रुव जुरेल भी 7 रन बनाकर पवेलियन लौट गए और टीम ने 2 ओवर के भीतर ही दो विकेट गंवा दिए। लेकिन इसके बाद वैभव सूर्यवंशी और रविंद्र जडेजा ने पारी को संभालते हुए तीसरे विकेट के लिए 127 रनों की शानदार साझेदारी की। जडेजा ने संयमित बल्लेबाजी करते हुए 35 गेंदों पर नाबाद 45 रन बनाए, जिसमें 5 चौके और 1 छक्का शामिल रहा।

आखिरी ओवरों में फिर यूं बरसे रन

राजस्थान के कप्तान रियान पराग ने भी तेजतर्रार अंदाज में 6 गेंदों पर 11 रन बनाए, जबकि अंत के ओवरों में डोनोवन फरेरा ने विस्फोटक बल्लेबाजी कर मैच का रुख पूरी तरह राजस्थान की ओर मोड़ दिया। फरेरा ने सिर्फ 11 गेंदों पर नाबाद 38 रन बनाए और अपनी पारी में 2 चौके व 4 छक्के जड़े। आखिरी तीन ओवरों में राजस्थान ने तेजी से रन बटोरे, जिससे टीम 200 के पार पहुंचने में सफल रही। गुजरात टाइटंस की ओर से कगिसो रबाडा और जेसन होल्डर ने दो-दो विकेट हासिल किए।

रबाडा ने अपने चार ओवर में 35 रन देकर महत्वपूर्ण सफलताएं दिलाईं, जबकि होल्डर ने किफायती गेंदबाजी करते हुए 27 रन देकर दो विकेट लिए। मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा को एक-एक विकेट मिला।

हालांकि राशिद खान इस मुकाबले में काफी महंगे साबित हुए और दो ओवर में 45 रन खर्च कर बैठे।

फीफा विश्व कप 2026 के लिए अर्जेंटीना टीम घोषित

ब्यूनस आयर्स। फीफा विश्व कप 2026 के लिए गत चैंपियन अर्जेंटीना ने अपनी 26 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी ने अनुभवी स्टार लियोनेल मेसी को भी टीम में शामिल किया है। विश्व कप 11 जून से अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में शुरू होगा। अर्जेंटीना अपनी तैयारियों के तहत 6 जून को होंडुरास और 9 जून को आइसलैंड के खिलाफ मैत्री मुकाबले खेलेगा। इसके बाद टीम कैनसस सिटी स्थित अपने बेस कैंप पहुंचेगी। अर्जेंटीना को ग्रुप जे में रखा गया है। टीम अपने अभियान की शुरुआत 16 जून को अल्जीरिया के खिलाफ मुकाबले से करेगी। इसके बाद उसका सामना आस्ट्रिया और जार्डन से होगा। फीफा विश्व कप 2026 के लिए अर्जेंटीना टीम गोलकीपर : एमिलियानो मार्टिनेज, जेरोनिमो रूली, जुआन मुसो। डिफेंडर : लिएंड्रो बालेरदी, निकोलस टैग्लियाफिको, गोंजालो मोंटियल, लिसांद्रो मार्टिनेज, क्रिस्टियन रोमेरो, निकोलस ओटामेंडी, फाकुंडो मेडिना, नाहुएल मोलिना। मिडफील्डर : लिएंड्रो परेडेस, रोड्रिगो डी पाल, वैलेंटिन बार्को, जियोवानी लो सेल्सो, एक्सेक्विएल पालासियोस, एलेक्सिस मैक एलिस्टर, एंजो फर्नांडेज।

अश्विन बोले, हेड को लेकर फैसला करे सनराइजर्स

चेन्नई

दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि सनराइजर्स हैदराबाद को अगले सत्र से पहले आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रेविस हेड को लेकर कोई फैसला करना होगा। अश्विन के अनुसार हेड का प्रदर्शन उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है। अश्विन के अनुसार राजस्थान रायल्स के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले में जिस प्रकार से हेड लपरवाही से शाट खेलकर आउट हुए उसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है। टीम को इस मैच में 243 रनों का बड़ा लक्ष्य हासिल करना था। ऐसे में हेड को जिम्मेदारी से खेलना चाहिये था। इसके अलाव उन्होंने ईशान किशन की भी खराब पारी के लिए आलोचना की है।

अश्विन के अनुसार हेड के अलावा सनराइजर्स के अन्य बल्लेबाजों ने भी गैरजिम्मेदाराना शाट खेलकर अपनी टीम को जीत से दूर कर दिया। उन्होंने कहा कि टीम यह मैच आसानी से जीत सकती थी, खासकर जिस तरह से टीम ने शुरुआती ओवरों में धमाकेदार शुरुआत की थी। अश्विन ने कहा, जब टीम पहले दो ओवर में 32-34 रन और तीन ओवर में लगभग 50 रन बना चुकी थी, तब ईशान किशन का शाट बिल्कुल गैरजरूरी था। उन्होंने अपना विकेट फेंक दिया। इतने बड़े मैच में ऐसा शाट खेलने का कोई मतलब नहीं था।

ट्रैविस हेड के कमजोर प्रदर्शन पर भी अश्विन ने सवाल खड़े किए और फ्रेंचाइजी प्रबंधन को उनके भविष्य पर विचार करने की सलाह दी। उन्होंने कहा, हेड ने इस सत्र में बिल्कुल भी अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। मैनेजमेंट को उनके बारे में जरूर सोचना चाहिए। उन्हें ज्यादा जिम्मेदारी के साथ बल्लेबाजी करनी चाहिए थी। एलिमिनेटर मुकाबले में, हेड सिर्फ 8 गेंदों में 17 रन बनाकर जोफ्रा आर्चर की गेंद पर बोल्ड हो गए, जब वह एक बड़ा शाट खेलने का प्रयास कर रहे थे।

आईपीएल के इस सत्र में हेड का प्रदर्शन उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा। उन्होंने इस सत्र में 410 रन बनाए और केवल दो अर्धशतक लगाए, जबकि उनका स्ट्राइक रेट 170.12 रहा। यह प्रदर्शन आईपीएल 2024 के मुकाबले फीका रहा, जहां उन्होंने एसआरएच के लिए विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए 567 रन बनाए थे और टीम की आक्रामक बल्लेबाजी की पहचान बन गए थे। उस शानदार प्रदर्शन के बाद ही फ्रेंचाइजी ने उन्हें 14 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। पिछले दो सत्र से जिस प्रकार से हेड का प्रदर्शन नीचे आया है। उससे तय है कि अगली बार टीम शायद ही उन्हें अवसर दे।

मैथ्यूज़ की तूफानी पारी से वेस्टइंडीज की धमाकेदार जीत, आयरलैंड को 8 विकेट से हराया

डबलिन

कप्तान हेले मैथ्यूज़ की विस्फोटक बल्लेबाजी की बदौलत वेस्टइंडीज ने महिला टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला के पहले मुकाबले में गुरुवार देर रात आयरलैंड को 8 विकेट से करारी शिकस्त दी। पाकिस्तान की मौजूदगी वाली इस श्रृंखला के शुरुआती मैच में वेस्टइंडीज ने पहले आयरलैंड को महज 103 रन पर समेटा और फिर लक्ष्य को केवल 11.3 ओवर में हासिल कर लिया।

टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज टीम ने शुरुआत से ही आयरलैंड पर दबाव बना दिया। ज़ैदा जेम्स ने लगातार दो ओवरों में दोनों सलामी बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा, जबकि जहजारा क्लैक्सटन ने रेबेका स्टोकेल को आउट कर आयरलैंड का स्कोर पावरप्ले के अंदर ही 23/3 कर दिया।

इसके बाद कप्तान आर्ला प्रेंडरगास्ट और लिया पाल ने चौथे विकेट के लिए 44 रन जोड़कर पारी संभालने की कोशिश की। लेकिन 12वें ओवर में हेले मैथ्यूज़ ने प्रेंडरगास्ट को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ दिया। इसके बाद आयरलैंड की बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई और टीम 17 ओवर में 103 रन पर आलआउट हो गई।

वेस्टइंडीज ने मैच में कुल नौ गेंदबाजों का इस्तेमाल किया। कियाना जोसेफ सबसे सफल गेंदबाज रहीं, जिन्होंने दो ओवर में मात्र 8 रन देकर 3 विकेट झटके।

104 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज को एवा कैनिंग ने शुरुआती झटके देते हुए डिएंड्रा डाटिन और कियाना जोसेफ को पवेलियन भेजा। हालांकि इसके बाद कप्तान हेले मैथ्यूज़ ने आयरिश गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। मैथ्यूज़ ने सिर्फ 33 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया और लगातार आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी। उन्होंने स्टेफनी टेलर के साथ 69 रन की साझेदारी की। टेलर ने 10 रन बनाकर सहयोगी भूमिका निभाई, जबकि मैथ्यूज़ 44 गेंदों पर 82 रन बनाकर नाबाद लौटीं।

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को रोहित सहित इन खिलाड़ियों ने नई पहचान दी

मुम्बई। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट प्रारुप आजकल छाया हुआ है। इसमें तेजी से लगने वाले चौके और छक्कों से खेल का रोमांच बना रहता है। जिससे दर्शकों की भारी भीड़ स्टेडियमों में नजर आती है। टी20 प्रारुप में कई पावर हिटर हुए हैं जिन्होंने अपनी बल्लेबाजी से खेल को एक अलग पहचान दी है। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा सहित कई ऐसे बल्लेबाज हुए हैं। जिन्होंने अपनी बल्लेबाजी से इस प्रारुप का रोमांच बढ़ाया है हालांकि अब रोहित ने इस प्रारुप से संन्यास ले लिसा है और वह केवल लीग क्रिकेट ही खेलते हैं। रोहित शर्मा : रोहित ने साल 2007 से 2024 तक के अपने शानदार करियर में 159 मैचों की 151 पारियों में 4231 रन बनाए हैं, जिसमें पांच शतक और 32 अर्धशतक शामिल हैं। 140.89 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए, रोहित के नाम टी20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वाधिक 205 छक्के दर्ज हैं, जो उन्हें इस प्रारूप का सबसे खतरनाक सलामी बल्लेबाज बनाता है। मुहम्मद वसीम : एसोसिएट टीम संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के कप्तान मुहम्मद वसीम इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। 2021 से 2026 तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी पहचान बनाने वाले वसीम ने 99 मैचों में 3371 रन बनाए हैं। 36.24 की औसत और 150.96 के तूफानी स्ट्राइक रेट के साथ, उन्होंने 196 छक्के लगाये हैं।

19 जून को आरआईएल की एजीएम : निवेशक क्यों है बेचैन

निवेशक तैयार, टेलीकाम से ग्रीन एनर्जी तक भविष्य की रणनीति पर रहेगी पैनी नजर

नई दिल्ली

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने अपनी 49वीं एनुअल जनरल मीटिंग (एजीएम) की घोषणा कर दी है, जो 19 जून को दोपहर 2 बजे वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित होगी।

यह बैठक निवेशकों और बाजार विश्लेषकों के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जहां कंपनी अपनी भविष्य की रणनीतिक दिशा, विशेषकर टेलीकाम, रिटेल, न्यू एनर्जी और निवेश योजनाओं से संबंधित बड़े अपडेट्स का अनावरण कर सकती है। चौथी तिमाही वित्त वर्ष 26 के मिश्रित परिणामों के बाद, जिसमें आयल-टू-केमिकल (ओ2सी) सेगमेंट पर दबाव देखा गया, इस एजीएम से कंपनी के अगले ग्रोथ कैटेलिस्ट्स पर स्पष्टता मिलने की उम्मीद है। कंपनी की यह वार्षिक बैठक शेयरधारकों को महत्वपूर्ण रणनीतिक घोषणाओं, विस्तार योजनाओं और आगामी वित्तीय वर्ष के लक्ष्यों को समझने का अवसर प्रदान करेगी।

वैश्विक एनर्जी संकट के कारण ओ2सी बिजनेस पर दबाव और 5जी स्पेक्ट्रम एसेट्स से बढ़ी फाइनेंस कास्ट के बावजूद, निवेशकों की नजर टेलीकाम व रिटेल सेगमेंट की मजबूत ग्रोथ बनाए रखने और न्यू एनर्जी वर्टिकल में हो रही प्रगति पर रहेगी। विशेषकर, टेलीकाम में 5जी के विस्तार, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज की भविष्य की योजनाओं, रिटेल में नए अधिग्रहणों और ग्रीन एनर्जी में गीगाफैक्ट्रीज के रोडमैप पर अहम घोषणाएं अपेक्षित हैं। हाल ही में आरआईएल ने मार्च तिमाही में सालाना आधार पर 13 फीसदी की गिरावट के साथ 16,971 करोड़ रुपये का कंसोलिडेटेड नेट प्राफिट दर्ज किया, जिसका मुख्य कारण ओ2सी कारोबार में नरमी थी। हालांकि, आपरेशंस से आय 13 फीसदी बढ़कर 2.94 लाख करोड़ रुपये पहुंच गई। पूरे वित्त वर्ष 26 में कंपनी ने 16 फीसदी की वृद्धि के साथ 80,775 करोड़ रुपये का रिकार्ड नेट प्राफिट दर्ज किया। यह मजबूत वार्षिक प्रदर्शन आगामी एजीएम में नई परियोजनाओं और पूंजी आवंटन पर महत्वपूर्ण अपडेट्स की पृष्ठभूमि तैयार करता है। यह एजीएम वीडियो कान्फ्रेंसिंग और अन्य आडियो-विजुअल माध्यमों से होगी, जिसका लाइव प्रसारण रिलायंस और जियो की वेबसाइटों तथा उनके यूट्यूब चैनलों पर उपलब्ध होगा जिससे व्यापक भागीदारी सुनिश्चित होगी। निवेशक कंपनी की अगली बड़ी चालों और दीर्घकालिक विकास पथ पर स्पष्टता का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

150सीसी से 200सीसी सेगमेंट में टीवीएस अपाचे बनीं नंबर-1

नई दिल्ली। टीवीएस अपाचे ने अप्रैल 2026 में मोटरसाइकिल बाजार के 150सीसी से 200सीसी सेगमेंट में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। इस दौरान टीवीएस अपाचे ने कुल 49,390 यूनिट्स बाइक की बिक्री की, जो पिछले साल की समान अवधि (45,633 यूनिट्स) की तुलना में 8.23 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्शाती है। यह आंकड़ा इस सेगमेंट में इसकी मजबूत पकड़ को दर्शाता है। बिक्री की इस दौड़ में बजाज पल्सर दूसरे स्थान पर रही, जिसने 20.78 प्रतिशत की शानदार सालाना बढ़ोतरी के साथ कुल 48,190 यूनिट्स बाइक बेचीं। तीसरे नंबर पर होंडा यूनिकार्न ने अपनी जगह बनाई, जिसकी 39,310 यूनिट्स बिकीं और इसने 51.09 प्रतिशत की प्रभावशाली सालाना वृद्धि दर्ज की। यामाहा एफजेड 15,729 यूनिट्स की बिक्री और 16.67 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ चौथे स्थान पर रही। यामाहा आर15 ने पांचवें स्थान पर शानदार प्रदर्शन करते हुए 84.72 प्रतिशत की जबरदस्त सालाना बढ़ोतरी के साथ कुल 9,066 यूनिट्स बाइक बेचीं। इसके बाद यामाहा एक्सएसआर छठे स्थान पर रही, जिसकी 6,914 यूनिट्स बिकीं। सातवें नंबर पर यामाहा एमटी15 रही, जिसने 4.04 प्रतिशत की मामूली सालाना गिरावट के साथ 6,741 यूनिट्स बेचीं। होंडा एसपी160 3,062 यूनिट्स और 13.48 प्रतिशत की सालाना गिरावट के साथ आठवें स्थान पर रही। नौवें स्थान पर केटीएम 160/200 ने 2,775 यूनिट्स की बिक्री के साथ 40.22 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की।

टाटा टियागो का अपडेटेड माडल होगा लान्च

नई दिल्ली। अपनी एंट्री-लेवल हैचबैक टियागो के अपडेटेड माडल को टाटा मोटर्स 28 मई को लान्च करने जा रही है। यह टाटा के पोर्टफोलियो की सबसे सस्ती हैचबैक होने के बावजूद, अब यह न केवल स्टाइलिश होगी, बल्कि सेगमेंट में कई शानदार और पहले कभी न देखे गए फीचर्स से भी लैस होगी। कंपनी ने अलग-अलग वीडियो टीजर के माध्यम से इसके एक्सटीरियर और इंटीरियर का खुलासा भी किया है। कंपनी नई टियागो फेसलिफ्ट को पेट्रोल, सीएनजी और इलेक्ट्रिक तीनों माडल में एक साथ लान्च करेगी। इसका मुकाबला मारुति स्विफ्ट, हुंडई ग्रैंड आई10 निओस, रेनो क्विड और सिट्रोन सी3 जैसी गाड़ियों से होगा। टियागो सीएनजी फेसलिफ्ट का बाहरी डिज़ाइन काफी हद तक पेट्रोल वैरिएंट जैसा ही होगा, जिसमें पीछे की तरफ विशेष आई-सीएनजी बैजिंग का अंतर दिखेगा। इंटीरियर की बात करें तो, इसमें पिछले माडल की तरह ही डुअल सिलेंडर सेटअप का इस्तेमाल किया गया है, जिसे टाटा ने 2023 में पेश किया था और इसने सीएनजी वैरिएंट में बूट स्पेस की कमी की समस्या को काफी हद तक हल कर दिया था। डैशबोर्ड को एक बिल्कुल नया, अधिक आधुनिक और साफ-सुथरा डिज़ाइन दिया गया है, जिसमें प्रीमियम फैब्रिक फिनिश केबिन के माहौल को और भी शानदार बनाती है। इसके टेक पैकेज को भी अपग्रेड किया गया है, जिसमें अब एक नया फ्लोटिंग टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम और एक फ्री-स्टैंडिंग डिजिटल इंस्ट्रूमेंट डिस्प्ले शामिल है।

फेरारी ने पेश की इलेक्ट्रिक कार लूस, कमाल की है गति

नई दिल्ली। रोम में फेरारी ने अपनी पहली पूरी तरह से इलेक्ट्रिक कार लूस को पेश किया है। कंपनी का यह

पहला इलेक्ट्रिक प्रोडक्शन माडल है, जो एक नए व्हीकल आर्किटेक्चर पर आधारित है। लूस एक विशेष इलेक्ट्रिक प्लेटफार्म पर निर्मित है, जिसमें चार स्वतंत्र रूप से नियंत्रित इलेक्ट्रिक मोटरें लगी हैं, जो प्रत्येक पहिए को अलग-अलग शक्ति प्रदान करती हैं। इसमें 800 वी का इलेक्ट्रिकल आर्किटेक्चर और 122केडब्ल्यूएच का बैटरी पैक है, जिससे यह कुल 1,050 हार्सपावर की शक्ति उत्पन्न करती है। कंपनी का दावा है कि यह सुपरकार मात्र 2.5 सेकंड में 0 से 100 किलोमीटर प्रति घंटा और सिर्फ 6.8 सेकंड में 0 से 200 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ लेती है। इसकी टाप स्पीड 310 किलोमीटर प्रति घंटा से भी अधिक है, और इसकी अनुमानित रेंज 530 किलोमीटर से ज्यादा है। लूस 350केडब्ल्यू डीसी फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है, जो अनुकूल परिस्थितियों में लगभग 20 मिनट में 70 केडब्ल्यूएच बैटरी चार्ज कर सकती है। फेरारी ने इलेक्ट्रिक पावरट्रेन के कंपोनेंट्स पर 8 साल की वारंटी और 7 साल का मेंटेनेंस प्रोग्राम भी घोषित किया है।

आटो सेक्टर में मई 2026 में रिकार्ड बिक्री की उम्मीद

शादी-ब्याह के सीजन, नए माडलों और आसान फाइनेंसिंग से मांग को मिलेगा सहारा

नई दिल्ली

मई 2026 का महीना भारतीय आटोमोबाइल उद्योग के लिए बेहद उत्साहजनक रहने की उम्मीद है। बाजार विश्लेषकों के एक अनुमान के मुताबिक शादी-ब्याह के शुभ मुहूर्त, बाजार में लगातार आ रहे नए आकर्षक माडल और आसान फाइनेंसिंग विकल्पों के चलते आटो सेक्टर में जबरदस्त बिक्री वृद्धि दर्ज की जा सकती है। लोगों की बढ़ती क्रय शक्ति भी इस उछाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। रिपोर्ट बताती है कि आगामी मई माह में आटोमोबाइल कंपनियों की बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिल सकती है।

हालांकि पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव कुछ कंपनियों के निर्यात कारोबार को प्रभावित कर सकता है, लेकिन कुल मिलाकर घरेलू बाजार में मांग मजबूत बनी हुई है। इसी के दम पर कार, दोपहिया, ट्रैक्टर और कमर्शियल वाहन सभी सेगमेंट में बिक्री में बढ़ोतरी का अनुमान है। इसमें भी यात्री वाहन सेगमेंट मई में आटो उद्योग का सबसे मजबूत प्रदर्शन करने वाला क्षेत्र बनने की उम्मीद है। लोगों के लिए कार खरीदना पहले से आसान हुआ है, वहीं कंपनियां लगातार नए माडल पेश कर रही हैं। बैंकों और एनबीएफसी द्वारा आसान ऋण उपलब्धता भी मांग को बढ़ावा दे रही है। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स की कुल बिक्री सालाना आधार पर 35 फीसदी बढ़कर 56,700 यूनिट तक पहुंच सकती है। मारुति सुजुकी की बिक्री 25 फीसदी बढ़कर 2.25 लाख यूनिट रहने का अनुमान है, जबकि महिंद्रा एंड महिंद्रा की बिक्री 15 फीसदी बढ़कर 97,000 यूनिट और हुंडई की बिक्री 7 फीसदी बढ़कर 63,000 यूनिट होने की संभावना है। हालांकि, हुंडई के लिए पश्चिम एशिया का बाजार एक चुनौती पेश कर सकता है, क्योंकि कंपनी के कुल निर्यात में इस क्षेत्र की हिस्सेदारी 40 फीसदी से अधिक है। दोपहिया वाहन कंपनियों के लिए भी मई का महीना अनुकूल रहने की उम्मीद है। शादी के सीजन में ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों में बाइक और स्कूटर की मांग तेजी से बढ़ती है। आसान फाइनेंसिंग और बेहतर आय स्तर भी बिक्री को समर्थन दे रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक टीवीएस मोटर की कुल बिक्री 18 फीसदी बढ़कर 5.1 लाख यूनिट, रायल एनफील्ड की बिक्री 16 फीसदी बढ़कर 1.04 लाख यूनिट, बजाज आटो की 16 फीसदी बढ़कर 4.45 लाख यूनिट और हीरो मोटोकार्प की 12 फीसदी बढ़कर 5.7 लाख यूनिट रहने का अनुमान है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे बाजारों में बढ़ती मांग से निर्यात भी मजबूत रह सकता है, जिससे दोपहिया कंपनियों को अतिरिक्त लाभ मिलेगा।

भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम में उतार-चढ़ाव, नोएडा-गुरुग्राम में बढ़े दाम, गाजियाबाद में राहत; दिल्ली-मुंबई के भाव स्थिर

नई दिल्ली। ईरान और अमेरिका के बीच तल्खी कुछ नरम होने और संभावित सहमति की उम्मीद से वैश्विक कच्चे तेल के बाजार में गिरावट दर्ज की गई है। बीते 24 घंटों में ब्रेंट क्रूड 93.17 डालर और डब्ल्यूटीआई 88.10 डालर प्रति बैरल पर आ गया है। इस नरमी का असर शुक्रवार सुबह सरकारी तेल कंपनियों द्वारा जारी पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर दिखा है, जहां कई शहरों में तेल के दाम बदल गए हैं। देश के चार महानगरों में दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है, जबकि मुंबई में पेट्रोल 111.18 रुपये और डीजल 97.83 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। चेन्नई में यह 108.01 रुपये (पेट्रोल) और 99.78 रुपये (डीजल) है, वहीं कोलकाता में पेट्रोल 113.47 रुपये और डीजल 99.82 रुपये प्रति लीटर है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के शहरों में दाम बदले हैं- नोएडा में पेट्रोल 102.42 रुपये (46 पैसे महंगा) और डीजल 95.86 रुपये (42 पैसे महंगा) हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 101.88 रुपये (22 पैसे सस्ता) और डीजल 95.36 रुपये (22 पैसे सस्ता) हुआ है। हरियाणा के गुरुग्राम में भी पेट्रोल 102.80 रुपये (11 पैसे महंगा) और डीजल 95.47 रुपये (11 पैसे महंगा) दर्ज किया गया है ।

एआई की रेस में ओपनएआई से आगे निकला एंथ्रोपिक, 965 अरब डालर की वैल्यूएशन के साथ रचा इतिहास

नई दिल्ली

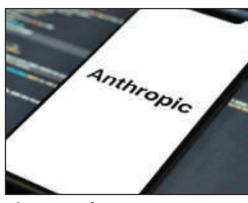

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की दुनिया में एक बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। अमेरिका के मशहूर एआई स्टार्टअप एंथ्रोपिक ने एक ट्रिलियन डालर की वैल्यूएशन के करीब पहुंचकर इतिहास रच दिया है। अपने चैटबाट क्लाउड के लिए पहचानी जाने वाली इस कंपनी ने वैल्यूएशन के मामले में अपने सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी ओपनएआई को भी पीछे छोड़ दिया है। यह अहम पड़ाव ऐसे समय में आया है जब दोनों ही दिग्गज कंपनियां शेयर बाजार में अपने कदम रखने (स्टाक मार्केट डेब्यूट) की जोरों-शोरों से तैयारी कर रही हैं।

फंडिंग का नया रिकार्ड और बढ़ती वैल्यूएशन - एंथ्रोपिक ने अपने हालिया फंडिंग राउंड में 65 अरब डालर की भारी-भरकम रकम जुटाई है। इस फंडिंग राउंड का नेतृत्व अल्टीमीटर कैपिटल, ड्रैगनियर, ग्रीनओक्स और सिकोइया कैपिटल जैसे बड़े निवेशकों ने किया। इस शानदार निवेश के बाद कंपनी की कुल वैल्यूएशन (पोस्ट-मनी) 965 अरब डालर के स्तर पर पहुंच गई है। इस फंडिंग राउंड में एएमपी पीबीसी, बेली गिफोर्ड, ब्लैकस्टोन, ब्रुकफील्ड और डी.ई. शा वेंचर्स जैसे अन्य प्रमुख निवेशकों ने भी हिस्सा लिया, जबकि इंफ्रास्ट्रक्चर पार्टनर के रूप में माइक्रोन, सैमसंग और एसके हाइनिक्स भी इस शानदार सूची में शामिल हुए हैं। इसके उलट, अगर ओपनएआई की बात करें तो कंपनी ने इसी साल मार्च में 122 अरब डालर की बड़ी फंडिंग जुटाई थी, जिससे उसकी कुल वैल्यूएशन 852 अरब डालर आंकी गई थी।

मुनाफे और रेवेन्यू में जबरदस्त उछाल - बाजार में क्लाउड एआई की मांग ग्लोबल एंटरप्राइज ग्राहकों के बीच लगातार बढ़ रही है। इसी शानदार मांग के दम पर एंथ्रोपिक का रन-रेट रेवेन्यू इस महीने की शुरुआत में ही 47 अरब डालर के आंकड़े को पार कर गया है। कंपनी को उम्मीद है कि उसका कुल रेवेन्यू 10.9 अरब डालर रहेगा, जो कि पिछली बार के मुकाबले दोगुने से भी अधिक है। सबसे खास बात यह है कि कंपनी को जून तिमाही में अपना पहला आपरेटिंग प्राफिट (परिचालन मुनाफा) दर्ज करने की उम्मीद है, जो किसी भी स्टार्टअप के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि होती है। कंपनी के चीफ फाइनेंशियल आफिसर (सीएफओ) कृष्णा राव का कहना है कि दुनिया भर में बढ़ रहे उनके ग्राहकों के लिए क्लाउड लगातार एक जरूरी टूल बनता जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस नई फंडिंग से कंपनी को उस ऐतिहासिक मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी जिसका वे वर्तमान में अनुभव कर रहे हैं। इसके अलावा, कंपनी इस फंड का इस्तेमाल अपनी रिसर्च को बेहतर बनाने और क्लाउड कोड और को-वर्क जैसे टूल्स को ग्राहकों के लिए और ज्यादा उपयोगी व पावरफुल बनाने में करेगी। कंप्यूटिंग क्षमता और ग्लोबल इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार क्लाउड की बढ़ती मांग को देखते हुए एंथ्रोपिक अपनी कंप्यूटिंग क्षमता को बहुत तेजी से बढ़ा रहा है। कंपनी ने अमेज़न के साथ नई क्षमता के लिए पांच गीगावाट तक का समझौता किया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

डीके...

यहां तक कि डिप्टी सीएम पद की भी चर्चा थी।

एएस पोन्नाना: ये सिद्धारमैया के वकील और करीबी साथी हैं। सिद्धारमैया के बेहद विश्वासपात्र माने जाते हैं।

जी परमेश्वर: कांग्रेस के पुराने नेता और अभी तक गृह मंत्री थे। दलित समाज का बड़ा चेहरा। जब मुख्यमंत्री बदलने की बात हो रही थी, तब इनका नाम भी सीएम पद के लिए चर्चा में आया था।

एमबी पाटिल: बड़े और मझोले उद्योगों के मंत्री रहे हैं। सिद्धारमैया के करीबी हैं। उत्तर कर्नाटक से ताल्लुक रखते हैं और लिंगायत समाज में इनकी अच्छी पकड़ है। कांग्रेस के सबसे वरिष्ठ नेताओं में गिने जाते हैं।

बायरती सुरेश: बेंगलुरु के हेब्बाल से विधायक हैं और शहरी विकास मंत्री रहे हैं। बेंगलुरु में कांग्रेस के मजबूत नेता माने जाते हैं।

एचसी महादेवप्पा: दलित समाज के वरिष्ठ नेता और सामाजिक कल्याण मंत्री रहे हैं। सिद्धारमैया के पुराने साथी हैं। पार्टी में अहिंदा यानी पिछड़े और अल्पसंख्यक तबके की आवाज उठाने वाले नेता के रूप में जाने जाते हैं।

प्रियांक खड़गे: कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे हैं। ग्रामीण विकास और पंचायत राज मंत्री रहे हैं। पिता के देशभर में बड़े नेता होने की वजह से इनका कैबिनेट में रहना तय माना जा रहा है।

कृष्णा बायरे गौड़ा: राजस्व मंत्री रहे हैं। बेंगलुरु के नेता हैं और सरकारी कामकाज की अच्छी समझ रखने वाले नेता के रूप में जाने जाते हैं।

संतोष लाड: उत्तर कर्नाटक के नेता हैं और श्रम मंत्री रहे हैं। सिद्धारमैया के करीबी हैं।

दिनेश गुंडू राव: स्वास्थ्य मंत्री रहे हैं और कर्नाटक कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष हैं। पार्टी संगठन में अहम भूमिका निभाते रहे हैं। बेंगलुरु से ताल्लुक है।

लक्ष्मी हेब्बालकर: बेलगावी जिले से आती हैं और महिला और बाल विकास मंत्री रहीं हैं। कांग्रेस की ताकतवर नेत्री मानी जाती हैं। इनके नाम की चर्चा भी डिप्टी सीएम पद के लिए हो रही है।

रामालिंगा रेड्डी: बेंगलुरु के वोक्कालिगा समाज का बड़ा चेहरा। परिवहन और मुजराई विभाग संभाल चुके हैं। वरिष्ठ नेता हैं।

रिजवान अर्शद: कांग्रेस विधायक हैं और पार्टी के अल्पसंख्यक यानी मुस्लिम समुदाय के अहम चेहरे हैं।

यूटी खादर: अभी कर्नाटक विधानसभा के अध्यक्ष हैं। तटीय कर्नाटक से आते हैं और अल्पसंख्यक समुदाय के वरिष्ठ नेता हैं। पहले भी मंत्री रह चुके हैं।

शरत बचेगौड़ा: युवा विधायक हैं। कर्नाटक स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के चेयरमैन रह चुके हैं। पार्टी में उभरते चेहरे के रूप में देखे जाते हैं।

शनिवार को कांग्रेस विधायक दल की बैठक होगी। इसमें शिवकुमार को औपचारिक रूप से नया नेता चुना जाएगा।

'पावर' में रहना...

कोऑर्डिनेशन कमेटी के अध्यक्ष थे। उस कमेटी के जरिए वो सरकार के बाहर रहते हुए भी हर बड़े फैसले में शामिल रहते थे। उनकी बात सुनी जाती थी। अब वो फिर से वैसा ही ढांचा चाहते हैं।

पार्टी आलाकमान ने अभी तक इस प्रस्ताव पर कोई फैसला नहीं किया है। हाईकमान की सोच यह है कि 2018 वाली स्थिति और आज की स्थिति में फर्क है। तब दो पार्टियों की गठबंधन सरकार थी, जहां तालमेल बनाना जरूरी था। अभी कांग्रेस अकेले बहुमत में है, तो फिर ऐसी कमेटी की जरूरत क्यों। इसलिए हाईकमान पूरी तरह से इस आइडिया के साथ नहीं है।

असली खेल शक्ति संतुलन का

राजनीति के जानकार इस पूरे मामले को सत्ता की लड़ाई से जोड़कर देख रहे हैं। नेतृत्व बदलने के बाद शिवकुमार प्रदेश की राजनीति और संगठन दोनों में मजबूत हो गए हैं। सिद्धारमैया नहीं चाहते कि उनकी राजनीतिक पकड़ कमजोर पड़े। वो चाहते हैं कि उनके पास कोई ऐसा संस्थागत यानी आधिकारिक रोल रहे जिससे उनके समर्थक भी साथ बने रहें और फैसलों में उनकी भूमिका भी बनी रहे।

पुणे-पिंपरी...

दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही दोनों शहरों की पुलिस को आपसी तालमेल के साथ जांच करने का आदेश दिया है।

इस मुद्दे पर राजनीति भी तेज हो गई है। एनसीपी (एसपी) नेता रोहित पवार ने हडपसर में अवैध शराब के एक ठिकाने को खुद नष्ट किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर दावा किया कि मरने वालों की संख्या 18 है। रोहित पवार ने गृह विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार अवैध गतिविधियों को रोकने में पूरी तरह विफल रही है।

यह घटना राज्य में अवैध शराब की समस्या को एक बार फिर उजागर करती है। पुलिस पूरे नेटवर्क को पकड़ने के लिए छानबीन तेज कर रही है।

शिव या...

पशुपति मुहर में दिखाई देने वाली योग मुद्रा, शैव प्रतीकवाद और आध्यात्मिक भावना आज भी भारत के मंदिरों, शिव की दैनिक पूजा, योग परंपराओं और सांस्कृतिक जीवन में पूरी तरह से जीवंत है।

वैदिक काल से लेकर आज के आधुनिक भारत तक, सभ्यता का यह सूत्र निरंतर और अटूट रूप से जीवित रहा है जो हमारे दर्शन, रीति-रिवाजों और सामूहिक चेतना में गहराई से रचा-बसा है।

प्रोटो-एलामाइट आइकनोग्राफी क्या है?

प्रोटो-एलामाइट सभ्यता प्राचीन ईरान की सबसे शुरुआती शहरी सभ्यताओं में मानी जाती है। इसका विकास लगभग 3200 ईसा पूर्व से 2700 ईसा पूर्व के बीच आज के दक्षिण-पश्चिमी ईरान में हुआ था। यह सभ्यता मुख्य रूप से सुसा, अंशान और ईरानी पठार के अन्य क्षेत्रों में फैली हुई थी। इसे मेसोपोटामिया की सुमेरियन सभ्यता के समकालीन माना जाता है।

आइकनोग्राफी यानी कि प्रतिमा विज्ञान। इस तरह से प्रोटो-एलामाइट आइकनोग्राफी का मतलब हुआ प्रोटो-एलामाइट सभ्यता के दौरान पाए गए प्रतिमाओं का अध्ययन या जानकारी।

इस सभ्यता की मोहरों और बर्तनों पर पशु आकृतियां, धार्मिक प्रतीक और ज्यामितीय डिजाइन मिलते हैं। बैल, बकरी और जंगली जानवरों की छवियां आम थीं। इस दौरान मनुष्य और पशुओं की मिश्रित तस्वीरें भी देखने को मिलती हैं।

अमेरिकी इतिहासकार ऑड्रे ट्रुश्के ने संस्कृति मंत्रालय के पोस्ट पर दावा किया ये मोहर शिव का नहीं है।

जबकि संस्कृति मंत्रालय ने इसे शिव-पशुपति या प्रोटो-शिव के रूप में वर्णित किया। यह मोहर शैव परंपरा और भारतीय सांस्कृतिक धारा की प्राचीनता को रेखांकित करता है।

क्या योग भी एलामाइट का हो गया है?

ऑड्रे ट्रुश्के के तर्कों का जवाब शिवा ट्रिलॉजी, रामचंद्र सीरीज जैसे पौराणिक आख्यानों पर किताब लिखने वाले चर्चित लेखक अमीष त्रिपाठी ने दिया।

उन्होंने लिखा, प्रोटो-एलामाइट? पशुपति की मुहर पर एक हाथी, एक भैंसा और एक गैंडा है। पुराना एलाम दक्षिण-पश्चिमी ईरान में था।

हाथी, भैंसा और गैंडे पुराने एलाम में नहीं पाए जाते थे। वैसे वे भारत में जरूर पाए जाते रहे हैं। साथ ही, यह मूर्ति योग की मुद्रा में बैठी है। क्या अब योग भी एलामाइट का हो गया है? क्या सच में?

अमीष त्रिपाठी ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए लिखा है कि, आपकी प्रोफाइल में लिखा है कि आप एक प्रोफेसर हैं। मेरा मतलब इस तरह से जवाब देना नहीं है, लेकिन आपके स्टूडेंट्स को रिफ़ंड मिलना चाहिए।

और सच में, पश्चिमी यूनिवर्सिटीज़ को अपने हायरिंग के तरीकों में सुधार करने की ज़रूरत है।

एक दूसरी प्रोफेसर लावण्या वेमसानी ने कहा, एलामाइट मोहर पशुपति/आदि-शिव मोहर से पूरी तरह अलग है। ये दोनों एक जैसी नहीं हैं। इन दोनों के बीच तुलना करने लायक 1% भी समानता मौजूद नहीं है।

सिंधु-सरस्वती सभ्यता की पशुपति मोहर में शिव को ममूलबंधासनफ में बैठे हुए दिखाया गया है, जो केवल सिद्ध योगी ही कर पाते हैं और वे भारत में पाए जाने वाले जानवरों (बाघ, हाथी, गैंडा) से घिरे हुए हैं।

यह बात उन लोगों को डराती है जो भारतीय इतिहास की मनगढ़ंत और झूठी कहानियां फैलाते हैं। चाहे उन्हें इस बात का एहसास हो या न हो, लेकिन अब भारतीय इतिहास उनकी गढ़ी हुई कहानियों पर आधारित नहीं रहा है।

इस पोस्ट पर पाकिस्तान से भी कई प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। एक पाकिस्तानी यूजर ने कहा कि मोहनजो-दारो तो पाकिस्तान में है, इस पर भारत कैसे दावा कर सकता है।

संस्कृति मंत्रालय का ये पोस्ट केवल एक मोहर की व्याख्या तक सीमित नहीं है, बल्कि इस बड़े सवाल से जुड़ा है कि भारत के प्राचीन इतिहास को देखने का नजरिया क्या हो।

एक पक्ष इसे सांस्कृतिक निरंतरता का प्रमाण मानता है, बकि दूसरा पक्ष ठोस पुरातात्विक प्रमाणों के आधार पर आगे बढ़ने की सलाह देता है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 30 मई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

स्वतंत्रता सेनानी पंडित गंगाराम स्मारक मंच द्वारा हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर

विपमा वीर–समाचार पत्र और कमला गणोरकर–लेखन का सम्मान आज

हैदराबाद, 29 मई (शुभ लाभ ब्यूरो) । स्वतंत्रता सेनानी पंडित गंगाराम स्मारक मंच द्वारा 30 मई हिन्दी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर श्रीमती विपमा वीर (समाचार पत्र) और डॉ. कमला गणोरकर (लेखन) को पुरस्कृत किया जाएगा।

स्वतंत्रता सेनानी पं. गंगाराम स्मारक मंच ने हिन्दी पत्रकारिता दिवस का भव्य कार्यक्रम 30 मई को सायं 5:00 बजे पंडित नरेंद्र भवन सभागृह, राजमोहल्ला, नारायणगुड़ा में आयोजित किया जाएगा।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जी. किशन रेड्डी, केंद्रीय मंत्री, कोयला एवं खान मंत्रालय होंगे। विशेष अतिथि प्रोफेसर आर. एस. सर्राजू, वरिष्ठ विशेषज्ञ, भारतीय शिक्षा समिति, नई दिल्ली रहेंगे और इस समारोह के सम्माननीय अतिथि डॉ. अनुपमा, अध्यक्ष हिन्दी विभाग, विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय, हैदराबाद होंगी।

पंडित गंगाराम: लेखन से क्रांति का बिगुल

प्रत्येक आन्दोलन के लिए लेखन व वाणी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। क्रांतिवीर पंडित गंगाराम ने 23 वर्ष की उम्र में सन् 1939 में आर्य सत्याग्रह हेतु नियम पूर्वक एक समाचार बुलेटिन प्रकाशित करके रात के अंधेरे में बस्तियों की दीवारों पर लगाकर जन–जन में धर्म युद्ध के लिए सहानुभूति व जोश पैदा करके दिखा दिया। 1946 में ङ्घऋषि चरित्र प्रकाशङ्घङ्ग पुस्तक लिखी और उसे शिक्षण संस्थानों में पढ़ाने की स्वीकृति आर्य प्रतिनिधि सभा ने दी, लेकिन तत्कालीन निज़ाम शासन द्वारा इसे सरकार के विरुद्ध विद्रोह की एक ज्वाला समझकर

श्रीमती विपमा वीर

इसे जब्त कर दिया और वाणी पर भी प्रतिबंध लगा दिया था।

इसी तरह स्वतंत्र पत्रकारिता और लेखनी आगे चलकर वर्णाश्रम पत्रिका का संचालन 30 वर्षों से अधिक किया तथा उनके लेख आर्य जगत के पत्र–पत्रिकाओं में प्रकाशित होते रहे। वेद ईश्वरीय ज्ञान है ˉ कुरान बाइबल नहीं, मक्का में हल्ला ˉ हैदराबाद में दंगा, बे मां–बाप के 2 करोड़ बच्चे, मंदिरों की भूमि बेचना पाप है, हैदराबाद के गणेश उत्सव ˉ करोड़ों रुपया पानी में, नौबत पहाड़ ˉ मंदिर या मस्जिद आदि ज्वलंत मुद्दों पर पुस्तकें आर्यसमाज, सुलतान बाजार, हैदराबाद ने प्रकाशित कीं। ऐसे महान क्रांतिवीर लेखक और पत्रकार की स्मृति में यह सम्मान समारोह आयोजित है।

हिन्दी समाचार पत्र सम्मान पुरस्कार:
श्रीमती विपमा वीर

इस वर्ष हिन्दी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर हिन्दी समाचार पत्र सम्मान पुरस्कार श्रीमती विपमा वीर, प्रधान

डॉ. कमला गणोरकर

संपादिका, डेली हिंदी मिलाप, हैदराबाद को दिया जाएगा।

श्रीमती विपमा वीर का जन्म नई दिल्ली में हुआ। वह बचपन से ही शिल्प एवं कला में अभिरुचि के कारण फैशन डिजाइन में डिप्लोमा किया। उन्होंने सामाजिक जीवन और गाइड संबंधी स्वयं सेवी संस्था से शैक्षिक काल में जुड़ी। 70 के दशक में सर्वश्रेष्ठ गाइड के रूप में तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. नीलम संजीव रेड्डी से सम्मान ग्रहण किया।

स्नातक की शिक्षा दिल्ली विश्वविद्यालय से पूरी की। 1989 में हैदराबाद के सुप्रसिद्ध पत्रकार श्री युद्धवीर जी (सुपुत्र महात्मा आनन्द स्वामी जी) की पुत्रवधू बनीं और पति श्री विनयवीर जी के प्रोत्साहन से पत्रकारिता की ओर आकर्षित हुईं। वर्तमान में वह डेली हिंदी मिलाप जो सन् 1950 से हैदराबाद में हिन्दी की सेवा में दक्षिण भारत में अपना नाम स्थापित किया है, उसकी मुख्य संपादिका हैं। आधुनिक विषयों का समर्थन कर हिन्दी पत्रकारिता के दक्षिणी इतिहास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

हिन्दी लेखक सम्मान पुरस्कार:
डॉ. कमला गणोरकर

इस वर्ष हिन्दी लेखक सम्मान पुरस्कार संध्या पुस्तक की लेखिका डॉ. कमला गण–ोरकर को सम्मानित किया जाएगा।

वह हैदराबाद में सन् 1934 में जन्मीं और भारतीय प्राचीन संस्कृति गुरुकुल की परंपरा में देहरादून से शिक्षा प्राप्त कर विद्यालंकार की उपाधि लेकर हैदराबाद लौटीं। उन्होंने नवजीवन बालिका विद्यालय में अध्यापन करते हुए एम.ए. की पढ़ाई पूरी की। 1961 में विवाह के बाद पति की प्रेरणा से पी.एच.डी. की।

वनिता महाविद्यालय में हिन्दी विभाग की अध्यक्षा बनीं और वाइस प्रिंसिपल हुईं। उनकी साहित्यिक रचनाएं ˉ दुर्गाबाई देशमुख, भारत कोकिला सरोजिनी नायडू, आस्था, जापानी सांस्कृतिक लोक कथा, साहसी महिला ˉ निडर बुढ़िया, आदि पुस्तकें लिखीं। ङ्घजीवन एक अवसर है ˉ जीवन एक यात्रा है ˉ पूरा करोङ्घङ्ग ˉ यह पंक्तियां उनके द्वारा लिखी पुस्तक ङ्घयत्र तत्र सर्वत्रङ्घङ्ग से हैं। वह 92 वर्ष की हैं और आज भी अपनी कलम को चलाती रहती हैं।

स्वतंत्रता सेनानी पंडित गंगाराम स्मारक मंच सभी हिन्दी प्रेमियों से निवेदन करता है कि इस भव्य आयोजन में सम्मिलित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएं और इसे सफल बनाएं।

सेवा के माध्यम से मानवता का संदेश

हैदराबाद, 29 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शुक्रवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जरूरतमंदों को प्रेम एवं सम्मान के साथ भोजन वितरित किया गया। इस अवसर पर सुभाष अग्रवाल, मनीष अग्रवाल सहित ग्रुप के अनेक सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाई। सदस्यों ने कहा कि अन्नदान केवल भोजन बांटना नहीं, बल्कि मानवता, करुणा और सेवा भाव को समाज में जीवित रखने का एक श्रेष्ठ माध्यम है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने राधे–राधे ग्रुप द्वारा निरंतर किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं तथा युवाओं को भी सेवा और संस्कारों से जोड़ने का कार्य करते हैं। ग्रुप सदस्यों ने संकल्प लिया कि भविष्य में भी इसी प्रकार नियमित रूप से सेवा कार्य जारी रखे जाएंगे ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाई जा रही है।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की गौ सेवा कोर कमिटी की बैठक सम्पन्न

गौशालाओं की सेवा, आर्थिक सहयोग और संगठनात्मक व्यवस्था को लेकर लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

हैदराबाद, 29 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की गौ सेवा कोर कमिटी की बैठक समाज के कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल की अध्यक्षता में राघव रत्ना टावर स्थित समाज कार्यालय में आयोजित की गई।

समाज के मीडिया एवं प्रेस विज्ञप्ति चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार बैठक में गौ सेवा गतिविधियों को अधिक व्यवस्थित एवं प्रभावी बनाने हेतु कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक में निर्णय लिया गया कि गौ सेवा कोर कमिटी की बैठक प्रत्येक माह के तीसरे शुक्रवार को समाज कार्यालय में आयोजित की जाएगी। वहीं प्रत्येक माह के दूसरे सप्ताह में आर्थिक रूप से कमजोर एवं अधिक आवश्यकता वाली गौशाल–ाओं में सेवा कार्य किया जाएगा।

कमिटी द्वारा गौ सेवा के लिए प्रतिमाह लगभग 30 हजार रुपये खर्च करने का निर्णय लिया गया, जिसमें हरी घास एवं सब्जियों की व्यवस्था शामिल रहेगी। इसके अतिरिक्त यदि किसी गौशाला में दवाइयों की आवश्यकता होगी तो आवेदन प्राप्त होने पर कमिटी में चर्चा कर उपलब्ध

राशि के अनुसार सहायता प्रदान की जाएगी।

बैठक में यह भी तय किया गया कि कोर कमिटी के प्रत्येक सदस्य को प्रतिमाह न्यूनतम 1100 रुपये अनुदान राशि के रूप में देना अनिवार्य रहेगा। साथ ही प्रत्येक माह की 5 तारीख से पहले सहयोग राशि सीधे अग्रवाल समाज के बैंक खाते में जमा कराने हेतु बैंक स्कैनर ग्रुप में साझा किया जाएगा।

कमिटी ने निर्णय लिया कि गौ चेतना के नाम से बैंक में जमा राशि को अग्रवाल समाज तेलंगाना के खाते में स्थानांतरित किया जाएगा।

गौ सेवा कोर कमिटी का फ्लायर तैयार कराने की जिम्मेदारी मुकुंद लाल अग्रवाल को सौंपी गई। निर्णय के अनुसार फ्लायर में सभी सदस्यों के फोटो के साथ समाज के पदाधिकारियों को भी शामिल किया जाएगा। भविष्य में जारी होने वाले फ्लायर में समाज के पदाधिकारियों के साथ चेयरमैन का फोटो रहेगा।

बैठक में सभी सदस्यों से आग्रह किया गया कि गौ सेवा कोर कमिटी के व्हाट्सएप ग्रुप में केवल गौ सेवा से संबंधित संदेश ही पोस्ट किए जाएं। साथ ही अधिक से अधिक लोगों को गौ सेवा अनुदान अभियान से जोड़ने के लिए एक अलग व्हाट्सएप ग्रुप में नए सदस्यों को जोड़ने का आग्रह भी किया गया।

बैठक में अग्रवाल समाज तेलंगाना के कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल, मानद मंत्री डॉ. सीमा जैन, गौ सेवा कोर कमिटी के चेयरमैन मनीष अग्रवाल, मुकुंद लाल अग्रवाल, सत्यनारायण फोगला, अशोक कुमार दादरीवाला, दीपक कुमार अग्रवाल, श्रीमती मोनिका अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, रानी मित्तल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक का समापन गौ सेवा कोर कमिटी के चेयरमैन मनीष अग्रवाल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

प्राचीन आयुर्वेद पांडुलिपियों के संरक्षण के लिए सीसीआरएएस–एनआईआईएमएच और केएसयू के बीच एमओयू

हैदराबाद, 29 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद–राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (सीसीआरएएस–एनआईआईएमएच), हैदराबाद और कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय, बेंगलुरु के बीच प्राचीन आयुर्वेदिक पांडुलिपियों के संरक्षण, लिप्यंतरण, अनुवाद और डिजिटल संरक्षण के लिए गुरुवार को ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर दो दिवसीय कार्यशाला का भी शुभारंभ किया गया।

समारोह डॉ. अहिल्या (कुलपति, कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय) और प्रो. (वैद्य)

रबिनारायण आचार्य (महानिदेशक, सीसीआरएएस, नई दिल्ली) की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। समझौता ज्ञापन पर डॉ. जी.पी. प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक, एनआईआईएमएच और प्रो. गिरीशचंद्र वी. (कुलसचिव प्रशासन प्रभारी, केएसयू) ने आधिकारिक रूप से हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर डॉ. रामकृष्ण भट (कुलसचिव मूल्यांकन प्रभारी), डॉ. विनायक नामन्नवर (वरिष्ठ विद्वान और ज्ञानभारत मिशन के समन्वयक), डॉ. प्रभु स्वामी (पांडुलिपि विज्ञान विभाग के अध्यक्ष, केएसयू), डॉ. साकेत राम और डॉ. संतोष एस. माने (अनुसंधान अधिकारी, आयुर्वेद) सहित केएसयू के वरिष्ठ संकाय सदस्य और स्नातकोत्तर छात्र उपस्थित रहे।

कार्यशाला में एसडीएम कॉलेज ऑफ आयुर्वेद (हासन और उडुपी), श्री श्री कॉलेज ऑफ आयुर्वेदिक साइंस (बेंगलुरु), पारुल यूनिवर्सिटी, आयुर्वेद कॉलेज (कोप्पल) और आप्यम आयुर्वेद फाउंडेशन (बेंगलुरु) जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के 50 से अधिक छात्र, संकाय सदस्य और विशेषज्ञों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

यह समझौता प्राचीन आयुर्वेदिक ज्ञान को संरक्षित करने और उसे नई पीढ़ी तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्व–पूर्ण कदम माना जा रहा है। दोनों संस्थान अब संयुक्त रूप से पांडुलिपियों के व्यवस्थित दस्तावेजीकरण और डिजिटलीकरण पर काम करेंगे।

सरदार पटेल एकता महासम्मेलन एवं लोक डायरो कार्यक्रम हेतु भूमि पूजन सम्पन्न

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में कल होगा भव्य आयोजन

हैदराबाद, 29 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जन्म जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में भारत भारती द्वारा आगामी रविवार, 31 मई 2026 को आयोजित होने वाले सरदार पटेल एकता महासम्मेलन एवं लोक डायरो कार्यक्रम के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ।

यह भव्य आयोजन शाम 5 बजे से नुमाईश मैदान में आयोजित किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में समाजबंधुओं एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है।

आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य सरदार डरॲवरॲ तरश्रश्ररलहलहरळ झरींशश्र के राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं राष्ट्रनिर्माण के विचारों को जन–जन तक पहुंचाना है। लोक डायरो के माध्यम से

सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक चेतना का संदेश भी दिया जाएगा।

भूमि पूजन कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने आयोजन को सफल बनाने के लिए सामूहिक रूप से तैयारियों की समीक्षा की तथा विभिन्न जिम्मेदारियां तय कीं।

इस अवसर पर भारत भारती के राष्ट्रीय महामंत्री जगन्नाथ, जसमतभाई पटेल, आले भास्कर, संजय घनाटे, डॉ. मोहन गुप्ता, संजय लाहोटी, मुकेश चौहान, महेंद्र सिंघी, आनंद बोहरा, अरुणा ज्योति, डॉ. समता, राधिका देशपांडे, सी.एच. चौहान सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

एडवोकेट ख्वाजा मोइजुद्दीन हत्याकांड का सनसनीखेज खुलासा

मुख्य साजिशकर्ता सहित 6 आरोपी गिरफ्तार, 15 लाख की दी गई थी सुपारी

हैदराबाद, 29 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): नामपल्ली पुलिस स्टेशन (खैरताबाद जोन, हैदराबाद सिटी पुलिस) ने एडवोकेट ख्वाजा मोइजुद्दीन की बेरहमी से की गई हत्या के मामले में एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने मुख्य साजिशकर्ता और सह-साजिशकर्ता समेत 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। यह पूरी वारदात 15,00,000/- (पंद्रह लाख रुपये) की सुपारी देकर अंजाम दी गई एक सोची-समझी और पूर्व-नियोजित साजिश का हिस्सा थी।

घटनाक्रम के अनुसार, 23-05-2026 को सुबह लगभग 08:30 बजे, मृतक के पुत्र श्री एम.एस. फरहान (पेशा: वकील, निवासी: मसाब टैंक, हैदराबाद) से एक शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायत में उन्होंने बताया कि 23-05-2026 को सुबह करीब 05:45 बजे, उनके पिता एडवोकेट ख्वाजा मोइजुद्दीन अपनी दैनिक दिनचर्या के अनुसार तैरने (स्विमिंग) के लिए घर से निकले थे और निवास के सामने खड़ी अपनी गाड़ी की तरफ बढ़ रहे थे। इसी दौरान, एक अज्ञात चार पहिया वाहन अत्यधिक तेज गति से आया और जानबूझकर उनके पिता को पूरी ताकत से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वे करीब 10 मीटर दूर जाकर गिरे और उन्हें गंभीर चोटें आईं। घायल को तुरंत महावीर अस्पताल और बाद में इलाज के लिए उदय ओम्नी अस्पताल, आबिड्स, हैदराबाद ले जाया गया, जहाँ इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।

शिकायत के आधार पर, शुरुआत में नामपल्ली पुलिस स्टेशन में बीएनएस (भारतीय न्याय संहिता) की धारा 109(1), 281, 61(2)(ए) सपठित 3(5) के तहत अपराध संख्या 206/2026 दर्ज कर जांच शुरू की गई। घायल की मृत्यु के बाद, कानूनी धाराओं को बदलकर बीएनएस की धारा 103(1), 61(2)(र) सपठित 3(5) कर दिया गया।

जांच के दौरान, सीसीटीवी फुटेज से साफ तौर पर खुलासा हुआ कि बिना नंबर प्लेट वाली हरे रंग की महिंद्रा स्कॉर्पियो गाड़ी जानबूझकर मृतक के घर के पास इंतजार कर रही थी। जैसे ही मोइजुद्दीन अपनी गाड़ी में बैठने लगे, स्कॉर्पियो ने उन्हें जानबूझकर टक्कर मार दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी वाहन सहित मौके से फरार हो गए। जांच के दौरान, पंचवटी लॉज (सिकंदराबाद) और महफिल होटल (नारायणगुडा) के सीसीटीवी फुटेज के सत्यापन के बाद आरोपियों की पहचान की गई।

अपराध का मकसद: वक्फ संपत्तियों का विवाद

पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी मुजाहिद आलम खान के परिवार और मृतक एडवोकेट ख्वाजा मोइजुद्दीन के बीच मलकपेट और लाकडीकापुल, हैदराबाद में स्थित वक्फ संपत्तियों और उनके प्रबंधन के मुद्दों को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। दोनों पक्षों के बीच कई सालों से कई दीवानी , आपराधिक और वक्फ ट्रिब्यूनल के मामले लंबित हैं।

आरोपियों का मानना था कि उनके खिलाफ विभिन्न कानूनी कार्यवाहियों में मृतक की सक्रिय भागीदारी के कारण उन्हें लगातार कानूनी झटके और अपमान का सामना करना पड़ रहा था। मृतक के प्रति इसी रंजिश के कारण आरोपी मुजाहिद आलम खान और महबूब आलम खान ने उसे रास्ते से हटाने (हत्या करने) की साजिश रची।

साजिश और अपराध को अंजाम देना

एडवोकेट ख्वाजा मोइजुद्दीन को खत्म करने की साजिश आरोपी मुजाहिद आलम खान उर्फ बाबा और उसके पिता महबूब आलम खान द्वारा अपने सहयोगियों के साथ मिलकर 15,00,000/- की सुपारी राशि के साथ एक व्यवस्थित और पूर्व-नियोजित तरीके से रची गई थी।

आरोपी मुजाहिद आलम खान और महबूब आलम खान ने अपने करीबी सहयोगियों हसन अली उर्फ चाऊस और मुनीर के साथ मिलकर किशन उर्फ पप्पू के माध्यम से इस योजना को अंजाम देने की साजिश रची। मुनीर और चाऊस ने अपनी योजना के क्रियान्वयन के लिए रसद की व्यवस्था करने हेतु किशन को नकद राशि सौंपकर समन्वय किया। किशन ने विनय को काम पर लगाया, जिसने आगे चलकर विक्रम के माध्यम से अभिजीत को इस योजना को अंजाम देने के लिए शामिल किया। साजिश के तहत, आरोपी मुजाहिद आलम खान ने हसन अली उर्फ चाऊस के जरिए किशन को अपराध के लिए स्कॉर्पियो गाड़ी खरीदने हेतु 2,00,000/- की राशि की व्यवस्था की थी।

इसके बाद, जनवरी 2026 से ही आरोपी किशन उर्फ पप्पू, आरोपी विनय, अभिजीत उर्फ नानी, विक्रम उर्फ चिंटू और दीन दयाल के साथ मिलकर मृतक के आवास और उनके नियमित आने-जाने वाले स्थानों के पास रेकी (निगरानी) कर रहा था। आरोपियों ने अपराध को अंजाम देने के लिए सबसे उपयुक्त समय और स्थान की पहचान करने हेतु मृतक की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी।

23-05-2026 को, साजिश को आगे बढ़ाते हुए, आरोपियों ने जानबूझकर स्कॉर्पियो गाड़ी का इस्तेमाल किया और एडवोकेट ख्वाजा मोइजुद्दीन को उस समय तेज गति से टक्कर मार दी जब वे अपने घर से बाहर आए थे, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें गंभीर चोटें आईं और बाद में उनकी मृत्यु हो गई।

अपराध को अंजाम देने के बाद, आरोपी घटना स्थल से भाग गए और गाड़ी से पहचान के निशान हटाकर तथा अलग-अलग स्थानों पर बिखर कर सबूतों को नष्ट करने का प्रयास किया। आरोपी महबूब आलम खान ने आरोपी मुनीर और चाऊस को पुलिस द्वारा पकड़े जाने से बचाने के लिए भागने में भी मदद की। इस प्रकार, जांच से स्पष्ट रूप से स्थापित हुआ कि यह अपराध एक सुव्यवस्थित तरीके से क्रियान्वित की गई सोची-समझी आपराधिक साजिश के तहत किया गया था।

गिरफ्तार आरोपियों का विवरण

तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर, पुलिस ने आरोपी किशन उर्फ पप्पू का सुराग पानीपत, हरियाणा में लगाया।

एक विशेष टीम पानीपत भेजी गई और उसने 27-05-2026 को उसे दबोच लिया। पूछताछ के दौरान, आरोपी ने स्वेच्छा से साजिश, प्रत्येक आरोपी की भूमिका, वाहन की खरीद, अपराध से पहले की गई रेकी और हत्या को अंजाम देने के बारे में अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने यह भी खुलासा किया कि आरोपी मुजाहिद आलम खान ने उसे वकील को खत्म करने का काम सौंपा था और खुद से जुड़े कड़ियों को छिपाने के लिए उसने मुनीर और हसन अली उर्फ चाऊस को उससे संपर्क करने के लिए आगे किया था। शुरुआत में ए-1 ने वाहन खरीदने के लिए 2,00,000/- भी दिए थे।

आरोपी ने आगे कबूल किया कि उसने आरोपी विनय को काम पर लगाया था, जो कॉन्ट्रैक्ट किलिंग (सुपारी पर हत्या) को अंजाम देने के लिए आरोपी अभिजीत उर्फ नानी, विक्रम उर्फ चिंटू और मणिदीप उर्फ पोगो नानी को लेकर आया था।

किशन के कबूलनामे के आधार पर आरोपियों को पकड़ने के लिए टीमों का गठन किया गया।

तकनीकी सुरागों और विश्वसनीय सूचनाओं के आधार पर, 29-05-2026 को मुख्य साजिशकर्ता आरोपी नंबर 1 (ए1) को उसके जुबली हिल्स स्थित घर से, आरोपी नंबर 2 (ए2) को उसके आवास से, और आरोपी नंबर 4 (ए4), 5 (ए5), 8 (ए8) तथा 10 (ए10) को एमजीबीएस, गवलीगुडा के पास से गिरफ्तार किया गया।

आरोपी नंबर 1 (ए1) मुजाहिद आलम खान: यह इस मामले का मुख्य साजिशकर्ता है जिसने हत्या को अंजाम देने के लिए लोगों को काम पर रखा था। उसके कब्जे से एक मोबाइल फोन जब्त किया गया है।

आरोपी नंबर 2 (ए2) महबूब आलम खान: यह सह-साजिशकर्ता है और उसने अपने बेटे ए-1 और अपने करीबी सहयोगी हसन अली उर्फ चाऊस के माध्यम से अपराध को अंजाम देने की योजना बनाई थी। उसने अपराध के बाद उन्हें गिरफ्तारी से बचने में भी मदद की थी।

आरोपी नंबर 4 (ए4) अभिजीत उर्फ नानी: इसने पैसों के लालच में अपराध में इस्तेमाल किए गए वाहन को चलाया था और वकील की मौत का कारण बना। उसके कब्जे से 2,80,000/- नकद और एक मोबाइल फोन जब्त किया गया।

आरोपी नंबर 5 (ए5) दिघन विनय: इसने पैसे के बदले हत्या को अंजाम देने के लिए आरोपी अभिजीत उर्फ नानी की व्यवस्था की, योजना बनाने में भाग लिया, वाहन की व्यवस्था की और रेकी व अपराध को अंजाम देने में हिस्सा लिया। उसके कब्जे से स्कॉर्पियो गाड़ी, एक मोबाइल फोन और 4,50,000/- नकद जब्त किए गए। वह पहले भी कई आपराधिक मामलों में शामिल रहा है।

आरोपी नंबर 8 (ए8) विक्रम आदित्य उर्फ चिंटू: इसने आरोपी विनय को आरोपी अभिजीत उर्फ नानी से मिलवाया और अपराध की योजना बनाने में भाग लिया। उसके पास से 1,00,000/- नकद और एक मोबाइल फोन जब्त किया गया। वह भी पिछले आपराधिक मामलों में शामिल है।

आरोपी नंबर 10 (ए10) मणिदीप उर्फ पोगो नानी: यह अपराध के दिन वाहन में आरोपी किशन के साथ मौजूद था। उसके कब्जे से 12,000/- नकद और एक मोबाइल फोन जब्त किया गया।

पुलिस ने मध्यस्थों के पंचनामे के तहत आरोपियों के कब्जे से अपराध में इस्तेमाल की गई स्कॉर्पियो गाड़ी, 10,10,000/- (दस लाख दस हजार रुपये) की नकद राशि और मोबाइल फोन जब्त किए हैं। शेष फरार आरोपियों को पकड़ने और इस साजिश से जुड़े अतिरिक्त तकनीकी और दस्तावेजी साक्ष्य एकत्र करने के लिए आगे की जांच जारी है।

पुलिस टीम की सराहना

उपरोक्त गिरफ्तारियां हैदराबाद सिटी पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के सीधे पर्यवेक्षण में, जांच अधिकारी पी. प्रवीण कुमार (सहायक पुलिस आयुक्त, आबिड्स डिवीजन, हैदराबाद) द्वारा की गईं, जिसमें सीएच साईदुलु (पुलिस निरीक्षक, नामपल्ली पुलिस स्टेशन), एम.ए. आदिल रियाज खान (उप-निरीक्षक, नामपल्ली पुलिस स्टेशन) और नामपल्ली पुलिस स्टेशन के स्टाफ ने महत्वपूर्ण सहयोग दिया।

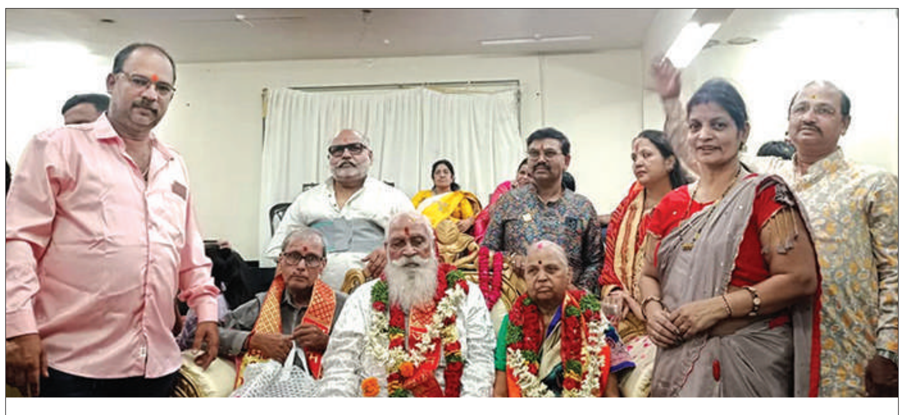

विप्र सेवा संघ के पूर्व अध्यक्ष वेद प्रकाश जोशी की विवाह वर्षगांठ हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर श्री परशुराम सेवा मंडल के संस्थापक अध्यक्ष नवरत्न इंदौरिया सहित समाज के गणमान्य लोगों ने उपस्थित होकर उन्हें शुभकामनाएं एवं बधाई दी। कार्यक्रम में ललिता इंदौरिया, महेश जोशी, देवेश जोशी, रोमेश जोशी तथा अन्य समाजबंधु उपस्थित रहे। सभी ने वेद प्रकाश जोशी एवं उनके परिवार के सुखद, स्वस्थ एवं मंगलमय दांपत्य जीवन की कामना की।

वेद प्रकाश जोशी एवं पुष्पा जोशी ने राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की सेवा भावना को सराहा, जताया आभार

हैदराबाद, 29 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास शुक्रवार को वेद प्रकाश जोशी एवं श्रीमती पुष्पा जोशी की 64वीं वैवाहिक वर्षगांठ के अवसर पर विशेष अन्नदान एवं सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंद लोगों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरण कर मानव सेवा और संस्कारों का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की ओर से वेद प्रकाश जोशी एवं श्रीमती पुष्पा जोशी का आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया। पूरे आयोजन में परिवार जैसा अपनापन, सेवा का भाव और समाज के प्रति समर्पण स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। उपस्थित लोगों ने कहा कि आज के समय में जहां लोग अपने निजी जीवन तक सीमित हो रहे हैं, वहीं राधे-राधे ग्रुप लगातार सेवा, सहयोग और मानवता की मिसाल बनकर समाज को नई दिशा दे रहा है।

वेद प्रकाश जोशी एवं श्रीमती पुष्पा जोशी ने भावुक होकर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिस सम्मान, प्रेम और आत्मीयता के साथ ग्रुप के सदस्यों ने उनका स्वागत किया, वह उनके जीवन की यादगार अनुभूति बन गई है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप केवल एक संस्था नहीं बल्कि सेवा, संस्कार और परिवार का जीवंत स्वरूप है, जहां हर व्यक्ति को अपनापन और सम्मान मिलता है।

उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा के लिए जिस निस्वार्थ भाव से ग्रुप कार्य कर रहा है, वह वास्तव में प्रेरणादायक है और समाज के लिए एक आदर्श उदाहरण है।

उन्होंने यह भी कहा कि सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं होता और राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद जिस समर्पण और निरंतरता के साथ अन्नदान एवं सामाजिक सेवा कार्य कर रहा है, उससे समाज में सकारात्मक परिवर्तन और मानवीय संवेदनाएं मजबूत हो रही हैं।

कार्यक्रम में वेद प्रकाश जोशी, पुष्पा जोशी, रोमेश जोशी, राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, गजराज श्री माल, नंद किशोर अग्रवाल, महेश अग्रवाल, अभिमन्यु अग्रवाल, पाबुराम पीपावत कुमावत, गोपाल गोयल, कियांश डालमिया एवं गुरबीर सिंह मक्कड़ सहित अनेक सदस्यों ने सेवा कार्य में सहभागिता निभाई।

स्वर्गीय श्री महावीर प्रसाद जी मोदी की पुण्यतिथि पर हुआ अन्नदान

हैदराबाद, 29 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने स्वर्गीय श्री महावीर प्रसाद जी मोदी की पुण्यतिथि पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने स्वर्गीय महावीर प्रसाद जी मोदी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके समाज-सेवा, सादगी एवं मानवता के प्रति समर्पण को याद किया। इस अवसर पर जरूरतमंद लोगों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया तथा सेवा को ही सच्चा धर्म बताते हुए मानवता की भलाई का संदेश दिया गया।

राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने कहा कि किसी भी पुण्य अवसर पर जरूरतमंदों की सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य है। स्वर्गीय महावीर प्रसाद जी मोदी के आदर्श सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं और उनकी स्मृति में किया गया यह अन्नदान समाज में सेवा, सहयोग और संवेदनशीलता का संदेश देता है।

इस अवसर पर महेश अग्रवाल, वंश अग्रवाल, विनोद तोष्णीवाल, शिव भगवान अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, प्रवीण विजयवर्गीय, लता गोयल, महेश गोयल, शर्मिला अग्रवाल, मीना अग्रवाल, मोहित, राशि अग्रवाल, नैतिक अग्रवाल, तनु श्री अग्रवाल एवं रेनू शर्मा सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे और सेवा कार्य में अपनी सहभागिता निभाई।

स्टोन एंड टेक एक्सपो 2026 में एफआईजीएसआई पदाधिकारी का बड़ा दावा

दुनिया के 90% स्मारकों में भारत के पत्थरों का इस्तेमाल

हैदराबाद, 29 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): फेडरेशन ऑफ इंडियन ग्रेनाइट एंड स्टोन इंडस्ट्री (एफआईजीएसआई) के बेहद वरिष्ठ पदाधिकारी और उत्खनन विकास, पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी उप-समिति के अध्यक्ष राजेश अंगारा ने मस्टोन एंड टेक एक्सपो 2026फ के उद्घाटन के अवसर पर दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित लैंडमार्क (स्मारकों) को आकार देने में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारतीय प्राकृतिक पत्थर अपनी गुणवत्ता, स्थायित्व, रंगों की विविधता और बेहतरीन कारीगरी के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं और इनका 120 से अधिक देशों में निर्यात किया जाता है।

उन्होंने दावा किया, एक अनुमान के अनुसार, दुनिया के लगभग 90 प्रतिशत प्रमुख स्मारकों, मेमोरियल्स, सार्वजनिक स्थानों, वाणिज्यिक परिसरों और स्थापत्य कला के उत्कृष्ट नमूनों में किसी न किसी रूप में भारत से मंगवाए गए पत्थरों का उपयोग किया गया है।

आगे बोलते हुए उन्होंने कहा कि भारत ग्रेनाइट, मार्बल, सैंडस्टोन, लाइमस्टोन और क्वार्टजाइट के दुनिया के सबसे बड़े उत्पादकों और निर्यातकों में से एक है, जो उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका, यूरोप, मध्य पूर्व, एशिया और अफ्रीका के प्रोजेक्ट्स में प्रीमियम स्टोन उत्पादों की आपूर्ति करता है। भारतीय पत्थरों की बढ़ती वैश्विक मांग देश के समृद्ध भूवैज्ञानिक संसाधनों, उन्नत प्रसंस्करण क्षमताओं और गुणवत्ता मानकों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

राजेश अंगारा ने बताया कि पत्थर के खनन (माइनिंग) में 80 से 90 प्रतिशत हिस्सा कचरे के रूप में बच जाता है। सरकार को एक ऐसी नीति लानी चाहिए जो सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक उपयोगिता के स्थानों के निर्माण में इस कचरे के उपयोग को बढ़ावा दे। इस स्टोन वेस्ट का उपयोग स्लैब, टाइल्स, क्यूब्स, क्यूबॉइड्स और कई अन्य मूल्यवर्धित उत्पाद बनाने में किया जा सकता है।

तेलुगु राज्यों में अपनी तरह के इस पहले मस्टोन एंड टेक एक्सपो 2026फ के आयोजक दीपक गोयल और प्रवीण गोयल ने कहा कि पश्चिम के अधिकांश देश, विशेष रूप से यूरोप, दीर्घकालिक प्रभाव के लिए सार्वजनिक उपयोगिताओं के निर्माण में प्राकृतिक पत्थरों का उपयोग करते हैं। इसके विपरीत, भारत में सरकारें टाइल्स और रेत से बने कृत्रिम पत्थरों का उपयोग करती हैं, जो लंबे समय तक नहीं टिकते। उन्होंने सुझाव दिया कि सरकारों को प्राकृतिक पत्थरों की ओर रुख करना चाहिए, क्योंकि कृत्रिम रेत से बने पत्थर भरोसेमंद नहीं होते। उन्होंने कहा कि भारत में पत्थरों की एक समृद्ध संस्कृति है।

यह एक्सपो तेलंगाना के लिए अधिक प्रासंगिक है, क्योंकि ये दोनों तेलुगु राज्य मिलकर भारत में प्राकृतिक पत्थरों के सबसे बड़े क्षेत्र हैं, जिन्हें देश का मरत्न गर्भफ कहा जाता है। तेलंगाना के ग्रेनाइट उत्पादन का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा निर्यात-उन्मुख (एक्सपोर्ट ओरिएंटेड) है, जो इसके मजबूत अंतर्राष्ट्रीय बाजार को दर्शाता है। यह क्षेत्र अपने अनोखे और सबसे लोकप्रिय स्टोन मैटेरियल के लिए जाना जाता है।

हुबली के श्री संभवनाथ जैन मंदिर में चोरी से समाज में आक्रोश

पुलिस आयुक्त एन. शशिकुमार ने किया घटनास्थल का निरीक्षण, त्वरित कार्रवाई का आश्वासन

हुब्बल्ली, 29 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शहर के होसुर स्थित श्री संभवनाथ जैन मंदिर में हाल ही में हुई चोरी की घटना तथा मैसूर के एक जैन मंदिर में हुई चोरी की वारदातों को लेकर जैन समाज में चिंता और आक्रोश का माहौल है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए हुबली-धारवाड़ के पुलिस आयुक्त एवं वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी एन. शशि कुमार ने मंदिर परिसर का दौरा कर घटनास्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मंदिर प्रबंधन एवं समाजबंधुओं से घटना की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान पुलिस आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को मामले की गहन जांच करने तथा जल्द से जल्द आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने समाज के लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा कि पुलिस विभाग इस मामले को अत्यंत गंभीरता से ले रहा है और दोषियों को शीघ्र कानून के दायरे में लाया जाएगा।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री 15 सूत्रीय अल्पसंख्यक कल्याण कार्यक्रम समिति के सदस्य महेंद्र सिंघी ने कहा कि जैन मंदिरों में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाएं चिंता का विषय हैं। उन्होंने मंदिरों एवं धार्मिक स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए पुलिस प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग की।

महेंद्र सिंघी ने कहा कि इन चोरी की घटनाओं की जांच के लिए विशेष टीम गठित कर शीघ्र कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

इस अवसर पर सहायक पुलिस आयुक्त उतर शिवानंद चलवादी, पुलिस इंस्पेक्टर विद्यानगर डिसूजा, जुगराज कोठारी, विक्रम कोठारी, प्रवेश कोठारी, विनोद कोठारी, अभय सूजी सहित पुलिस विभाग के अधिकारी, मंदिर ट्रस्ट से जुड़े पदाधिकारी एवं समाज के अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

उपस्थित लोगों ने घटना की निष्पक्ष जांच कराने तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सख्त सुरक्षा व्यवस्था लागू करने की मांग की।

वंदे गंगा, जल संरक्षण जन अभियान बना जनजागरूकता का माध्यम

बूंद-बूंद पानी के सदुपयोग से किसान पेश कर रहे मिसाल

बीकानेर, 29 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर 25 मई से 5 जून तक प्रदेशभर में चलाया जा रहा ङ्गवंदे गंगा, जल संरक्षण जन अभियानफ आमजन में जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण एवं बूंद-बूंद पानी के सदुपयोग के प्रति जागरूकता का बड़ा माध्यम बन रहा है। अभियान के तहत जहां लोगों में जल संरक्षण की चेतना जागृत की जा रही है, वहीं विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर किसान भी पानी के समुचित उपयोग की प्रेरणादायक मिसाल पेश कर रहे हैं।

किलचू देवड़ान के प्रगतिशील किसान चतुर्भुज मेघवाल ने राष्ट्रीय कृषि विकास योजना एवं राष्ट्रीय बागवानी मिशन के तहत अपने खेत में छह पॉलीहाउस एवं शेडनेट हाउस स्थापित किए हैं। सीमित पानी में आधुनिक तकनीक अपनाकर वे बेहतर उत्पादन एवं अधिक मुनाफा अर्जित कर रहे हैं।

उद्यान विभाग के सहायक निदेशक मुकेश गहलोत ने बताया ींहरीं किलचू क्षेत्र में पानी की कमी को देखते हुए किसान ने 4 हजार वर्गमीटर क्षेत्र में पॉलीहाउस स्थापित किया। वर्तमान में एक पॉलीहाउस से लगभग 500 क्विंटल तक खीरे का उत्पादन हो रहा है। पॉलीहाउस निर्माण के लिए किसान को लघु एवं सीमांत श्रेणी में 95 प्रतिशत अनुदान प्राप्त हुआ।

उन्होंने बताया कि पॉलीहाउस में बूंद-बूंद सिंचाई प्रणाली के माध्यम से पानी का सदुपयोग किया जा रहा है। साथ ही पॉलीहाउस की छत से वर्षा जल संग्रहित कर खेत तलाई में संरक्षित किया जाता है, जिसका उपयोग सिंचाई में किया जा रहा है।

वर्तमान में राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना के तहत 2500 वर्गमीटर पॉलीहाउस निर्माण पर सामान्य कृषक को 50 प्रतिशत तथा लघु सीमांत कृषकों को 70 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है।

किलचू क्षेत्र के किसान हनुमान राम ने भी जल संरक्षण की महत्ता को समझते हुए अपने पांच हेक्टेयर खेत में अनार का बगीचा विकसित किया है। उन्होंने बूंद-बूंद सिंचाई पद्धति अपनाकर कम पानी में अधिक उत्पादन प्राप्त किया और बेहतर मुनाफा कमाया।

गहलोत ने बताया कि पारंपरिक खेती की तुलना में आधुनिक सिंचाई पद्धति से किसान को दोगुना लाभ मिल रहा है। राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना के तहत फल वृक्ष स्थापना पर सामान्य अंतराल के लिए 1.25 लाख रुपये तथा सघन फल बगीचा स्थापना पर 2 लाख रुपये की इकाई लागत का 40 प्रतिशत अनुदान किसानों को दिया जा रहा है।

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 के तहत कतरियासर गांव में 18.13 करोड़ रुपये की परियोजना स्वीकृत हुई है। इसके तहत टांका, फार्म पोंड, रूफ टॉप वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर, रिचार्ज शाफ्ट, जोहड़ एवं जलबिंदु जैसे जल संरक्षण कार्य करवाए जा रहे हैं।

जलग्रहण विभाग के अधीक्षण अभियंता महेश अजाड़ीवाल ने बताया कि अब तक किसानों के खेतों में करीब 120 फार्म पोंड बनाए जा चुके हैं। साथ ही सार्वजनिक स्थलों पर जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण भी जारी है।

उन्होंने बताया कि गांव में करीब 90 बीघा भूमि पर 55 प्रजातियों के लगभग 10 हजार स्थानीय छायादार, फलदार, फूलदार एवं औषधीय पौधे लगाए जा रहे हैं। इससे क्षेत्र की पारिस्थितिकी में सकारात्मक बदलाव आएगा तथा जीव-जंतुओं को छाया एवं भोजन उपलब्ध होगा।

अजाड़ीवाल ने बताया कि कतरियासर गांव में मियावाकी पद्धति से लगभग 19 हजार 474 पौधे लगाए जाएंगे, जबकि चारागाह क्षेत्रों में करीब 7 हजार पौधों का रोपण किया जाएगा। इनमें सेवण, धामण, स्पाइनलेस एवं कैक्टस घास के साथ औषधीय, फलदार एवं छायादार पौधे शामिल होंगे।

उन्होंने बताया कि थार शोभा खेजड़ी, जाल, रोहिड़ा एवं अन्य फूलदार पौधों का रोपण भी किया जाएगा, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ आर्थिक एवं स्वास्थ्य संबंधी लाभ भी प्राप्त होंगे।

बीकानेर शहर से 15 किलोमीटर दूर विकसित हो रही लवकुश वाटिका भी जल संरक्षण एवं जल के समुचित उपयोग का उत्कृष्ट उदाहरण बन रही है। लगभग 27 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली इस वाटिका में करीब 3 हजार 500 पौधे लगाए गए हैं, जिन्हें बूंद-बूंद सिंचाई प्रणाली से जोड़ा गया है।

यहां वर्षा जल संरक्षण के लिए दो नाड़ियां बनाई गई हैं तथा 2 लाख लीटर क्षमता का स्वच्छ जलाशय भी तैयार किया गया है, जिसके माध्यम से पौधों तक पानी पहुंचाया जा रहा है। उप वन संरक्षक संदीप कुमार ने बताया कि वाटिका में जल संरक्षण एवं उसके सदुपयोग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि सीमित जल संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जा सके।

डॉ. हुसैनी मुजीब को दी गई ईद की बधाई

हैदराबाद, 20 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): बकरीद के त्योहार के शुभ अवसर पर टीए-नजीओ यूनियन हैदराबाद के अध्यक्ष और संबद्ध अध्यक्ष श्री के.आर. राजकुमार, उपाध्यक्ष श्री बोलिगीद शकर, सार्वजनिक सचिव श्री वैदिक शास्त्र, कार्यकारिणी समिति (एउ) के सदस्यों श्री शीधर, श्री उस्मान भाई, श्री रामकृष्ण रेड्डीअन्ना, श्री मोहम्मद और श्री चौश ने टीएनजीओ यूनियन केंद्रीय के महासचिव श्री डॉ. एस.एम. हुसैनी मुजीबन्ना से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने डॉ. मुजीबन्ना को शॉल ओढ़ाकर और गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया और उन्हें बकरीद की दिली मुबारकबाद व शुभकामनाएं दीं। इस बधाई कार्यक्रम में सभी पदाधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मिधानि ने चौथी तिमाही में दर्ज किया रिकॉर्ड कारोबार

हैदराबाद, 29 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मिनी रत्न रक्षा सार्वजनिक उपक्रम मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में 552.75 करोड़ का अब तक का सर्वाधिक त्रैमासिक कारोबार दर्ज किया है। यह पिछले वर्ष की समान तिमाही में दर्ज 410.56 करोड़ की तुलना में 34.63 प्रतिशत अधिक है।

कंपनी द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में उत्पादन मूल्य (वीओपी) 392.19 करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही के 329.16 करोड़ की तुलना में 19.15 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। मिधानि का कर पूर्व लाभ (पीबीटी) चौथी तिमाही में 107 करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 77.16 करोड़ की तुलना में 38.67 प्रतिशत अधिक है। वहीं कर पश्चात लाभ (पीएटी) 77.75 करोड़ दर्ज किया गया, जो पिछले वर्ष के 56.14 करोड़ की तुलना में 38.49 प्रतिशत की वृद्धि है।

कंपनी के बेहतर वित्तीय प्रदर्शन को रक्षा एवं औद्योगिक क्षेत्रों से मिल रही मांग का सकारात्मक परिणाम माना जा रहा है।

वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान कंपनी ने 1,208.63 करोड़ का अब तक का सर्वाधिक वार्षिक कारोबार हासिल किया। यह वित्त वर्ष 2024-25 के 1,074.10 करोड़ की तुलना में 12.52 प्रतिशत अधिक है। इसी अवधि में कंपनी का उत्पादन मूल्य 1,193.92 करोड़ रहा, जो पिछले वित्त वर्ष के 1,065.62 करोड़ की तुलना में 12.04 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। कंपनी का ईबीआईटीडीए वित्त वर्ष 2025-26 में 275.59 करोड़ रहा, जो पिछले वित्त वर्ष के 248.97 करोड़ की तुलना में 10.69 प्रतिशत अधिक है।

वित्त वर्ष 2025-26 में मिधानि का कर पूर्व लाभ (पीबीटी) 184.09 करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष के 156.04 करोड़ की तुलना में 17.98 प्रतिशत अधिक है। वहीं कर पश्चात लाभ (पीएटी) 130.79 करोड़ दर्ज किया गया, जो पिछले वित्त वर्ष के 110.07 करोड़ की तुलना में 18.82 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। कंपनी की ऑर्डर बुक 1 अप्रैल 2026 की स्थिति के अनुसार 2,290 करोड़ रही, जो भविष्य में भी मजबूत कारोबारी संभावनाओं का संकेत मानी जा रही है।

अग्रवाल समाज दोमलगुड़ा शाखा की वार्षिक साधारण सभा कल

हैदराबाद, 29 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की दोमलगुड़ा शाखा की वर्ष 2026 की वार्षिक साधारण सभा आगामी रविवार को आयोजित की जाएगी। शाखा के सचिव प्रतीक अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार सभा का आयोजन राघव रत्ना टावर के 10वें माले पर स्थित अग्रवाल समाज तेलंगाना के सभागृह परिसर में किया जाएगा।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 11:31 बजे फैलोशिप के साथ होगी, जिसमें स्वागत, शीतल पेय एवं स्वल्पाहार की व्यवस्था रहेगी। इसके पश्चात दोपहर 12:01 बजे से वार्षिक साधारण सभा प्रारंभ होगी।

सभा में महाराज श्री अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना के बाद शाखा अध्यक्ष द्वारा स्वागत संबोधन दिया जाएगा। इसके पश्चात शाखा सचिव द्वारा वर्षभर की गतिविधियों की वार्षिक रिपोर्ट तथा कोषाध्यक्ष द्वारा वार्षिक आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया जाएगा।

इस अवसर पर समाज द्वारा संचालित क्लीनिक, महिला समिति, अग्रसेवा एवं मासिक मेल-मिलाप कार्यक्रमों से संबंधित जानकारी और आगामी योजनाओं पर भी चर्चा की जाएगी।

शाखा पदाधिकारियों ने सभी सदस्यों से अपने पति-पत्नी सहित निर्धारित समय पर उपस्थित होकर सभा को सफल बनाने का अनुरोध किया है। आयोजन को लेकर शाखा के सदस्यों में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है।

मछली दवा प्रसादम आयोजन में सेवा कार्य करेगा जन सेवा संघ

हैदराबाद, 29 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जन सेवा संघ चिकित्सा समिति के संयोजक सीताराम ठाकुर के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने आगामी 8 जून 2026 को आयोजित होने वाले मछली दवा प्रसादम कार्यक्रम के मुख्य आयोजक इरींळपळ र्त्रींव ऋाळश्रू से उनके आवास पर मुलाकात की।

बैठक के दौरान जन सेवा संघ द्वारा आयोजन में स्वैच्छिक सेवा देने, आयोजन स्थल नुमाइश मैदान में सेवा शिविर स्थापित करने तथा श्रद्धालुओं के लिए भोजन, पेयजल एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

प्रतिनिधिमंडल ने आयोजन के दौरान आने वाले लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सेवा कार्यों की रूपरेखा पर चर्चा की। इस दौरान भोजन वितरण, पानी की व्यवस्था तथा अन्य सामाजिक सेवा गतिविधियों को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने पर विशेष जोर दिया गया।

संयोजक सीताराम ठाकुर ने कहा कि जन सेवा संघ हमेशा समाजसेवा के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाता रहा है और इस आयोजन में भी सेवा भाव के साथ कार्य करेगा।

प्रतिनिधिमंडल में आर.पी. सिंह, सुनील श्रीवास्तव, हरि सिंह, सर्वन कुमार, श्याम साहु, मिंटू ओझा सहित कई अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

महांकालेश्वर मंदिर में अधिकमास महोत्सव के तहत विविध धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन

हैदराबाद, 29 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मीरालम मंडी स्थित श्री श्री श्री महांकालेश्वर मंदिर में अधिकमास मंडल महोत्सव के अंतर्गत विविध धार्मिक कार्यक्रम एवं दैनिक पूजन अनुष्ठानों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार, 31 मई को मंदिर परिसर में श्री सत्यनारायण स्वामी व्रतकथा का आयोजन किया जाएगा।

समिति अध्यक्ष गाजुला अंजय्या द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, रविवार को प्रातः 11 बजे सत्यनारायण व्रतकथा आरंभ होगी, जिसके पश्चात दोपहर 1 बजे श्रद्धालुओं के लिए अन्नप्रसाद वितरण किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि मंदिर में अधिकमास महोत्सव के तहत प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जा रहा है। प्रातः 7 बजे आवाहित देवता षोडशोपचार पूजन, 7:30 बजे चंडी पाठ (पारायण), 10:30 बजे पंचसूक्त, रुद्र हवन, पंचसूक्त पावमान स्वाहाकार एवं विष्णुयान संपन्न होंगे।

अपराह्न 12:30 बजे पंच आरती, मंत्र पुष्पांजलि एवं आशीर्वचन का आयोजन किया जाएगा। वहीं सायंकाल 6 बजे आवाहित देवता पंचोपचार पूजन तथा 6:30 बजे एकादशी रुद्र अभिषेक एवं पंचसूक्त पावमान अभिषेक होगा। रात्रि 9 बजे पंच आरती एवं 9:30 बजे आशीर्वचन एवं तीर्थ प्रसाद वितरण किया जाएगा।

प्रातः 8 बजे से ब्रह्मश्री कोडकंडला श्रीराम शरण शर्मा के आचार्यत्व में श्री महांकाली माता का पंचामृत अभिषेक एवं 108 सुगंधित द्रव्यों से महाभिषेक किया जाएगा। इसके साथ ही भगवान महादेव का महा रुद्राभिषेक भी विधि-विधान से संपन्न होगा।

मंदिर समिति के अनुसार, महांकालेश्वर के अभिषेक दर्शन मात्र से भक्तों को मोक्ष की प्राप्ति होती है तथा श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक शांति एवं पुण्य लाभ प्राप्त होता है।

सायं 6:30 बजे ब्रह्मश्री अलंकार ब्रह्म शृंगारम अत्रेयाचार्य के सानिध्य में विशेष अलंकरण के साथ श्री श्रीनिवास कल्याण महोत्सव आयोजित किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार, इस कल्याणोत्सव के दर्शन से श्रद्धालुओं को आयु, आरोग्य, ऐश्वर्य एवं समस्त सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

मंदिर समिति ने सभी धर्मप्रेमियों से सपरिवार कार्यक्रम में सम्मिलित होकर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करने का आग्रह किया है।

अग्रवाल समाज मैरेज डेटा कमिटी की 39वीं बैठक 31 को

हैदराबाद, 29 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की मैरेज डेटा कमिटी की 39वीं बैठक आगामी रविवार, 31 मई को आयोजित की जाएगी।

बैठक का आयोजन समाज कार्यालय राघव रत्ना टावर, चिराग अली लेन, तीसरे फ्लोर पर प्रातः 10:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक किया जाएगा। कमिटी की ओर से विवाह योग्य युवक एवं युवतियों के अभिभावकों से अनुरोध किया गया है कि वे अपने बच्चों का बायोडेटा फोटो सहित समाज कार्यालय में जमा करवाएं।

बैठक के दौरान अभिभावकों को योग्य रिश्तों से संबंधित बायोडेटा की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए उपयुक्त रिश्तों के चयन में सुविधा हो सके।

समाज पदाधिकारियों ने अधिक से अधिक परिवारों से इस बैठक में भाग लेने की अपील की है।

राज्यसभा सदस्य डॉ. के. लक्ष्मण को राज्यसभा हाउस कमेटी का चेयरमैन मनोनीत किए जाने पर भाजपा नेताओं द्वारा उनका सम्मान एवं स्वागत किया गया। इस अवसर पर भाजपा स्टेट एग्जीक्यूटिव मेंबर एवं वाइस चेयरमैन महेश बैंक गोविंद नारायण राठी तथा भाजपा नेता विमल डालिया ने डॉ. के. लक्ष्मण का शॉल, साफा एवं पुष्पमाला पहनाकर अभिनंदन किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.

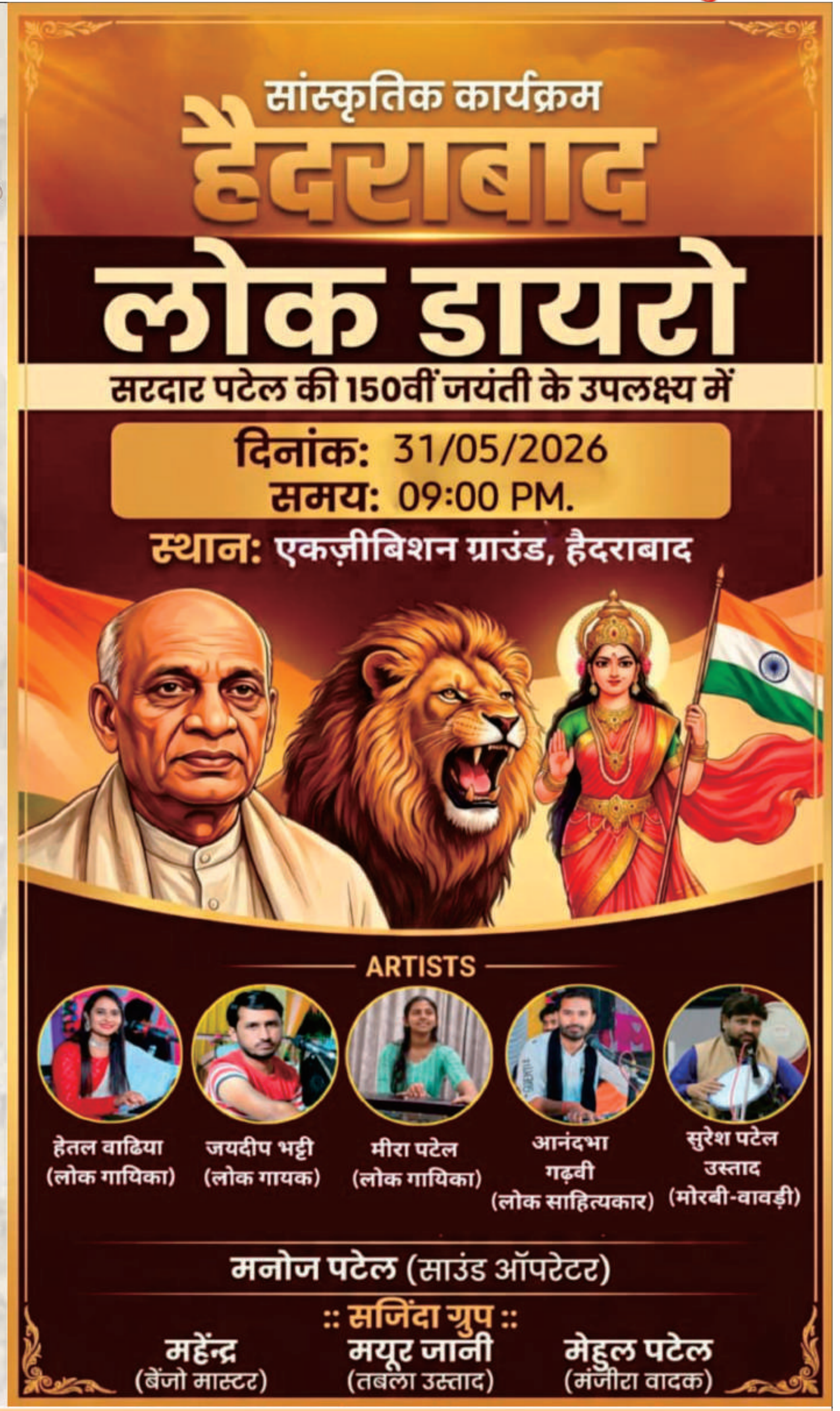

पदाधिकारीगण

श्री विनय पत्राले — राष्ट्रीय कार्याध्य
श्री जगन्नाथ स्वाई — राष्ट्रीय संगठन मंत्रा
डॉ. मिनाक्षी — दक्षिण प्रभारी
श्री कर्नल नागेश — सचिव
श्री प्रतीम पाण्डेय — संगठन मंत्री
श्री कनक कुमार, श्री हरि नायर, श्री रवि अनुपाल, श्री सुरेश कुमार

कृपया अपने समुदाय के साथ अवश्य पधारिये!

सम्मानिय अतिथि
श्री एन. रामचंद्र राव
बीजेपी तेलंगाना राज्य अध्यक्ष

विशेष निमंत्रक

श्री संजय घनाते — कार्यक्रम संयोजक
श्री आले भास्कर — संयोजक
जसमत पटेल — संयोजक-प्रोटोकॉल विभाग
एम. अरूणा ज्योति
श्री चंद्रकांत चौहान

With best wishes from

अग्रवाल समाज तेलंगाना,
हरियाणा नागरीक संघ
तेलंगाना गुजराती समाज,
श्री गुजराती सेवा मंडल, सिकंदराबाद,
श्री गुजराती प्रगती समाज, हैदराबाद
साइबराबाद गुजराती असोसियेशन

श्री कच्छ कडवा पाटीदार समाज हैदराबाद सिकंदराबाद
श्री कच्छ कडवा पाटीदार समाज हैदराबाद
श्री पाटीदार समाज, हैदराबाद-सिकंदराबाद
श्री गुजराती पाटीदार समाज, हैदराबाद
श्री जैन सेवा संघ हैदराबाद
श्री कच्छी मित्र मंडल हैदराबाद

श्री गुजराती ब्राह्मण समाज हैदराबाद सिकंदराबाद
श्री हैदराबाद सिंकदराबाद लोहाणा महाजन,
श्री सिकंदराबाद लोहाणा समाज
मैढ क्षत्रीय स्वर्णकार समाज, हैद. - सिकं,
श्री माली समाज हैदराबाद,
तेलंगाना आंध्र प्रदेशीक महेश्वरी समाज,

हैदराबाद सिंकद्राबाद माहेश्वरी सभा
वल्लभ युथ ओर्गनाईजेशन,
प.पू. रामचंद्र डोंगरेजी महाराज गौशाला
गोवत्स फाउंडेशन,
तेलंगाना गोशाला फेडरेशन
तेलंगाना गोसेवा समिति

तेलंगाना जाट समाज,
अखिल भारतीय ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन
गुजराती मुवी क्लब हैदराबाद,
सिरवी समाज हैदराबाद व तेलंगाना,
राजस्थानी प्रगती समाज

Jasmat Patel 72880 47779
Rama Krishna Patel 95504 17777

Love for Cow Foundation

Jasmat Patel, Ridesh Jagirdar, Ranjana Shah, Virender Agarwal, Tarun Mehta, Mukesh Chouhan, Jaswant Surani, Dhanjibhai Patel, Shashikala Kothari, Daddu Patel